॥ अथतालूरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ तालूरोगजुनवपरकार ताकोविवरोकरोंउचार गलसुंठीतुंडकेरीजानो अध्रुषकछपअर्बुदमानो मांससंघातजुपुप्पुटकहिये तालुशोषपुनपाकजुलहिये ॥ अथकंठसुंठीतालूरोगलक्षणम् ॥ चौपई ॥ तालूमूलशोथप्रगटावै कफअरुरक्तहितेंउपजावै जैसेषालधंमनसेंहोत तैसेंरूपशोथउद्योत त्रिष्णाकासश्वासपुनहोय गलसुंडीलक्षणलषिएसोय ॥ अथतुंडकेरीलक्षणं ॥ चौपई ॥ कंठशोथउपजैपुनदाह सूचीवेधइवपीडाताह तालूपकैकफरक्तजजान तुंडकेरीयोंकीनवषान ॥ अथअध्रुषलक्षणम् ॥ चौपई ॥ निश्चलशोथजुतालुमंझार रंगलालज्वरपीडविचार अध्रुषलक्षणऐसेंजान रक्तदुष्टतैरुजजहमांन ॥ अथकछपलक्षणम् ॥ तालूइववहुऊचाहोय पीडअल्पकफतेंलषसोय रक्तरहिततुमजांनोतास उपजैधीरैजानप्रकाश ॥ अथअर्बुदलक्षणम् ॥ तालुमध्यरुजकमलप्रकार उपजैशोथजुरक्तविकार अर्बुदरुजतिसनामपछानो सुश्रुतमतअपनेमनमानो ॥ अथमांससंघातलक्षणम् ॥ मांसपिंडइकतालुमंझार कोलमात्रतिसमानविचार पीडाविनतुमताकोजान कफजमेदयुततताहिपछान ॥ अथतालूशोषलक्षणं ॥ चौपई ॥ तालूशोषजुअतिकरहोय उग्रश्वासअरुफूटैजोय तालूशोषनामयहकहिये वातपित्तकफरुजजहलहिये ॥ अथतालूपाकलक्षणम् ॥ पित्तअधिकहोतालुपकावै तालुपाकसोइरोगकहावै ॥ इतितालुरोगनिदानं ॥ अथमुखरोगेतालुरोगचिकित्सा ॥ चौपई ॥ कफहरऔषदजानोजेति तालुरोगपराहितकरतेती ॥ अन्यच ॥ कफहरकाथकरूलीजोय गलसुंडीरुजहितहैसोय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिकुटावरचकुठसेंधाआन पाठाकणाअमलपुनठान समपीसेमधुसंगमिलावै मर्दनकरगलसुंडीजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चतुरवैद्यगलसुंडीजानै छेदनक्रयातासकीठानै अंगुलीवैद्यजुतामोधरै तीनभागकरछेदनकरै अतिदवायवहुरक्तनिकासे थोडानिकसैरोगप्रकासै शोथअवरवहुलालांआवै भ्रमउपजैवहुरोगकरावै छेदनकरपुनकरैउपाय त्रिकुटासेंधामधूमिलाय इहउपायगलसुंडीनाश रक्तमोक्षपुनहितकरतास ॥ अन्यच ॥ थोहरदुग्धलेपतिसकरै गलसुंडीरुजतातैटरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पाठारासनकौडपतीस वरचानिंवसमलीजैदीस इन्हकेक्काथसाथमुखभरै गलसुंडीतालूरुजहरै क्ष्यारमुंगकाथहिकेसंग भोजनकरैहोयरुजभंग ॥ अन्यउपाय ॥ शिषरीइंगुदिदंतीआन पुनसरलहिदेवदारूठान इन्हसभहुंकीवटीवनावै अग्निलायमुखधूमदिवावै तालुरोगकफरोगविनाश शास्त्रनकामतकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ वरचपतीसमरचफुनल्याय स्योनाककुठपुनपाठापाय मधुमिलायकरलेपनकरै गलसुंडीआदिरोगसवटरै ॥ अन्यच ॥ सुंठीसेंधातैलमिलिजै तालुरोगपरलेपनकीजै तालुरोगहोवैसवनास रोगीकेमनहोतहुलास ॥ अन्यच ॥ अग्निमंथसमवाथूचूरण चर्वनवामुखकरेजुपूरण वाकेवलनिर्गुंडीचर्वन तालुरोगसवकरेजुमर्दन ॥ अन्यउपा ॥ तालुपाकजवरुजलषपावै पितहरऔषदताहिकरावै ॥ अन्यच ॥ तालुशोषकेरोगमंझार वातहरनकरऔषदधार अवरहुंस्वेदताहिहितजान वंगसेनयोंकीनवषान पुप्पुटरुजकीयहविधकही ग्रंथअवरकछुलेखीनही तुंडकेरीअरुकछपजोई अध्रुषमांससंघातजहोई इनमों एहिविधपरमान अपनेमनमोनिश्चयजान इतितालुरोगचिकित्सा ॥

॥ अथकंठरोगनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कंठरोगवरननकरों भेदअठारांतास सोसवकहों विचारकेसुश्रुतमतपरकाश ॥ चौपई ॥ वातरोहिणीप्रथमभनैये पित्तरोणीदूसरीकहिये कफजरोहिणीतीसरिमान त्रिदोषरोहिणचौथीजान रक्-

रोहिणीपंचमगाई गलशालूकसोछठीसुनाई सप्तमकोअधिजिह्वपछान वलयनामरुजअष्टममान बला-सनवमनामकहिगायो दसमाएकवृंदरुजभायो वृंदएकादसकीनउचार द्वादशनामशतघ्नीधार गिला-यविद्रधीत्रयोदशभाष्यो गलविद्रधीचतुर्दसरुजआख्यो गलौघपंचदशनामकहीजे षोडशनामस्वरघ्न नीजे मांसतानसप्तादशजान अष्टादशहिंविदारीमान

॥ अथसामान्यरोहिणीलक्षणं ॥

वातपित्तकफमूर्छितहोय मांसरक्तदूषितकरसोय गलमेंअंकुरप्रगटेजवही नरकेप्राणशीघ्रहरतवही रोहिणी-रोगनामतिसगायो निदानग्रंथमतसोइबतायो

॥ अथवातरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जिन्हाचारऊौरदुखहोय जिन्हामूलमांसांकुरजोय तिन्हअंकुरसोकंठरुकावे वातरोहि-णीसोऊकहावे वातउपद्रवसंयुतजान सुश्रुतकामतजाहिपछान

॥ अथवातरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपै । मोक्षरुधिरअरुधूम्राहिपान नस्यवमनगंडूषपछान सनेहकवलसनेहकोपान यामोहितकर-लपैंसुजान.

॥ अथपित्तरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जिन्हामूलशीघ्रपाहिचान उपजैअंकुरदाहमहान शीघ्रपकैंजिसवहुज्वरहोई पित्तरोहिणीजानोसोई

॥ अथपित्तरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ प्रियंगूअरुमिसरीमधुआन इनकाकाथकरैजोपान पित्तरोहिणीतातैजाय वैद्यकमतयौंदियोवताय

॥ अथकफरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ मांसांकुरजोकंठरुकावे ऊचोअचलसुकफजकहावे मंदपाकतुमतिसकाजान कफजरोहि-णीतासपछान

॥ अथकफरोहिणीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कफजहोयजिसकंठविकार गृहधूमकौडसमलेहुविचार पीसैमर्दनगलपरकरै कंठरोहिणी-तातेंहरै ॥ अन्यच ॥ दंतीअरुविडंगसममेल इन्हसोसिद्धकीजियेतेल मुखपूरैकफगलरुजजाय यहउपायभीकह्योवताय

॥ अथत्रिदोषरोहिणीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥जामोचिन्हत्रिदोषजलहियें त्रिदोषरोहिणीसौऊकहिये रुजत्रिदोषशीघ्रहरप्राण कफजरोहि-णीत्रैदिनमान पित्तरोहिणीपंचदिनकहिये वातरोहिणीसप्तसुलहिये असाध्यरक्तरोहिणीजान निदानग्रंथ-मतयाहिप्रमान ॥ अथरक्तरोहिणीलक्षणं ॥ जिन्हामूलजुपित्तसमान होवैस्फोटसुरक्तजजान ॥ अथकंठशा-लूकलक्षणं ॥ पडैगांठजोकंठमंझार ऊपरकंटकताविस्तार यातैषहुरीइस्थिरसोय शस्त्रकटैतैंसाध्यसुहोय ॥ अथअधिजिन्हलक्षणं ॥ चौपै ॥ जिन्हामूलजिन्हाग्रजुन्याव शोथरक्तकफमिल्योलखाय जिन्हातलबीहो-वृपहरोग असाध्यपकैविनभाषैंलोग पकैंतुयाहिअसाध्यपछान असअधिजिन्हरोगकियोगान १ अथव

लयलक्षणं ॥ चौपै ॥ कंठरोधककफऊंचाहोय मारगअवजुरीकैसोय जहकफकरउपजैहैंव्याध याकोजानोमहाअसाध॥ अथवलासलक्षणं ॥ चौपै ॥ कफअरुवातश्वासउपजावै कंठमध्यशोथप्रगटावै मर्मछेदतिसतैंनरहोय असविकारदुस्तरहैसोय ॥ अथएकवृंदलक्षणं ॥ चौपै ॥ गोलउच्चशोथगलहोय कठोरसकंडूदाहजुसोय भारीहोयपकैसोनाहीं यहकफरक्तहुतैंप्रगटाहीं ॥ अथवृंदलक्षणं॥ चौपै ॥ ऊचोगोलजुशोथसदाई तीव्रहोयज्वरयौंलषताहि रक्तपित्ततैहोतविकार वहुपीडातैवातविचार ॥ अथशतघ्नीलक्षणं ॥ चौपै ॥ कंठरोधनीवटीजुहोय मासांकुरकरसंयुतसोय प्राणहरनयहव्याधकहावै त्रिदोषहुतेजुअसाध्यलषावै शास्त्रशतघ्नीन्यायसुलाहिये यातैंनामशतघ्नीकहिये ॥ अथगिलायविद्रधीलक्षणं चौपै गांठआमलोगिटककीन्याई कंठमाहिइस्थिरप्रगटाई पीडअल्पकफरक्तजमांन कटैशास्त्रसोसाध्यसुजान भोजनमाहिशक्तनहिराषै निदानग्रंथमतऐसेभाषै ॥ अथगलविद्रधिलक्षणं ॥ चौपै ॥ सर्वकंठजोशोथरुकावै सभदोषजवहुपीडजनावै पीडावहुतप्रकारजुहोग वातपित्तकफकेसंयोग ॥ अथगलौघलक्षणं ॥ चौपै ॥ अन्नअरजलमारगजोयरोकैशोथ[illegible]तीव्रज्वरहोय श्वासमार्गपुनरोकेसोय महाकष्टउपजावैजोय यहकफरक्तहुतैंप्रगटावै महाव्याधम[illegible]ल्यावै त्रिदोषविद्रधीकेहिसमान गलरुजविद्रधिजानसुजान वायुकरजवसंयुतहोय नरकेप्राणहनेतवसोय ॥ अथस्वरघ्नलक्षणं ॥ चौपै ॥ जोजनग्लानिप्राप्तहोय निरंतरश्वासहिलेवेसोय अरुस्वरभिन्नहोतहैजास शुष्ककंठमुखजानीतास अरुकफहूंकरमारगप्रान कफरुकावतऐसेजान तवस्वरघ्नरोगप्रगटावै यहरुजवातहुतेंलषपावै ॥ अथमांसतानलक्षणं ॥ चौपै ॥ शोथहोयजोकंठमझार मांसकीलगलकरैविस्तार महाकष्टउपजैपुनतास कंठरुकैक्रमसोंलषजास त्रिदोषजहीयहरोगपछान जानलेहुयहनाशकप्राण ॥

॥ अथविदारीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ सूचिवेधइवपीडाजोय कंठहिशोथदाहजुतहोय मांसगलैदुर्गंधीआवै पित्तहुतैंयहरोगकहावै जिसपास्वसोवैनरजोय सोईपास्वविधीरणाहोय

॥ अथकंठरोगसामान्यचिकित्सा ॥

साध्यरोहिणीकेमंझार रक्तहिमोक्षछेदहितकार नस्यअरुधूमपानहितजान औरगंडूषैश्रेष्टहिमान वातरोहिणीश्रेष्टसुकहै वाह्याभ्यंतरस्वेदनअहै अंगुलीयुतवाशास्त्राहिसंग छेदनकरणाजानसुचंग रक्तजमोहितजान। प्रवीन रक्तनिकालनइहविधचीन लवणाहिसोंप्रतिसारणकरै सुखउष्णतैलकवलमुखधरै पित्तरोहिणीविधइह जान रुधिरनिकालेइहविधमान प्रियंगूसित्ताअरुमधुडार इनकरप्रतिसारणसुविचार प्रथमकफजसोरुधिरनिकारे ग्रहधूमकौडपुनतामोधारे ताहीसोंप्रतिसारणजान ग्रंथकारमतकीनवषान सितदूर्वाअरुवायविडंग दंतिसैंधाकरइनसंग इनसोंतैलपकावैजोय वानसुआरभरैमुखसोय कंठहिरोगकफजहोएदूर मनमौंजानींनिश्चयपूर वंशलोचनगेरिरसौंतमिलाय तिनकरकंठप्रसारकराय विद्रधिकंठनासतवजांनो ग्रंथकारमतयाहिपछानो द्राक्षकौडत्रिकुटात्रिफलाय त्वचादालहलदकील्याय मुस्थरपाठामूर्वाआन रसौंततेजवलसभसमठान चूरणकरमधुसाथमिलावै कंठमलैपुनयाकोंखावै रक्तजवातजकफरुजजेते कंठहुकेसभनाशैतेते ॥ अन्यच ॥ पंचमूलकेकायहिसंग मुखपूरैतौरुजगलभग ॥ अन्यच ॥ द्राक्षफालसेरसमुखपूर कंठरोगयातैंहोइदूर ॥ अन्यच ॥ लोध्रवकममधुकणामिलावै याहिकायगंडूषकरावै कंठशालूकअवरतुंडकेर नाशहोहिगलरुजहितहेर यवाक्षरसघृतएकहिकाल भोजनकरैकंठरुजटाल

॥ अथअधिजिव्हाचिकित्सा ॥

॥ चौंपई ॥ अधिजिव्हकरोगकंठमझार उपजिव्हाइवस्थितहितकार जोगिलायुभ्याधलषपावे शस्त्र-कयाताकीपुनगावे गलविद्रधीकंठहोइजिसरोग छेदनतासकयाहैयोग कंठरोगमोंहितनसवार रुधिर-मोक्षभीहैहितकार ॥ अन्यच ॥ हरडक्काथमधुसाथजुपीजै कंठरोगयांतेंपुनछीजै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पाठामुथ्रूसुरदारपतीस कौडकुटजसमपावोपीस गोमूत्रसाथक्काथसोकरे पीवैकंठरोगसवटरै विष्णु-क्रांतसंखाहुलील्यावे जलसोंपीसजुपानकरावे यांतेंकंठरोगसभजाही ऐसेकह्योजुग्रंथकेमाही ॥ अन्यच ॥ नसवार तमालपत्रासितासमभाय कालेमरचसुदुगुणामिलाय घृतपकायकरलेनसवार गलग्रहनाशैरोगनिवार

॥ अथकालिकचूरणं ॥

॥ चौपै ॥ गृहधूंमसलोधरलेयवक्ष्यार पाठात्रिफलात्रिकुटाडार रसोंततेजवलचित्रापावे सभसमपीसैमधु-जुमिलावे गलमोंयाकोंलैपैजोय कंठजुरोगनाशतवहोय

॥ अथपीतिकचूर्णं ॥

दालहलदमनाशिलयवक्षार हारितालजुसैंधाचूरणडार मधुघृतयुतलेपेगलजोय गलग्रहरोगनाससवहोय

॥ अथयवाग्रजगुटका ॥

॥ चौंपई ॥ जवाग्रजदालहलदपुनआन रसोंततेजवलपाठाजान मघपीपलसमसभपीसावै मधुमि लायगुटकावंधवावै कंठमांहिराषैपुनसोय कंठहिरोगनासतवहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पंचकोलए-लातालीस यवक्ष्यारमरचतजपत्रजुपीस दालचीनीजुपलासहिक्षार तामोडारेपीससुधार दुगणपुरातन-गुडजुमिलाय गुटकावांधेभलैवनाय सप्तदिवसमुखभीतरधरै यातेंकंठरोगसभहरै ॥ अन्यच ॥ दाहल-दानिंवतजपत्तर हरडइंद्रजवकरोइकत्तर तिनकाक्काथकरोजुवनाय सहितमेलपीवेहितलाय कंठरोगतिस तेंसवनाशें जैसेशंकरत्रिपुरविनासें इतिकंठरोगचिकित्सा

॥ अथसर्वशरमुखरोगनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ रोगसरवशरतीनप्रकार वातपितअरुकफजविचार

॥ अथवातजलक्षणं ॥

पीडाहोएविस्फोटनसंग मुखसभव्यात्पहोयअतिभंग लक्षणभेदकहोहितजान सोसुनिएमतसुश्रुतमान ताकोवातजलेहुपछांन अैसेभाखैग्रंथनिदान

॥ अथवातजमुखरोगउपाय ॥

सेंधाफटकडीसमयहपाय नप्तनीरमोंताहिमिलाय सीलगर्मयवकरूलीकरैं वातरोगमुखतेंसवटरैं

॥ अथपैतिजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पीतापिंडिकावहुसंगदाह तिन्हकरमुखसभव्यापतजाह पित्तजसरवशररोगकहीजै इन लक्षणकरजानपतीजै

॥ अथपैतिकमुखरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कत्थमुलठीसमकरपाय नीरमेलतिसततकराय माख्योपायकरूलीकरें पैतिकरोगता-तेंसबटरें ॥ अन्यच ॥ उष्णदुग्धघृतकरजुमिलान सहितडालतिनकरतजुपान पैतिकरोगमुखतेंसबजाय जैसेशिसरऋतुपद्मनसाय

॥ अथकफजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पीडारहितकंडुयुतजोय सवरणपिंडिकाव्याप्तमुखहोय कफजसरवझरताकोजान ऐसेंकहे जुग्रंथनिदान अथकफजमुखचिकित्सा

॥ दोहरा ॥ नीलाथोथाफटकडीपीसमलेमुखमाहि मुखतेंजलजुनिकासियेकफकोरोगनसाहि अथ-मुखरोगसामानचिकित्सा

॥ मुखपाकजतन ॥

॥ चौपई ॥ मुखपाकविषेंशिरवेधप्रमान शिरकारेचनअतिसुखदान ॥ अन्यच ॥ घृतगोमूत्रक्षीरमधुचीन-इनसोंमुखपूरेंजुप्रवीन यहभीश्रेष्टउपायपछानो अवरहुसुनोसुप्रगटवषानो चरवणजातीपत्रपछान अवर-हुंभीसुनकरोंवषान ॥ अन्यच ॥ जातीपत्रजुद्राक्षगिलोय दालहलदत्रिफलाहिसमोय मधुमिलायकरका-थसुपीवे मुखकेरोगनासतवथीवे गंडूषयाहिक्काथसोकरैं मुखकोपाकताहिसोंहरैं ॥ अन्यच ॥ निंमजुजं-वूअंवपटोल अवरमालतीकदंवसमतोल इन्हकेपत्रनकोकरेंक्काथ गंडूषकरावेताकेसाथ याहीतेंमुखपाक निवारे यानिश्चयअपनेमनधारे ॥ अन्यच ॥ केवलत्रिफलेकोकरेंक्काथ मुखप्रक्ष्यालैताकेसाथ मुखकोपाकदू रहोइजाय ऐसेंकह्योउपायसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मुत्थरहरडमुलठपटोल कौडउशीरचंदनसमतो-ल अरुसप्तछदतामुमिलावे करक्काथपिलायपाकमुखजावे ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ पटोलसुंठतुम्मा-त्रिफलाय त्रायंतीदोनोरजनीपाय कौडगिलोयक्काथसोकरै मधुसहपियेपाकमुखटरै ॥ अन्यच ॥ तिल-नीलोत्पलघृतमधुपाय दुग्धशरकरासंगमिलाय इन्हसोंकरैकरूलीजोय मुखदग्धपाकदाहहतहोय पंचप-ल्लवकोकरेयुक्काथ मधुजुमिलावेताकेसाथ मुखगंडूषकरेतिससंग रुजमुखपाकहोयतिसभंग वक्कलपंच वृक्षकोलीजे अष्टविशेषक्काथतिसकीजे मधुमिलायगंडूषकरेजव रुजमुखपाकसवदूरकरेतव ॥ अन्यच ॥ दारूहलदगिलोयजवान चमेलीपत्रद्राख्यसमआन त्रिफलापाइक्काथजोकरे कुरूलीकरेमुखपाकसोहरे ॥ अ न्यच ॥ रजनीनिंवपत्रजुमुलठ नीलोत्पलसमकरोइकठ इन्हसोंतैलपकायलगावे मुखकोपाकदूरहोइ-जावे ॥ अन्यच ॥ इकपललेहुमुलठप्रवीन नीलोत्पललीजैपलतीन प्रस्थतैलतिंहसंगमिलावे दोयप्रस्थ-दुग्धातिंहपावे सोपकायमुखपूरैतास होवैरोगपाकमुखनाश अथवाताकीलेनसवार वामर्दनकरनिश्चयधार

॥ अथमुखरोगदुर्गंधउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कालाजीराकुठमंगावे इंद्रजवलेकरताहिरलावे दिनातीनयहचरवणकरै मुखदुर्गंधस-हितवणाहरै ॥ अन्यच ॥ एलावालामुत्थरमुलठ तामोपावैधनीयांकुठ यहसमचूर्णमुखमोंपूर मदरा-गंधदुर्गंधसुदूर ॥ अथमुखछाईंकाउपाय ॥ लोधरधनियांवचगोरोचन मिरचमहीनपीसैइहकारन करै-लेपजोमुखकोकोइ मुखछायीसवदूरहिहोई ॥ अन्यच ॥ जाफलपीसलेपमुखकरै तौछायीकोततछि-

नहरै ॥ अन्यच ॥ मसूरदूधमोपीसलाइ घृतमिलाइलेपैसुखपाइ ॥ अन्यच ॥ केसररकचंदन-अरलोधर स्वरसमजीठमुलढपत्रवर कुठगोरोचनहलदीलाख दालहलदीनागकेसरराख फूलप्रि-यंगूवडकेअंकुर चंवेलिपातमोमसरसोंवचधर तुल्यतेलविचपाइपकाइ मंदअग्नसौंताहिमिलाइ तेल-रहैजबपुनकरछानै मर्दनकरैमुखछाईहानै मस्सेआदिजोहोइविकार ऐसोरोगसबनिश्चैटार ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सारोगमुखवंगसेनअनुसार नीकेसमुझविचारकैकरैवैद्यउपचार ॥ दोहा ॥ वातपित्तकफतीन मुखरोगहिभेदवखान याहूकेलक्षणमिलैंऔषधताकीठान इतिमुखरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥ ॥

॥ अथमुखरोगअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसजरकात्रिदोषजजोई औष्टनमांहिरोगअसहोई सोईरोगअसाध्यपछान ऐसैंभाषै-ग्रंथनिदान दंतमूलत्रिदोषजहोय अरुशौषिरअसाध्यहैसोय भंजनकश्यावदंतदालनजो दंतनमोंअसा-ध्यलषजहसो जिव्हामोंअसाध्यजुअलास तालूमोंअर्वुदलषतास कंठरुजनमोंर्वुदवलास वलयस्वर-घ्नाविदारीभास गलौघमांसतानपुनजानो शतघ्निरोहिणीएतेमानो कंठअसाध्यरोगयहकहे ज्योनिदान-ग्रंथमोलहै अरुअसाध्यलक्षणलषपावै ताकोवैद्यत्यागउठजावै इतिमुखरोगेसाध्यासाध्यनिरूपणम् ॥

॥ अथमुरोगेपथ्याऽपथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मुखजरोगकेपथकुपथसुनहोमनमोंमीत सोसमस्तवरननकरौंशास्त्रनकीज्योंरीत ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥रेचनवमनस्वेदपुनजानो मुखकोरुधिरमोक्षपहिचानो औषदपुनगंडूषकरावै सेडआदि-त्रिणधान्यलषावै यवमुंगीवनमृगपक्षिमास पटोलकरेलेपथलषतास तोषाक्षीरषैरकथकहिये वाल-मूलिघृतउष्णजललहिये हाफूआद्रकमरचकपूर वस्तुतिककटुपुनतांवूर दोहा ॥ वदनरोगकेपथ्यजहभाषे-भलेविचार सुनहोतासअपथ्यअवनीकेकरोंउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥दंतकाष्टदधिदुग्धन्हान अ-म्लसमस्तमत्स्यपहिचान अनूपदेशजीवनकोमास गुडअरुरौक्ष्यअन्नषलतास दिननिद्राजुअधोमुखशौन अपथ्यरोगमुखभाषतवैन ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथमुखरोगकेकीनेभलेउचार पथ्यधरैत्यागैअपथसोचतुरा संसार इतिमुखरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम्

॥ अथमुखरोगेकर्मविपाकमहा ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपई ॥ मातपितागुरुकीकरैनिंदा सुरब्राह्मणनिंदकनरमंदा अरुअभक्ष्यकोभक्षणकरै मुखकोरोगताहिआवरै

॥ अथउपाय ॥

॥चौपै॥ स्वर्णहुकेवारूपेकरो इकहस्तिवनवायदोषसभहरो रूपेकेदोइदांतलगावै स्वर्णनेत्रकरजाहिजुडावै मुकतकीतिसपूछलगाइ तांबेकेदोइकर्णबनाइ पीतवस्त्रऊपरऔढावै चारद्रोणधान्यपरबैठावै गण-पतिनवग्रहपूजैसोय अरुआपेदिग्गाजजइहोय विधिवतहस्तीपूजनकरे हवनकरैमनश्रद्धाधरै करसं-ल्पविप्रदेसोय मुखकोरोगनिवारणहोय ॥ दोहा ॥ मुखरुजकेकारणकहेदोषउपायसंयुक्त गलगंडमा-लारोगकेआगेकरोंसुउक्त

॥ अथमुखरोगज्योतिष ॥

शुक्रदशाकेअंतरेसूर्यकरेपरवेश तबमुखरोगजुविकलमनप्राणीहोतकलेश तांकेदोषनिवारकोंइहविधग्रंथवरे सूर्यकीअर्चाकरैविधिवतव्रतहिकरे इतिज्योतिष

॥ अथान्यप्रकारमुखरोगाधिकारकथनं ॥ तत्रादौकंठरोधवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ रोगकंठरोधहैजाको खुनांकनामफारसकाताको दोइभुजातेंरुधिरछुडावे ग्रीवापीछेपछ करावे अथवाकंठपछकरसोईं रुधिरनिकालदूरदुखहोईं अंवलतासहरडमंगवावे दुसांदारेचकताहिपि- लावे अथवाताहिकरूलीकारिए खुनाकरोगताहीछिनहरिए जीरामर्चकुठमंगवावे जौखारगोकाघृतसमपा वे करेक्वाथगलधोवेकोईं अथवाकरेगरारेसोईं मांजानामघासकहलावे सिरकेवीचसोइगडकावे पीस- लेपगलऊपरकरिए खुनाकसोजताहीछिनहरिए मघजौखारजुआइनल्यावे वरावरपीसमखीरमिलावे निस दिनचटनीताहिचटाय खुनाकरोगनिश्चेहटजाय त्रिकुटाहिंगूकुचलाल्यावे वल्लजुआंइनहरडमिलावे पु- षकरमूलसमाकजोहोईं दाडिमधनिआंजीरासोईं तज्जकौडचित्रासंगपावे सज्जिसीसालूणमिलावे कालालू णआनिएसोईं तंडुलजलसंगपीसेकोईं मासेसातगोलिआंकारिए विनाधूपछायामेधरिए गोलिनित्यनारि- संगखावे कंठसोजताहीहटजावे नौतोलेकुलथताहिमंगवावे अर्धभागसुंठीसंगपावे चारसेरगोमूत्रमि- लाय चाढअग्नपरसोगडकाय एकसेरक्वाथरहजावे कपडासेडगलेपरलावे सीतलहोएगर्मकरसोईं वार वारराखेजवकोईं दिवसतीनलगऐसाकारिए खुनाकरोगताहीछिनहारिए

॥ रोगवंदहोनावाणीदा ॥

॥ चौपै ॥ स्वरभंगरोगहिंदीमतमांनो वहतुलसौतफारसीजांनो कफहूकाजवकोपपछांने स्वरभंगरो- गताहीकरमांने वचंवावचीकुठमंगावे सीसालूणव्रह्मीमघपावे पौनेदोदोमासेल्यावे ढाईंतोलेमधूमि- लावे आद्रकरसमखीरसमहोईं करइकत्रचटनीहितसोईं मकररासमूरजजवआवें तवऔषधादिनादिनप्र तिखावे स्वरभंगरोगहटजावेसोईं वाणिशुद्धदूरदुखहोईं मुलठीमघदसमासेल्यावे भेडदूधअर्धसेरमिला वे मासेसातमखीररलाय प्रातपिएवाणीखुलजाय पीनसनजलाखांसीजोईं छातीहृदयसीसदुखखोईं॥ वर्चगिलोईंहडमंगावे वावडिंगसुंठीमघपावे वरावरपीसनिताप्रतिखाय मासेंदसवाणीसुखपाय पका- यनुसादरनीरमिलावे गरारेकरेताहिसुखपावे हिंगुमर्चपीसमधुपावे मासेंदोईंपाककरखावे सीसालूणसुं ठमघपावे मासेसातकांजीसंगखावे दाडिमपिप्पलमूलमंगाय जौखारमघसंगरलाय वरावरपीसनीर संगहोईं गोलीकरमुखराखेसोईं चूपैरसस्वरभंगहटावे वाणीशुद्धताहिदुखजावे टुडीतलेपछकरसोईं सिं गीलायदूरदुखहोईं नीलोफरघृतताहिमंगावे वनफसाघृतवदामघृतल्यावे लेघृतएकगरारेकरिए स्वरभं- गरोगताहीछिनहरीए

॥ अथमुखदुरगंधीरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै मुखदूर्गंधीहोवतजाको गंददहाननामकहुताको आमासयकादोषजोहोईं अथवादोषमसू- ढेसोईं आमासयजवगरमीजांनो नीरलेसलातहांपछांनो सोईंस्वासवलमुखमेधावे दुर्गंधीदोषताहिप्रघटा वे आगेलक्षणताकोहोईं भोजनकरहटजावतसोईं ताहियतनऐसामनभावे उठेप्रातरुचिभोजनखावे- मस्तकीनागरमोथालीजो कवावचीनीसंगजैफलकीजो जलपत्रीलौंगअगरसंगपावे नीरपीसगोलीवं

धवावे राखेमुखरसचूपेसोई मुखदुर्गंधदूरतवहोई छिलकाथोंमसोईमुखपावे मुखदुर्गंधीनिश्चितजावे- जेकरदोषदूरनाहोई रेचकदेदुखहरिएसोई थोडाभोजननमंसुखावे भोजनअधकनाथिंदाभावे मसूडेपरदु- र्गंधीमांनो ताहियतनऐसाहितजांनो नागरमोथालाचील्यावे कुठमुलठीवालापावे गोलीकररसचूपेसो- ई मुखदुर्गंधीनासेहोई पुष्पपत्रजूहीकेल्यावे मरुआकुठवर्चसंगपावे लेसमपीसगोलिआंकरिए राखेमुख दुर्गंधीहरिए तूंवालेकरखालीकरिए ताहीवीचमृत्तकाभरिए धावेवीजताहुमेवीजे राखभूमजलऊपरदीजें वूटाहोएपत्रनिकसावे ताहिउखाडखूपापिसवावे गोलीवांधधूपनहिलाय प्रतिदिनरगडनीरसंगपाय मसूडे परमर्दनकरसोई मलेजीभदुर्गंधीखोई करेवमनवादस्तकरावे अथवाथोडारुधिरछुडावे करेपालहितऔष- धमांने मुखदुर्गंधीदूरपछांने ॥

॥ रोगभाराहोनाजीभदा ॥

॥ चौपै ॥ जिव्हास्थूलहोतजवजाकी सिकलजुवांनसंज्ञाताकी वलकरअटकवातनिकसावे रु- धिरदोषवाकफप्रघटावे वाआमासयकोपदिखाय सघनधूंममुखाजिव्हाधाय जिव्हास्थूलताहिकरहोई अगेऔषधसुनिएसोई नुसादरपयकाममिंगवावे मर्चमघाराईसंगपावे पीसभागसमचूरनसोई मलेजी- भवानीसुखहोई जौखारपतीसमर्चमंगवावे वरावरपीसजीभपरलावे वारंवारमलेनरसोई जिव्हास्थूल- सिथलताखोई परेरःअकरकरामंगवावे नुसादरमघराईसंगपावे अहलीमवडलईसवंदमंगाय वरावर- पीसजीभपरलाय वारवारमर्दनकरसोई वांनीसुखताहीछिनहोई नुसादरपयकामीमंगवावे मर्चसुं- ठराईसंगपावे अकरकराजौखारमिलाय खारीलूणकलौंजीपाय सुक्कीमर्जेजोसमिलावे कलौंजी- लेसमक्काथवनावे गरारेकरेसातदिनसोई वानीःसुखताहीछिनहोई जिव्हाअतिभारीह्वोजावे त्वचा- निकलवाहिरउठधावे लसूडाछडगुडीसमलीजें पावेमुखरसजिव्हादीजें तौफुनिंइसवगोलमंगावे लेसनिकालसोईमुखपावे वारंवारगरारेकरिए सकलस्थूलताक्षणमेहरिए जेकरअतीखेदलखपावे ताहि- यतनऐसामनभावे नाडीचारओष्टकीजोई रुधिरनिकालताहिसुखहोई जीभतलेइकनाडजिांनो रुधिर- निकालसीघ्रसुखमांनो जेकररुधिरदोषप्रघटावे जिव्हाअतिभारीलखपावे कुलःरोगपरऔषधजोई करे- सोईजिव्हासुखहोई जेकरअतीजीभगलजावे ऊपरदाणेदारलखावे भोजनकठिनकरेनरसोई ताहि- यतनऐसाहितहोई दातनवैरवृक्षकील्यावे दोटुगडेकरजीभछिलावे चंवापत्रक्काथजवहोई करूलीकरे- तींनदिनसोई जिव्हामलसिगरीहटजावें वानीसुखभोजनमनभावें जेकरजिव्हास्थूलदिखावे मुख- हूंतेकछुवाहिरआवे ताहिनुसादरासिरकाल्याय मर्दनकरेदोषहटजाय तलेजीभदोईभुजमांनो रुधिरनि- कालताहिसुखजांनो द्रावकताकरदुखहरसोई करेपथ्यवाणीसुखहोई स्निग्धजीभराखेसुखपाय वाणीशुद्ध- खेदहटजाय

॥ रोगजीभनीचेजोमांसमिलजावे प्रसिद्धतांदारोग ॥

॥ चौपई ॥ जिव्हातलेमांसवधजावे लक्षणडूसकलदिखावे जफदजुवांननामसोजांनो गूकजु- वांनदूसरामांनो जिव्हातलेनाडजोहोई करडीहोमिलजावतसोई जिव्हाऊपरजवप्रघटावे हिंदीवर्छी- नामकहावे यतनदोईकाएकपछांनो विनकाटेदुखदूरनजांनो आदयतनकरताहिहटावे पुरातनहोए- काटसुखपावे ठुडीतलेजोकलगवाय रुधिरनिकालदोषहटजाय नुसादरमाजूपीसमिलावे जिव्हानी-

चेमर्दनभावे जौषारनुसादरसज्ञीलीजें पीसजीभतलमर्दनकीजें त्रिकुटाहलदीलीजेंदोई मासेसातभुं-नकरसोई मासाएकखरोटमिलाय मर्दनजिव्हातलेसुखाय मर्चजंगालनुसादरल्यावे जौखारसज्ञीसंगपावे पीसवरावरमर्दनकारिए जिव्हादोषताहिछिनहारिए पाछेयतनमसूडेमाही करेसोइजिव्हादुखनाही

॥ अथरोगफटनाउोष्टका ॥

॥ चौपै ॥ वातकोपकरउोष्टपकावे तर्कीदनलवनामकहावे रुधिरकोपखुष्कीवधजाय ताहियतनकरशी-घ्रहटाय ॥ दोहा ॥ म।जूमधूमिलायकेमर्दनकरिएसोय वातजउोष्टविकारसभताछिनदूरीहोय चर्वीलीजेवतककीअथवाकुकडीभाय मर्दनकरिएगर्मकरउोष्टविकारनसाय कतीरागूंदनसासतासुपेदामाजुसंग लेसमचरवीमेलमलकरेउोष्टरुजभंग

॥ अथरोगडिगनागलनालुकेंदा ॥

॥ चौपै ॥ कंठवीचलुरकाजोहोई अफतादनकांमनामकहुसोई सोजहोयगलजावेजवही भोजनमेंदु-खदायकतवही ॥ दोहा ॥ कंठमाहिलुरकापकेअधकहोतदुखदाय ताकोकाटेमुंडसेंकंचीतेजवनाय नुसादर-सीसालूणलेताहिपिसावेकोय तर्जनीऊपरताहिधरलुरकादावेसोय वर्चभलावेफूककेताकीभस्मवनाय वनउ पलेकीभस्मकरतींनोभस्ममिलाय तर्जनिऊपरताहिधरवलकरदावेसोय चलेरुधिरदुखदूरहैप्रतिदिनकरसु-खहोय खुष्कवस्तुलेकाथकरगरारेकरेसुजांन कंठरोगानिश्चेहरेलुरकादृढतवमांन

॥ रोगकंठरोध ॥

॥ जौपै ॥ कंठरोगआगंतुकमांनो वंथसुधनधरगलूचीजिजांनो कंठरोधहोजावेजाको आगेलक्षणसु-निएताको कठिनवस्तुखावेनरकोई हडीअथवागुलीजोहोई जाकेकंठमाहिरुकजावे ताहूकेहितयत-नवनावे ताहीछिनक्याडीकेमाही वलकरमुक्कीमारेताही कंठरोधताहीहटजावे भीतरअथवावाहिर-आवे मछीकाकंडाफसजावे छोटाहोएतोऐसाभावे रोटीकाकर्डाकरग्रास निंगलतहींसुखउपजेतास वडाहोएकर्डाजोकोई पतलिवस्तुखावेनरसोई रोगअसाध्ययतननहिभावे विनायतन.ऐसेसुखपावे ॥ दोहा ॥ कंठरोधजवहोतहैश्लेषमवातप्रकास सोजाहोवेकंठमेसुनिएलक्षणतास पीडासिरअरुक-र्नमेवामनकेमेंहोय तौमाजूकेकाथसेंगरारेकरदुखखोय औरऔषधीजोकहीजीभसोजकेमाहि सोईकरदु खदूरहैपीडारहेनताहि.

॥ अथदंतरोगकथनं ॥

॥ चौपै ॥ जेकरदंतपडिअतिहोई दर्ददंदांननामकहुसोई जेकरअतिषटेआईखावे वासरदीकरपीडदि खावे कंडेआरफिलरसनासिकदीजे प्रथमदिमागशुद्धकरलीजें रेचकऔषधताहिखुलावे आमास-यफुनिशुद्धकरावे अथवावमनकरेनरसोई कंठउदरशुद्धज्योंहोई फुनिपीडाहरऔषधखावे सीघ्रयतन-करपीडहटावे औरएकमतसुनिएसोई अस्थिनाडपठाजोहोई वीरजहूंतेउतपतमांनो ताकरदांतवीर्य-तेंजांनो औरएकमतऐसाहोई भोजनहूंतेंउतपतसोई प्रथमदांतवीरजतेंजांनो टूटतहेंफिरप्रापतमांनो भोजनदांतटूटाफिरनाही त।करनिश्चावीरजमाहीं औरभेदटूटनकाजांनो अतिभोजनअतिऔषधमांनो सं. खिअआदऔषधीकोई सेवनतेंफुनिटूटतसोई जेकरदांतपीडअतिहोई ताहियतनऐसासुनसोई ॥ दोहा ॥

सावतसौंफमंगायकेहलदीपीसरलाय रातसमेमुखपायकेकरनिद्रादुखजाय ॥ चौपै ॥ सौंचललूणसुमर्चमंगावे अकरकराहिंगूसमपावे मधूमिलायगोलिआंकरिए विनाधूपछायामेधरिए दांतमूलइकराखोसोई निश्चितपीडदूरतवहोई तुंमेकीजढताहिमंगावे राखेमुखदांतनसुखपावे एंभालूपत्रलूणसंगपाय वाविडिंगसमभागरलाय पोटलीकरमुखराखोसोई निश्चितपीडदांतकीखोई शनीवारादिनऐसाभावे कृष्णधतूरेकीजढल्यावे दांततलेमुखराखोसोई पीडदूरताहीसुखहोई दोईघडीतकमुखमेपावे त्यागेरसभीतरनहिजावे तुंमागेघृतपायपकावे लेघृततूंवामुखमेंपावे वारंवारगर्मकरसोई दांतमूलधरपीडाखोई अर्ककाष्टलेगर्मकरावे चापेमुखपीडाहटजावे रुधिरआधिकवागरमीहोई रेचकउखधसेवेसोई सरेरोरगकारुधिरछुडावे ग्रीवापीछेपछकरावे जाविधयतनकेरनरसोई पीडादांतदूरतवहोई

॥ रोगलुरकेदीसोज ॥

॥ चौपै ॥कंठमध्यलुरकायोहोई सोजताहुपरपडिासोई अथवासोजमसूडेमानो फालुहातमुलाजःनामपछांनो हिंदीपरछीनामकहावे सोजहोएवासिथलदिखावे नलाश्वासशिरहिजराजोई खवेभागकंठतेंहोई अथवाकंठमध्यप्रघटावे सिथलहोएनीचेगिरजावे जाविधलक्षणजाकोहोई ताहियतनसुनआगेसोई वर्चभस्मकरलीजोसोई हरडपीसताहीसमहोई तर्जनिऊपरसोइरखावे वलकरलुरकाताहिदवावे मसूडेऊपरमरदनकरिए निकसेरुधिरसोजदुखहरिए वनउपलालेभस्मकरावे मलेताहुपरसोजहटावे माजुसिरकादोईपिसावे मलेताहुपरसोजहटावे लेपकरेशिरऊपरसोई सिथलतादूरपीडसवखोई तलेदांतकीडालखपावे अथवाखोरामासदिखावे केशरनागपीसकरलीजैं भांगुरेकारसतामेदीजैं सातभावनाजाविधहोई वारंवारसुकावेकोई दांतमूलफुनिमर्दनकरिए सोजपीडताहीछिनहरिए ठुडीतलेपछकरवावे तूंवीअथवासिंगीलावे चारोनाडउोष्टकीजांनो रुधिरछुडायताहिसुखमांनो संभालुपत्रलूणमंगवावे वाविडंगसमभागरलावे पीसतेलअलसीकापाय करेलेपपीडाहटजाय

॥ रोगहल्लजानादंदोंका ॥

॥ चौपै ॥ उषडदांतहलजावेंसोई गरमीकाफुनिलक्षनहोई फारसहूंकानामपछानो जुंवीदनदंदानखांनो ताहियतनआगेसुनसोई पुष्टदांतकरआतिसुखहोई पत्रपुष्पजूहीकेल्यावे वाविडंगलोध्रसमपावे फडकडीसमुद्रझगसंगपाय चाडअन्नपरकाथवनाय करूलिआंकरेताहिसुखहोई उखडदांतजढपुषतीसोई जेकरनीरलेसलामांनो ताहूतेदुखदांतपछांनों चंदनमाजुताहिमंगावे छिलकाहरडसुपारीपावे लेसमभागपीसिएसोई मसूडेपरहितमर्दनहोई दांतपुष्टताहीहोजावे सुगमयतनदुखदूरहटावे ॥ चौपई ॥ माईमाजूकत्थमंजीठ दोसुपारीदोलाचीपीठ इनकाधूडापीसवनाउो राखोमुखदांतनसुखपाउो

॥ रोगदंदखटेहोजाने ॥

॥ चौपै ॥ षटेदांतजाहुकेहोई कुंदीदंदांननामकहुसोई जेकरअतिषटेआईखावे ताकरषटेदांतदिखावे वैद्यजतनऐसातवभाषे रोटोगर्मदांतपरराखे कुकडांडकीजरदील्यावे खूपगर्मकरदांतमलावे वारंबारगर्मकरसोई दांतमूलपरराखेकोई षटेदांतताहिहटजावे सुगमयतनकरसुखउपजावे ॥ दोहरा ॥ कफषट्टीजवहोतहैतवद्दांतनलपटाय षट्टेहोवतदाततवभोजनमेंदुखदाय ॥ चौपै ॥ वाषट्टीकफसोईमांनो

आमाशयमुखवचिपछांनो हुआडताहुकीदांतनधावे ताकरषटेदांतदिखावे रेचकऔषधअतिहितमांनो आमाशयकोशुद्धपछांनो स्निग्धदांतराखेनरसोई षटेआईदूरताहिसुखहोई ॥ दोहा ॥ लीजोजढफुनिआककीचापदातसंगसोय दांतषटेआईदूरहैअतिसुषप्रापतहोय अथवापीलामोंमलेचापेवारंवार दांतषटेआईदूरहैकरनिश्चामनधार.

॥ रोगकुनदा ॥

॥ चौपै ॥ कृमीरोगदांतनकाहोई किर्मदंदांनफारसीसोई कुनदानामप्रसिद्धकहावे आदयतनकरसीघ्रहटावे पुषतदांतपोलानहिहोई तवजहयतनकरेनरसोई कंडेआरीफलपकेमंगवावे सुकायदर्डकरघृतसंगपावे मृतकपात्रइकप्यालालीजें ताकेमध्यछिद्रइककीजें तौफुनिप्यालादूसरहोई भरेनीरसंगराखेसोई लोहेकीइकफट्टील्यावे चौडीअंगुलचारसुहावे लंवीइतनीफट्टीहोई ऊपरफट्टीपूरीसोई तापरकोलेआगभखावे कंडेआरीचूरनताहिजलावे निकसेधूंमजोरकरसोई दूसरप्यालाऊपरहोई छिद्रहोएसोऊपरकीजें नलिकाएकताहुमेंदीजें तौफुनिनलीताहिमुखपावे कुंनदेऊपरधूंमलगावे अतीधूंमपहुचेजवसोई कीडामेरेसहजसुखहोई प्यालाभरानीरकानीचे कीडाझडेताहुकेवीचे पीडदूरकुंनदाहटजावे निश्चेजतनकरेसुखपावे कंडेआरीपांचोअंगमंगावे धोयपीसकररसनिकसावे षारंवारकरूलीकरिए दांतपीडताहीछिनहरिए.

॥ रोगमुखपाका ॥

॥ चौपै ॥ पडेसोजमुखभीतरजाको यक्ष्मपाकयुतहोवतताको कुलानामफारसमतगावे हिंदीमुखपाकाप्रघटावे अथवाकंठनाकपकजावे छातीजभिपरपाकदिखावे करेयतनसुखपाकाहोई आगेऔषधसुनियेसोई जौदानामुसककपूरमंगावे पुष्पसेवतीतासंगपावे किकरपिपलछिलकालीजें दोचंदनमघतासंगदीजें गूलरजामनछिलकाल्यावे खैरकत्थताहीसंगपावे सौंफइलाचीमिलोसोई पीसछानसमचूरनहोई वारवारमुखधूडापावे मलेवीचमुखपाकाजावे मुलठीजढजलपायघसावे वारवारचाटेसुखपावे कत्थइलाचीसौंफमगाय फकीमिसरीमेलवनाय वांधपोटलीमुखमेंहोई चूपेरसमुखपाकाखोई मुलठीजडअरुपद्ममगावे फकीमिसरीमेलवनावे प्रातरातसेवनकरसोई सीतलजलऊपराहितहोई लेत्रिफलामुखचापेकोई चूपेरसमुखपाकाखोई दूधअधारवालजवजानो अतिमुखपाकाताकोमांनो जोतिसदूधपिलावनहारी वैद्यचिकित्साताहिउचारी ताकोदुग्धसुद्धकरवावे वासलीककारुधिरछुडावे रहेपालपरऔषधसेवे अथवादुग्धऔरकादेवे छिलकावर्चमखीरमिलाय वालककेमुखलेपकराय दारूहर्दलहरडमंगावे चंवापत्रमुलठीपावे मधूमेलपीसेनरसोई पतलालेपकरेसुखहोई जेकरनरवलवांनविचारो ताहिवमनकरदोषनिवारो मुनक्काचंवापत्रमंगावे गिलोईहरडवहेडापावे धमाहआमलाआंनोसोई दारूहरदलतासंगहोई लेसमभागक्काथवनवावे वारंवारकरूलीभावे गिलोईमघजलपायपिसाय गोलीकरमुखवीचरखाय चूपेरसमुखपाकामानो दूरहोतनिश्चेकरजांनो निंववृक्षकाछिलकाल्यावे मुलठीत्रिफलाहर्दलपावे करकेकुआथगरारेकरिए मुखपाकाताहीछिनहरिए जेकरअतीनीरमुखआवे ताहिलौंगमुखपायचवावे चलेनीरहटजावेसोई मुखपाकादुखदूरीहोई पुष्पसेवतीआंनोसोई अथवापुष्पगुलावकेहोई गूलरवृक्षकाछिलकाल्यावे मेलआमलेमिसरीपावे पीसनीरसंगपीवेकोई तींनवारनितसेवनहोई अथवावीचकपूरमिलावे सेवनकरमुखपाकाजावे यक्ष्मवीचमुखकरडामांनो लक्षणजिव्हाइयांमपछानो

तालूछातिकंठजुहोई रहेदाहसुनश्रौषधसोई अमलतासडिडतोलाल्यावे मिसरीत्रिवीताहुसंगपावे सेवन-करेदूरदुखहोई औरयतनश्रागेसुनसोई ठुडीतलेजोंकलगवावे वार्सिगीकररुधिरछुडावे हलदीनीस-पायपिसवाय चूंनाअर्धचनेसमपाय राखेमुखचूपेरससोई षठेआईआमलीऊपरहोई पुरातनसोईआ-मलील्यावे थोडीमुखराखेसुखपावे कुलःरोगतुमऐसामानो जिगरीरुधिरकंठमेंजांनो श्वेतरं-गरुधिरजवहोई ताकरमुखजलश्रावतसोई गरमीषुष्कीअधिकपछांनो ताहिस्वादमुखकौडाजांनो षुष्की-वातदोषजवहोई ताहिस्वादमुखखटासोई कलेजेवीचहोतकफजाको खारीमुखदुर्गंधीताको चं-गारुधिरहोतहैजवही ताहिस्वादमुखसुंदरतवही पवनश्वासमुखभीतरश्रावे कलेजेकासं वंधमिलावे ताकरमुखलक्षणप्रघटावे वातपित्तकफभेददिखावे कुलःरी गमुखसोजाहोई गलजावेमांसजक्ष्मकरसोई ताहिरंगकाभेदपछांनो श्वेतलालश्ररुकालामांनो गर्मीषुष्कीसभसं-गहोई कालारंगवुराकहुसोई श्वेतरंगसुखसाध्यकहावे यतनसाध्यरंगलालदिखावे कालारंगलालजो-होई श्रागेश्रौषधसुनिएसोई दससेरसिरकामंगवावे तोलेतींनलूणसंगपावे ताहिधूपमेराखेकोई वारवारमुखमर्दनहोई वारंवारकरूलीकरिए गरारेकरदुखताहिहरिए ठुडीतलेजोकलगवावे सरेरो-रगकारुधिरछुडावे लालरंगहरतालमंगावे श्रकरकराताहीसमपावे कुतरांनमेलमलधोवेकोई मर्द-नकरेताहिसुखहोई ईसवगोलनीरसंगहोई उतरेलेसमलेमुखसोई वनफसाघृतमुखमर्दनकरिए मुखपा-कताहीछिनहरिए थिंदाअरुषटानहिखावे गरमीकरभोजाननहिभावे श्वेतरंगमुखपाकाजोई वहुताक-रवालककोहोई ताहिजतनऐसामनभावे भेडदूधमुखधारापावे मनक्कापत्रपडोलमंगावे मुलठीहलदी-त्रिवीमिलावे निंमजूहीकाछिलकाश्रांनो सीसालूणभागसममांनो पीसमधूयुतलेपेकोई श्रथवाक्काथग-रारेहोई क्काथकरेथोथासंगपावे गरारेकरदुखदूरहटावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायां-मुखरोमाऽधिकारवर्णननामद्वादसोऽधिकारः ॥ १२ ॥

———•◆•———

॥ ॐश्रीगणेशायनमोनमः अथगलगंडरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहरा ॥ कहोनिदानगलगंडकोभाषाराचिअभिराम जगतमांहिभाषैसभीगिल्हडताकोनाम ॥ चौपै वृद्धअंडकीन्याईजोऊ गलकेमध्यलटकहैसोऊ हूस्वहोयवादीरघहोय गिल्हडनामकहतसभकोय वात-अवरकफमेदजुतीन गलतलनाडिमिलैंप्रवीन नाडीफूलगिल्हडप्रगटावे पित्ततैंनांहिहोयज्योगावे.

॥ अथवातजगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्यामरंगगलनाडीहोई पीडासहितहोतजोसोई अथवाश्यामलालकेसंग गलनाडी-होंवतइसरंग अरुषहुरोउपजैगलगंड चिरकरवृद्धहोयसुअषंड तालुगलसोसुकोकरै मुखमंझारविरस-ताधरै कदाचितपितकरपाकेजोय वातगंडजानोतुमसोय.

॥ अथवातजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ गलगंडचिकित्साकहितहोंसुनलेवोचितधार रोगदूरहोवैतुरतवर्तैइहअनुसार ॥ चौपई ॥ स्वेदअवरमर्दनयामोहित लेपनपत्रबांधनेधराचित अवरवातहरऔषधजोऊ वातजमोंहितकरहैंसोऊ अथ-लेपन ॥ चौपई ॥ निचुलाअवरसुहांजणेबिज अरुदशमूलपीससमलीज गूत्रउष्णसोंलेपनकरै वातज-रुजगलगंडहिहरै.

॥ अथकफजगलगंडलक्षणम्॥

॥ चौपै ॥ सवर्णस्थिरशीतलभारिहोय षुरकसहितस्थूलताजोय चिरतैंवृद्धीप्रापतहोई पकेकदा-चितजानोसोई पीडाअल्पअल्पसोकरै तिसकरमुखमीठालषपरै तालूकंठजानयहदोऊ लिप्तरहैहैजा-नोसोऊ.

॥ अथकफजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ चापै ॥ वंधनस्वेदलेपयामांहि श्रावकदेतिहशंसयनांहि ॥ अथलेपन ॥ चौपै ॥ विशालाअवरले-हुसुरदार पीससगूत्रहिंलेपसुधार कफकोगलगंडहोवैनाश अवरचिकित्साजानोतास ॥ अन्यउपाय ॥
॥ चौपै ॥ छर्दशिरोरेचनपुनजानो धूम्रपानरेचनहितमानो फुनभीइन्हीउपायनसंग होयगलगं-डकफजकोभंग.

॥ अथमेदजगलगंडलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ गुरुसनिग्धपांडूरंगजान कछुदुर्गंधप्रगटलषमांन पीडअल्पकंडूबहुहोय तुंवीइवगलल-टकैसोय मूलहुतैंपतलोलषपैये तनकेवृद्धवृद्धतालहिये देहक्षीणतैंक्षीणलषावै मुखसनिग्धतासोउपजावै गलकरशब्दकरतहीरहै मेदजगंडकेलक्षकहै.

॥ अथमेदजगलगंडचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ मेदसंयुकपुरुषहैजोय देहसनिग्धतासकीहोय तिसकोनाडीवेदहिकारि यहभीकह्योउपाय-विचारि ॥ अथलेप ॥ लीजैस्यामामनूरगिलोय दंतीअरुसोतसमजोय पीसतासपरलेपनकरै मेदजगल-गंडकोसोहरै.

॥ अथअसाध्यगलगंडलक्षणम्

॥ चौपै ॥ संवत्सरतेंजवउर्धरहावै परमकष्टसेंश्वासनरपावै होयअरुचजुक्षीणतनभासै ताकोंवैद्यअसाध्यप्रकाशै अवरभग्नस्वरजाकोंहोय ताहिअसाध्यलषैसभकोय इत्यादिकक्षलणजिहलहियें जाविधताहिअसाध्यलषैयें ग्रैसेंगलगंडहूकेताई वैद्यत्यागजावेंनरहाहीं ॥ दोहा ॥ गलकेगंडनिदानकोंभाष्योभलेवनाय करेचिकित्साआदातिसरोगदूरसुखपाय इतिगलगंडतिदानंचिकित्सा.

॥ अथसामान्यगलगंडचिकित्सा ॥

॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ सर्षपइवसुहांजणेबीज सणकेवीजयवअलसीलीज अवरहुमूलीवीजमिलाय समसभलेसूक्ष्मपीसाय अमलतक्रसोंलेपनकरै गलगंडग्रंथिगंडमालाहरै ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ रक्षोघ्नतैलकोंलेहुसुधार जलकुंभीभस्मतासमोंडार विधिसोंतापरलेपनकरै इहप्रकारगलगंडहिंहरै ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ वराहपूछकोअग्रभागजो अग्निसाथजोदग्धकरैसो भस्मतासकटुतैलमिलाय लेपकरेगलगंडनसाय ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ हस्तीकरणपलासकोमूल तिसकोंपीसकरैसमतूल तंडुलजलसोंलेपलगाय गलकोगंडनाशहोइजाय ॥ चौपई ॥ स्वेतपराजितामूलमंगावै ताकोंप्रातहिकालपिसावै घृतसोंघोलकरताहिपिलाय गलगंडरोगनाशहोजाय ॥ अथकटुतुंबीजलादिपानं ॥ चौपै ॥ कटुतूंवीमोंजलकोंपावै सातदिवसपर्यंतधरावै वामदरादिनसातपर्यंत कटुतुंबीमोंधरलपुतंत प्रातहिंउठकरताकोंपीवै गलगंडकोनाशतबथीवै ॥ अथरुधिरमोक्षणविधि ॥ चौपै ॥ दोनोकरणोकेजुनिकटतर तीननाडिहैंऊपरऊपर तिन्हकोछेदेपुरुषास्यान नाशरोगगलगंडाहिजान ॥ अथहिंसरादितैल ॥ चौपै ॥ हिंसरावरचागिलोयमंगावै त्रिफलाचित्रामघांमिलावै देवदारुयहसभसमलीजे इन्हकोंकूटसुचूर्णकीजे भंगरारसअरुतैलमिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय मधुरलायकरताकोंपीवै गलगंडरोगहरसुखियाथीवै ॥ अथअमृतादितैल ॥ चौपै ॥ गिलोयानिंवजूहींरसाआन मघदेवदारुवलाजुगठान कूटपायकरतैलपकावै पीवैसोगलगंडनासावै जिन्हापार्श्वशिराद्वादशकाहिये ताकवीचजुगकृष्णसुलहिये कुशपत्रवावीडीकेसंग छेदनकरेतिसवैद्यनिसंग रक्तनिकालेतासोंजवहिं गुडअाद्रकव्रणरास्वेतबहि जोकौभोजनकरेंअभिष्पंद कुलथयूषपीवैअभिनंद प्रियंगूमदनमुलठमघआन कुठचंदननिंवमुथूसमठान ताहिकल्कसोंतैलपकावै लेनसवारगलगंडनसावै ॥ अथअक्षोटघृत ॥ आक्षोटत्वचाघृतडारपकाय षायरोगगलगंडमिटाय ॥ अथकचनारगुग्गुल ॥ चौपई ॥ तीनभागलीजैत्रिफलाय दोयभागडारोत्रिकुटाय दुगुणत्वचाकचनारमिलावो सभसमगुग्गुलपीसरलावो मधुदशभागमिलावोतास अथवागुटकाकीजैजास सोगुटकानित्तभक्षणकरै गलगंडरोगसोतुरतहिंहरै नाडीव्रणगंडमालानाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ गलगंडचिकित्सायहकहीवंगसेनअनुसार निश्चयधरयाकोंकरैरहैनताहिविकार गलगंडगंडमालादिकेसभपथ्यापथ्यसमान याहीतेंअवनाकहैआगेंकरोंवषान ॥ इतिगलगंडरोगचिकित्सा ॥

॥ अथगंडमालारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ गंडमालादिकरोगकेसभकेंकहोंनिदान सोसमस्तविवरेंसहितजानोंपुरुषसुजान ॥ चौपै ॥ वातपित्तकफतीनजुकहै दुष्टभावजवप्राप्तहोंलहै मांसरक्तअरुमेदजुनाडी तिनचारोंकोदेतविगाडी गिरदउन्नतचारोंमिलरहै लोकसभीगंडमालाकहै कछांमुंहडेगलमंझार संधकटूरूग्रीवविचार कफअरुमेदइक

ठेहोंय इन्हथलगंडउपजावैंसोय काकेंनवेंरअथवाबडवेर वाआमलेंइवहोंहिसुहेर अतचिरकरसोपकेपाछान बहूतगंडमालाउपजान.

॥ अथअनुक्रमनका ॥

॥ चौपै ॥ गलगंडमालाअपचीजोय ग्रंथीअर्वुदयहसभहोय जोगोलाऊचोहोइजाई सोजग्रंथीयाप्रघटकराई तिहग्रंथीनामकहेसभकोइ पांचप्रकारकीहोवतसोइ वातपित्तकफमेदनसोंसें होतउत्पत्तीजोइनमोंसें

॥ अथगंडमालाउपद्रव ॥

॥ चौपै ॥ पीतसपार्श्वशूलज्वरकास छर्दइन्होंकरयुक्तजुभास सोगंडमालालषोअसाध्य विनाउपद्रवकहियेंसाध्य वातादिकत्रैदोषकोपजब मांसरक्तनाडीमेदहितब इन्हमोंसोउपजाहिविकार उन्नतगोलहोइशोथविकार अैसैग्रंथप्रघटतनहोय पांचप्रकारतासकेजोय वातजपित्तजकफजपछान मेदजअरुनाडीजप्रमान

॥ अथवातजग्रंथीलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ गलग्रंथीषैंचियतभासैं मथियतभेदतपीडप्रकाशैं कृष्णवर्णगंडमृदूलषावै चीरैस्वछरुधिरप्रगटावै वातजगंडमालसोकहिये पितजकेलक्षणपुनलहिये

॥ अथवातजग्रंथीचिकीत्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ जिहग्रंथीआमजलषपरै शोथचिकित्साताकीकरै जोवहिंग्रंथीवातजहोय ताहिलेपकीजैलषसोय ॥ लेप ॥ हिंसराजकौंडअसगंधगिलोय तालमूलस्योनाकसमोय विल्वविडंगीअगरमिलाय यहसमधेनुमूत्रपीसाय रोगीतनसोंलेपलगावे ग्रंथीरोगनाशहोइजावै

॥ अथपक्वग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपै ॥ जोवहग्रंथिपक्वलषपैये चीरदेयकरपूयानिकसैये अगरअर्कविल्वमूलाहिक्वाथ चीरवेधधोवैतिससाथ पुनएरंडहितरुपत्रमंगावै तिलसैंधायहपीसलगावै जबताकोव्रणशुद्धलषैये तबयहमल्हमताहिलगैये रासनाअवरविरोजाजान तैलमिलायसुमल्हमठान ग्रंथीरोगशांतिहोइजावै अपनेमनमोनिश्चयल्यावै

॥ अथपित्तजग्रंथीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दग्धअंगइवपीडाहोय अत्सयपकेज्वलतलषसोय अरुसंतापबहुतसोकरै चीरैपीतरक्तलषपरै पित्तजलक्षणकिएवषान आगेलक्षणकफकेजान

॥ अथपितजग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपै ॥ विडंगगिलोयमहुजुमुलठ दुग्धमांहिसोकरोइकठ तिंहपकायकरतापरलावै पित्तग्रंथीतुरतहिंमिटजावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ रुधिरजलौकाकरनिकसाय तौभीपित्तजग्रंथीजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ दुग्धलसीसोताहिधुलावै तौभीपित्तजग्रंथीजावै ॥ अथक्वाथ ॥ चौपै ॥ काकोलीवगेकोक्वाथवनावे तौभीपित्तजग्रंथीजावै ताहिशरकरापायपिलाय निजमनमोनिश्चैलषपाय ॥ अथचूर्ण ॥

॥ चौपई ॥सूक्ष्मचूरणहरडबनाय द्राक्षारससोप्रातपिलाय अथवारसइक्षूसंगपान पित्तजग्रंथीदूरपछान-

॥ अथकफजग्रंथीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शीतस्पर्शस्वेतरंगहोय मंदपीडवहुकंडूजोय चिरकरवृद्धाहोंवतजान पत्थरकेसम-कठिनप्रमान जोतिसग्रंथाहिंकोंचीरावे घणीपाकस्वेतनिकसावे ताकोकफजगंडपहिचानो मेदजग्रंथी-आगेजानो

॥ अथकफग्रंथीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कफकीग्रंथीजाकोंहोय स्वेददेयवालेपनसोय वांशहुंकीवालोहशलाई तासेंवेधेकरचतुरा-ई काकदंतिकाकादविडंग तापसवृक्षमूलधरसंग अमलतासस‌भहीसमलीजैं लेपकरेग्रंथीकफछीजैं ॥ अन्यचलेप ॥ चौपई ॥ करंजुअलाबूअवरभिडंगी अवरमेनफललेसभसंगी इनसमस्तकोलेपनकरे कफकीग्रंथीरुजकोहरैं

॥ अथमेदजग्रंथीलक्षणम् ॥

॥ चौंपई ॥ देहवृद्धतैंवधहैसोय तनकेक्षीणक्षीणसोहोय होयसनिग्धविनपीडाजान वडआकारसखु कंपछान छेदितघृतवतमेदलषाय मेदजलक्षणकहैसुनाय

॥ अथनाडीजगंडमालालक्षणं ॥

॥ चौंपई ॥व्यायामादितेंनिर्वलजोय प्रसरीनाडीतनमेंसोय ताहिवातसंकुचितसुकावैं उन्नतगोलग्रं-थिप्रगटावैं सोनाडीजग्रंथिकहिगायो कष्टसाध्यसोऊलषपायो

॥ अथमेदजग्रंथिउपाय ॥

॥ चौंपई ॥ मेदजग्रंथीजाकोंहोय उपायतासइहाविधिकरसोय तिलकोकुटसवस्त्रहिंवांधैं लोहतपायसें-कतिससांधै मेदजकीग्रंथीमिटजाय इहविधिकह्योंउपायसुनाय ॥ अन्यच ॥ शस्त्रहुसोंग्रंथीचीरावै वा-अग्नीसंगदाघदिवावे अर्थलेप वैद्यजुमूलिकभस्मकरावै शंखचूर्णसमसंगमिलावै लेपनकरमेदजमि टजाय कफअरवुदग्रंथीनरहाय जोग्रंथीनाडिनपरहोय सयत्नचिकित्साकीजैसोय काहैनाडिछेदमंझार-प्रगटनहोयनसूरविकार ॥ अन्यचलेप ॥ मूलकाचित्रात्वचागिलोय दंतिअरकदुग्धगुडजोय भिलावै-गुटीअवरकासीस यहसमलेपनकीजैपीस पाषाणन्यायग्रंथीजोहोय जहलेपनसोंनाशैसोय ॥ अन्यच॥ मूलीभस्मजुसज्जीक्षार शंखचूर्णपुनतामोंडार यहसमलेलेंपनातिसकीजै मेदजअर्वुदग्रंथीछीजै ॥ अन्यउ॥ नाडऊरधद्वादशअंगुलीस्थान चीरादेयतिहवैद्यसुजान मत्सअंडन्यायदाणेनिकसावै अग्निदागपुनता-हिदिवावै मल्हमलावैऊपरतास समांसपथ्यदेवैरुजनाश

॥ अथगंडमालादिरोगाचिकित्सा ॥

॥ दोहारा ॥ गंडमालादीभेदकोंकहोंचिकित्सासार विवरोलाकोसमुझकरलीजैचितमोंधार

॥ अथअपचीगंडमालालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अवरभेदयाहीकोलहिये अपचीनामहजीराकहिये गांठन्यायपाकैंजलवहे अरुचिरलौग-लऊपररहैं अपचीनामतिन्हनकोभाषैं लोकसमस्तहजीराआषै

॥ अथगंडमालाअपचीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सर्षपनींबपत्रजुमिलावै समसभलेकरदग्धकरावै छागमूत्रसोंलेपकराय विधिसों-भलीप्रकारबनाय गंडमालअपचीहोएनाश सुखउपजैतनदुतिपरकाश ॥ अन्यच ॥ सरसोंनिंबप-त्रसुमिलावै कालीवकरीमूत्रपिसावै लेपकरैअपचीनरहाय निश्चैकरअरुचितमोंचाय॥ अन्यच ॥ अश्व-त्थकाष्ठनिचुलपहिचान वराहदांतगोदांतसुआन अरुगजदंतसभीसमलीजै अग्निदेयसोभस्मकरीजै गूत्र मिलायलेपसोकरै गंडमालअपचीव्रणहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वनकपासकोमूलउषारे कूटतु-ल्यतातंडुलडारै घृतमोपायपकायसुषाय गंडमालअपचीमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अलावु-पत्ररसदोपलआन ताकोंपीवैप्रातविधांन अपचीगंडमालसोनाश अवरकामलाहोएविनाश अथदागाविधि करमणिवंधजुऊपरजांनो अंगुलअंगुलभेदहिठानो तीनउष्णताऊपरदेवै गंडमालअपची नरहेवै अथचंदनादितैलं ॥ चौपई ॥ चंदनअवरहरडपुनलाष वरचकौडयहसमलेराष कूटतैलमोपा यपकावै विधिसोंताकोपात्रधरावै प्रातहिकालतांहिकोपीवै गंडमालअपचीहतथीवै अथत्रिकुटादितैल ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासेंधावायविडंग देवदारुमुलठीधरसंग इन्हसमसेंतीतेलपकावै रोगीकोंनस-वारदिवावै गंडमालअपचीहोइनाश निश्चैल्यावोमनमोंतास ॥ अथकाकादनीतैलं ॥ चौपई ॥ गुंजामूलनिर्गुंडीकोरस कुसुंभाकांजीलेमेलोतिस फुनिकटुतैलमिलायपकावै पीवैमलैनसवारादिवावै गं-डमालअपचीहोयनाश ऐसेंकहीचिकित्सातास अथअजमोदादितैलं ॥ चौपई ॥ अजमोदाजुविरो जाडार दोनोरजनीदोनोक्षार सिंधूरअगरजालनीमिलापावै अपामार्गहरतालरलावै मनछलआद्रकइट' सिटजान इंद्रवारुणीतासोठान अर्कदूधथोहरपयलीजै रसमुहांजणेकोसंगदीजै अर्धअर्धपलयहसमपा-वै छागमूत्रगुणअष्टमिलावै प्रस्थएककटुतैलामिलाय मृदुअग्निसोंताहिपकाय मर्दनतननसवारदिवावै गंडमालाचिरकालिनसावै अपचीभीरुजहोवेनाश सातदिवसामिरयादाताश असाध्यहोयतौभीनहिरहै यां-मोंनाहीनशंसागहे अथहारिद्रातेलं सिंधूरहरदलमुथ्थमिलाय आक्षोटत्वचाअवाडायाय अर्कथोहरपयदोनो-लीजे चतुर्गुणाअजामूत्रमलीजे ताहिक्वाथकटुतेमिलाय सिद्धकरेमंदअग्निधराय तनमर्दननसवराजुलेय अपचीगंडमालाहरदेय इतिअपचीचिकित्सा

॥ अथकेवलगंडमालाचिकित्सा ॥

अथक्वाथ ॥ चौपई ॥ वारुणमूलक्वाथजोपीजै मधुसंगगंडमारुजछीजै अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ क-चनारत्वचासमसुंठामिलाय चूर्णतत्तजलसाथपिलाय गंडमालादुखहोइहैनाश निश्चयआनोमनमोंताश ॥ अन्यच ॥ पलप्रमाणत्वचाकचनार नितपीजैसंगतंडुलवार गंडमालारुजहोइहैनाश निश्चै-कीजोमनमेंतास अथरक्तमोक्षविधि ॥ चौपई ॥ जिन्हातलजोसूत्रकहावत ताकेदोनोउोरलषावत तिन्ह-द्वादशनाडिपरिमान तिन्हमेदोइअस्थूलमहान तिन्हहिकुशादलअग्राहिसंग चोभादेवैहोयनिसंग-इहविधितातैरकनिकास गुडआद्रकमेलधरोव्रणतास कुलत्थक्वाथसोंपथ्यदिवावै रोगगंडमालामिटजावै ॥ अथवचादितैल ॥ चौपई ॥ वरचकचूरहलदलेदोय देवदारुहरडेसंजोय इंद्रयवसुंठीमुत्थपतीस इन्ह-केदशदशपलसमपीस चारद्रोणजलपायपकीजै पादहिशेषरहेतबलीजै प्रस्थएकसर्षपकोतैल षटपल-ऊषणतिसमोमेल तैलहिद्विगुणक्षौद्रतिसधरै पुनपकायसिद्धसोकरै मर्दनकरैलेयनसवार दारुणगंडमाला

निरवार यथावलतैलपानजोकरै यथेछाभोजनमनमोधरै स्वासकासप्रतिश्यायनिवारै पांडुकामलाअपचि विडारै ॥ अथनिरगुंडीतैल ॥ चौपई ॥ निर्गुडीरसलांगलिकोमूल यहदोनोलीजैसमतूल दुगुणपाय-जलतैलपकावे मर्दनवानसवारचढावे गंडमालदारुणमिटजाय इहप्रकारसोकह्योसुनाय ॥ अथअखरोटतैल ॥ चौपई ॥ अखरोटवृक्षकीत्वचामंगावै कूटतैलमोंपायपकावै मर्दनकरैदेयन-सवार गंडमालकोजायविकार ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ इयमारावल्वानिरगुंडीलीजै तीनोकूटतैलमों-डीजै पकायमलेअरुलेनसवार गंडमालरोगकोटार ॥ अथत्रिफलागुग्गुलु ॥ त्रिफलाविवीनीलनीआने दंतीअमलतासमठाने यहपंजीपंजीपलपावै कूटचारद्रोणजलठावै मंदअग्निसोताहिपकाय पादशे-षराहिलेयछनाय गुग्गुलुमलपचासातेंहपाय पुनमंदअग्निसोताहिपकाय पककरसघनलषहेजब यहऔ-षधीपीसपावैतब त्वचानागकेसरत्रिफलाय एलातजहौवेरत्रिकुटाय अजमोदाजुकलौजीठानै दोइजी-रैसौंचलमानै अमलवेततिंतिनीमिलावै पिपलामूलसंगपीसरलावै अर्धअर्धपलयहसभजान करमही नखुरसयहठान चारटांकगुटकाकरषावै गंडमालअर्बुदभगजावै अपचीग्रंथीहोवैनाश उरुस्तंभउदररो-गाविनाश ॥ अथछुछुंभरीतैल ॥ चकचूंदरगहितैलपकावै ॥ मलेताहिगंडमालाजावै॥ इतिगंडमालाअ-पचीचिकित्सा ॥

॥ अथअर्बुदभेदलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातादिकजोदोषप्रकार सभअंगनमोंकरेविकार रक्तमांसमिलग्रंथबतावैं इस्थिरगोला-कारदिषावैं ऊपरसोंदीसैसोमोटी मूलहुतैंभासतहैंछोटी बहुचिरकरवृद्धीसोंहोय थोहडीसीपीडाकरसोय सिंवलकेदाणेआकार चीरेंप्रगटैंतासमंझार औसैताकोरूपदिषावैं ताहिंरसोलीनरसभगावैं ताकेभेदकरों-सुवषान रक्तार्बुदमांसार्बुदजान वातपित्तकफमेदजमान अर्बुदसोषटविधहींजान अर्बुदरक्तमांसजो-जानो लक्षणतिनकेभिन्नसुमानो वातपित्तकफमेदजुकहै लक्षणतिन्हेसमानसुलहै

॥ अथअर्बुदगंडमालाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अग्निक्रियाअरुक्रियाजुक्षार अर्वुदरोगमध्यहितकार लेपनवंधनाक्रियाजुजेती अर्वुदमोंहि-तकारीतेति

॥ अथवातजअर्वुदउपाय ॥

॥ चौपई ॥ एरवारअवरहुंकरकारू नारयेलपुनप्यालसुडारू एरंडवीजचूर्णकरआन कूटदुग्धघृततै-लमिलान अग्निपकायसिद्धसोकरै उष्णउष्णबांधैरुजहरै इहउपायकरस्वेदकराय वातजअर्वुदकोदु-खनशाय इहविधिवैद्यजुसुद्धकरावे पुनशृंगिकररुधिरछुडावै

॥ अथरक्तार्बुदलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातादिकजोदोषकोपजब रुधिरनाडिइकठौरकरैतब मांसपिंडउपजावैसोय वधत-वधतक्रमसोंवटुहोय मांसांकुरताऊपरभासैं शीघ्रवृद्धताकोंपरकाशैं अल्पपकैसोंअल्पहिंआवैं रुधिर-निरंतरसोप्रगटावै ताकोंरक्तार्बुदकरजान हैअसाध्ययोंकह्योनिदान

॥ अथरक्तजअर्बुदउपायचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जाकोंरक्तजअर्बुदलहियें तासउपायसुनोंयोंकहियें शृंगीसेतीरक्तनिकासै तबजहरक्तजअर्बुदनाश

अथपित्तजअर्बुदउपाय ॥

॥ चौपै ॥ पित्तजअर्बुदजाकोहोय रेचनकरवावैनरसोय स्नेहनकरउपनाहजुकरै कोमलपथ्यनिश्चय-मनधरै ॥ अथलेप ॥ चौपै ॥ उदंबरवृक्षशाकतरुजान गोजीवृक्षपुनहींपहिचान इन्हवृक्षनकेपत्रपिसावै तिन्हकेमध्यमक्षीरमिलावै अर्बुदकोंउपरोंघसलेय तानंतरयहलेपकरेय पित्तजअर्बुदकाहोयनाश निश्च-यआनोमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ चूरणसरजरसकाकरवावै प्रियंगूबकमलोध्रपीसावै अर्जनअ-वरमुलठमिलाय लेपकरैपित्तअर्बुदजाय

॥ अथकफजअर्बुदउपाय ॥

॥ लेपन ॥ चौपै ॥ अर्बुदकफजउपायसुनीजै प्रथमरक्ततातेंकढलीजै पाछेंविधिसोजतनकराय ताऊप-रयहलेपनभाय कबूतरकीविष्टामंगवावै लांगलिलोध्रकांस्यनीलिमिलावै समसभर्पासैलेपलगाय ता-तेंकफअर्बुदामिटजाय ॥ अन्यच ॥ काकादनीमूलीमूलीक्षार लेपकरैकफअर्बुदटार ॥ अन्यच ॥ निष्पा-वकुलत्थचूरणपिन्याक समसभकल्ककरेसुनवाक अर्बुदऊपरलेपनकरै वातिसकोमर्दनअनुसरै कफको-अर्बुदहोवैनाश तासउपायकियोपरकाश जोअर्बुदमोंकृमपडजांहि तासउपायसुनोंयोंगाहिं अग्निक्रिया-अरुक्रियाजुक्षार ताऊपरजानोहितकार अरुकृमहरऔषधहैजोज्यो तासउपायलषोतुमसोसो ॥ इतिरक्तज अर्बुदचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथमांसार्बुदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तक्षयेतैं मासमंझार उपजतमांसार्बुदजुविकार उपद्रवतैंपीलोरंगधरै शिलपषाणअ-चललषपरै मुष्टिप्रहारादिकसोंमास पीडतशोथकरैपरकाश पकैनांहिपुष्टहोयआवै पीडारहितसानिग्धल-षावै मांसभक्षणजहवहुतमुभाय बहुधाताकोंप्रगटैआय असअर्बुदसुअसाध्यकहावै अवरभेदयाकोदर्शावै

॥ अथमेदजअर्बुदउपाय ॥

अथलेप ॥ चौपई ॥ मेदजअर्बुदजिहप्रगटावै तासउपायसुनोंयोंगावै प्रथमस्नेहनस्वेदकराय पाछेंतिस-कोरुधिरकढाय रजनीबकमलोध्रपुनआन अवरधुआंहामनासिलठान यहसमपीसमर्षीरमिलाय लेपनमेद-जअर्बुदजाय

॥ अथअध्यर्बुदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ यहअर्बुदजोश्रवणेलागै अरुकिसुमर्ममध्यसोजागै नासाहारादिकमोंहोय अध्यर्बुदकहि पतहैसोय जोद्देदोषनतैंप्रकटावै नामद्विरर्बुदसोऊकहावै जामोकफअधिकीलषपैये पकैसोनाहिहृदय-लषलैये जामोंमेदअधिकजोहोय जानलहोपाकैनहिसोय ॥ दोहा ॥ गंडमालावरननकरीभेदनकेअनुसार प्रथमचिकित्साजोकरैताहिनहोंहिविकार ॥ इतिगंडमालादिरोगनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथशर्करार्वुदउपाय ॥

॥ चौपई ॥ शर्करार्वुदमोंयाहिउपाय क्रियाक्षारअग्नीसुखदाय पुनविष्णुक्रांतगोजीजुकनेर इसक्काथहिंब्रणधोयसुहेर जवधोवेब्रणसुद्ध जुजानै तवयहऔषधसमलेआने त्रिफलापाठाअवरभिंडगी अरुसंग कूटोवायाविडंगी तैलमिलायसिद्धसोकरै ब्रणमोंतैलमलैरुजहरै

॥ अथसामान्यअर्वुदगंडमालाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ थोहरपत्रनकोदेसेक अर्वुदनाशैलषयहटेक ॥ अन्यच ॥ लवनकणीकोसेकदिवावै तौभीअर्वुदरुजामिटजावै ॥अन्यच ॥ सिक्केकोलेसेकाहिंदीजें यातेभीअर्वुदरुजछीजें ॥ अथलेपन ॥ चौपै ॥ मूलीअवरहरिद्रालेय दोनोऔषधभस्मकरेय शंखचूर्णइन्हसाथमिलाय लेपकीजियेअर्वुदजाय ॥ अन्यच ॥ थोहरकोरसमर्दनकरे थोहरपत्रऊपरबंधधरे अर्वुदपिटकाहोवैनाश निश्चयआनोमनमोताश ॥ अथबंधनं ॥ ॥ चौपै ॥ प्रथमहिलेमूलीपीसावै लवणतक्रकांजीसुमिलावै अर्वुदपरयहवस्त्रवंधाय अर्वुदरोगनाशहोइजाय ॥ अथलेपनं ॥ चौपै ॥ वटकोदुग्धतमालकुठलीजै इन्हतीनोकोलेपनकीजै ऊपरवटजटाकूटवंधावै अर्वुदरुजकोदुखमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ शिग्रूनागरअवराविडंग पुनयवक्ष्यारपीसलेसंग किरलेरकहिसाथलिपाय अर्वुदरोगदूरहोइजाय ॥ अन्यच ॥ सर्षपयवमूलीकेवीज शिग्रुसरलपीसोसमलीज लेपकरेअर्वुदामिटजाय ग्रंथीगंडमालनरहाय ॥ अन्य ॥ लसुनसरलसुहांजणेवीज मूलीवीजलेहुसमकीज यवहयमारजुसंगामिलाय तक्रसेंलेपनअर्वुदजाय गंडमालग्रंथीहोइनाश बंगसेनमतकीनप्रकाश ॥दोहा ॥ चिकित्साहैगंडमालकीबंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमुझकैपुनकरहैउपचार ॥ इतिगंडमालाचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथगंडमालारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ गंडरोगवरननाकियेसोहैंवहुतप्रकार कह्योंतिन्हनकोवेउरोपथ्यापथ्यउचार ॥ दोहा ॥ गलगंडअवरगंडमालपुनअपचीग्रंथीजान पुनअर्वुदइन्हकेसभीपथ्यापथ्यसमान ॥अथपथ्यं ॥ चौपै ॥ रेचनछर्दअवरनसवार स्वेदनाडिशिरवेधाविचार तप्तसलाकादागदिवावै उरतेरेसेतीपछकरावैलंघनलेपनजानसुजान पुरातनघृतकरवावैपान लालपुरातनचावलदेवे यवकोटामुगपथ्यधरेवे लालसुहांजणगुग्गुलुजानो पटोलकरेलेपथ्यपछानो वेतकूमलीपथ्यभनीजैं अवरशिलाजितजानपतीजैरुषीदीपनतीक्षणवस्तु यहसभपथ्यलहोपरसस्तु अरुगलगंडरोगमंझार जिव्हातलेनछेदनधार ॥ दोहा ॥ कहेपथ्यगंडरोगकेशास्त्रकेअनुसार इनतेआगेजोअपथसोकरहोंउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपै ॥ दुग्धसभीअरुदुग्धविकार तक्रमधूघृतदहीविचार इक्षुविकारगुडादिकजेते अपथ्यगंडरोगमोंतेते मधुरवस्तुगुरुवस्तुपछानो पिष्टअन्नअपथलखमानो जलजीवनकोजानोमास अम्वलसमस्तअपथलषतास ॥ दोहा पथ्यअपथ्यगंडरोगकेसभहीकीनउचार तजअपथ्यधरपथ्यकोंसमुझकरेउपचार ॥ दोहा ॥ गंडरोगवर्णनाकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैंपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिगंडरोगेपथ्यापथ्यअधिकार समाप्तम्.

॥ अथकर्मविपाकेगलगंडरोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

अथकारणम् ॥ चौपै ॥ जोहरलैयकंठकेभूषण तिहगलगंडहोयसोदूषण ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ तास-उपायकहोंसुनलीजै मूर्तपार्वतीस्वर्णकरिजैं तागलरत्नादिककीमाल पहिरावैहोइकेश्रद्धाल पूजैविप्रश्रेष्ठकोदेवै गलगंडदोषतैंतवसुखलेवे दोहा ॥ गलगंडदोषकारणसभीभाष्योतासउपाय स्वरविकारकेदोषकोभाषोंसुनचितलाय ॥ इतिगलगंडरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकंठमालारोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ रोगअंजीरहोतहैजाको फारसषनाजीरकहुताको हिंदीकंठमालहैजोई गिलटीसोजकंठमेहोई कारणमुख्यअजीरनजानो अतिस्निग्धअतिभोनमानो कंठहोतकंठमालाकहिये वगलहोतकछेआलीलहिये ऊपरगुदावध्रहैसोई वटांजलीअग्रभागपरहोई जाविधरोगअंजीरांजानो औषधएकसमानपछानो ऊपरअंगुलराखेकोई वलकरदेखेवाहरहोई वीजसरीहताहिमंगवावे सुहांजनछिलकातासंगपावे अवरकासनीछिलकालीजें पीसलेपकांजीसंगकीजें त्रिफलासुंठीमेलपिसावे दालचीनीसमभागमिलावे पीसमखीरमेलकरचाटे ताछिनकंठमालदुखकाटे अथवापाकवनावेकोई दोइवखतचाटेसुखहोई इकइकटंकप्रमानचटावे खुनाककंठसोजाहटजावे कर्नमूलकीपीडपछांनो ऐसेदोषदूरसभजांनो त्रिफलासुंठमिघामंगावें इलाचीतजगजपिप्पलपावे जीराकृष्णश्वेतलेदोई समाकपित्तरजतासंगहोई वावडिंगचित्रामंगवावे त्रायमाणपाठासंगपावे वीजफालसेयारपछांनो लूणइंद्रजौतासंगमांनो कृष्णलूणविडलूणजोहोई समुद्रलूणसंगमेलोसोई अजुआंइनवल्लजुआंइनआंनो भडिंगीहलदीसंगपछांनो दालानवडीसंगमेलोसोई दारुहलदरतागंसहोई सज्जीजौखारसंगपावे सारवानकंडूनासंगमिलावे धनिआंपुष्करमूलजोहोई तरसावःफलखजूरकासोई अंमलवेदतवजसंगपावे लेसमऔषधपीसवनावे मखीरतीनगुणलीजोसोई करेचासऔषधसंगहोई दसमासेनितसेवनकरिए ताछिनकंठमालदुखहरिए सरीहवृक्षकाछिलकाल्यावे पन्हीजढसोसंगरलावे लोध्रनागकेसरसंगहोई लेपनीरसंगकरिएसोई तुंमाजढथोहरकल्यावे तिलकीनालताहुसंगपावे लेपनीरसंगकरिएसोई कंठमालदुखनासेहोई नक्षत्रज्येष्ठामेंसूरजआवे रवीवारदिनयतनवनावे प्रातसूर्यमुखठाडाहोई सरपुंखाजढआंनेकोई कुमारीसूत्रसोइमंगवावे तासंगवांधगलेलटकावे करेतंत्रनिश्चाकरजांने कंठमालदुखदूरपछाने हडीऊठकीताजीलीजें रगडलेपताहूपरकीजें कंठमालदुखदूरहटावे निश्चैकरअतिहींसुखपावे जंगालनुसादरआंनोदोई निंवूरसमेपीसेकोई पछमारकरलेपचढावे कंठमालदुखदूरहटावे चचूंदरजीवमारकरल्यावे करेकवावसुकायरखावे लेतिलतैलपीसिएसोई करेलेपदुखनासेहोई सर्पमांसलेताहिसुकावे चूरनपीसमहीनवनावे करेगर्मजलकेसंगसोई लेपकरेदुखनासेहोई जेकरसतसतमासेखावे इकीदिनतकरोगहटावे स्थानअंजीरांपछकरावे पीससंखिआऊपरपावे ताकरमुखपकजावेसोई अंगुलसंगदवावेकोई गिलटीहोएसोवाहरआवे दंम्मुलषवयनऔषधल्यावे गोघृतमेलपीसिएसोई मलदनकरेशीघ्रसुखहोई निंवपत्रलेसागवनावे ऊपरवांधसीघ्रसुखपावे जेकरताहिछिद्रलखपावे संखिआघृतादिनआठलगावे जवतकभीतरखुर्कवखांने भीतरगर्मचीजलखमांने तवतकयतनकरेनरसोई घृतवत्तीसंगभीतरहोई संखिआघृतभीतरपहुचावे निश्चैकंठमालहटजावे पारानीलाथोथाल्यावे आमलेसारगंधकसंगपावे संखिआमेलभागसमदोई छेछेमा-

सेलीजोसोई तोलेचारतेलतिलल्यावे थोहररसनिंबूकापावे औषधपीसमेलिएसोई काचपात्रमेराखेकोई हिलावेखूबकायंमेल्यावे तैलसंखिआदोइहटावं इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांगलगंडगंडमालारोगकथनंनामत्रयोदसोऽधिकारः ॥ १३ ॥

॥ अथस्वरभेदरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ यौंस्वरभेदनिदानकौंभाषौंभलेवनाय जैसेंभाष्योग्रंथमोंतैसेंकरसुखदाय ॥ चौपई ॥ स्वरभेदउत्पतऐसेंजानो अतिऊचेवोलनतैंमानो अत्युच्चवेदपडेनितजोय अतिवलछर्दकरेतदहोय कंठमध्यलष्टकाप्रहार तातैंभीयहहोतविकार कुपतवातपितकफयहतीन स्वरवहनाडीचारजुचीन तिन्हेंप्रवेशकरेतहतीन हननकरैंस्वरलषोप्रवीन सोस्वरभेदजुषटपरकार ताकोविवरोकरौंउचार वातपित्तकफकरयहहोय सन्निपाततैंजानोसोय अरुक्षयधातुहुतेंयोंजान मेदविकारहुतैंपुनमान ॥

॥ अथवातजस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखचक्षुमूत्रअवरविष्टाहू श्यामरंगहोवतहैंताहू गर्धभकेसमशब्दवखाने वातहुतेस्वरभेदपछानै ॥

॥ अथस्वरभेदरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ स्वरभेदचिकित्साकहितहौंवंगसेनअनुसार याकौंसमुझपछानकेपुनकीजैउपचार ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ कासमर्दकभंगराकंड्यारी इन्हकोरसलीजैसविचारी समत्रैरसघृतपायपकावे खायवातस्वरभेदामिटावै ॥ चौपई ॥ घृतगुडभातमिलायजुषावै ऊपरतेंजलउष्णपिलावै वातिकहोइस्वरभेदविनास वंगसैंनमतकीनप्रकास ॥

॥ अथपित्तकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मुखनेत्रमूत्रविष्टाहैजोई पीत्तवरणहोइजावैसोई दाहयुक्तगलवचनउचारै पित्तकृतसोस्वरभेदानिहारै ॥

॥ अथपित्तकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अथरेचनविधी ॥ चौपई ॥ दुग्धकढायमधुरकछुपावै तामोरेचनवस्तुमिलावै पीवैरेचकरावैजोय पित्तस्वरभेदनाशतवहोय ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ चूर्णपीसमुलठकरवावे मधुपुनपावैताहिचटावै होइस्वरभेदरोगकोनाश निश्चयनिजमनजानोतास ॥ अथशृंगाद्यंघृतं ॥ चौपई ॥ क्षीरीतरूत्वचापीसाय दुग्धमेलकरअग्निचढाय पीसमुलठीताहिरलाय ताकेसंगघृतसिद्धकराय घृतमधुमिसरीपायपिलावै याहीविधिघृतपानकरावै पितस्वरभेदउपायवषान्यो जैसेंग्रंथहुतैंलषमान्यो ॥

॥ अथकफकृतस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चैपई ॥ मुखचक्षुमूत्रविष्टायहचार स्वेतवरणलषयतसाविचार कफकरकंठरुक्योसोवोलै दिवसविशेषवोलेभूडोलै काहेदिनमोकफअधिकार वहुतनहोतकीनउचार ;

॥ अथकफकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ मघपीपलअरुपिपलामूल सुंठीमरचलेहुसमतूल गोकेगूतरसाथयहषावै कफजरोगस्वरभेदमिटावै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ हरडआमलेअरुयवक्षार यहसमअग्निभूनकरडार मधुघृतपीसमेलजुचटावै कफकृतरुजस्वरभेदनसावै ।

॥ अथसन्निपातस्वरभेदलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बातापित्तकफचिन्हाजेंहलहिये सन्निपातस्वरभेदसकहिये सोस्वरभेदअसाध्यपछान निदानग्रंथमतकह्योसोमान ।

अथसान्निपातस्वरभेदचिकित्सा

अथकाथ चौपई अगरदेवदारूकोंआन दालहलदसमलेहसुजान काथपकायजुप्याधीपीवै रुजस्वरभेदनाशतवथीवै अन्यच चौपई लुघुकंड्यारिअरुसुरदार सुंठीवांसासमलेडार करेकाथप्रातहिंउठपीवै रुजस्वरभेदनाशतवथीवै हरडचूर्ण हरडपीसकरचूर्णवनावै मघवासुंठमिलायजुषावै होइस्वरभेदनाशलषपाय नामहरडचूरणकहिगाय

अथधातुक्षयकृतस्वरभेदलक्षणं

चौपई होतधातुक्षयक्षीनपछानो तिहस्वरभेदहोतमनअनो धूमहुतेंभीहोवतजान योंस्वरभेदरोगपहिचान

॥ अथधातुक्षयकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

अथदुग्ध ॥ चौपै ॥ जिंहनशब्दउचांनिकसाय ताकोसुनहोंकहोंउपाय मुलठपीसशरकरामिलावै अरुमधुपावैदुग्धपकावै सोंऊदूधनित्तजोंपीवै ऊचोंशब्दहतस्वरजोथीवै जोभ्वासकासचिकित्साकही सोस्वरभेदमध्यलखसही.

॥ अथमेदकृतस्वरभेदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मेदमिंझकोंनामकहीजे तासविकारहुतेंलषलीजे कंठजुकफकरलिप्तलपावत त्रिषा वहुतहोइयोंलषपावत.

॥ अथमेदकृतस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अथाविलेह ॥ वदरिपत्रघृतमोंलेभून लवनमिलावेताकोचून नितप्रातहिंउठचाटैतास होइ स्वरभेदरोगकोनाश जाकोंहोयवृद्धरुजमेद सोजोउपजावैस्वरभेद तासचिकित्साकफकीठानै रोगजायव्याधीसुखमानै.

॥ अथसामान्यस्वरभेदचिकित्सा ॥

॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटात्रिफलाअरुयवक्षार पलपलयहसमपीसिसुधार सेंधातैलमिलायजुपावै वातजरुजस्वरभेदमिटावै जोयहचाटैघृतमधुसंग होइस्वरभेदापित्तकृतभंग तालीसआदिलवंगआदिकर जवानसुंठसितोपलादिवर चूरणइनकोउदितमहान सुरभेदमाहिंश्रेष्टकरमान ॥ अन्यच ॥ वातजभोजनघृतसोंपान वृहतीरसयुतघृताहिप्रधान कफस्वरभेदमोहितहैयेह कटफलादिचूरणवरतेह पुनजवक्षारजवानीमान चित्राअमलघृतसिद्धप्रधान ॥ अन्यच ॥मयूरत्तितरदशमूलहिकाथ कंडियारीत्र्यूषणविल्वाहिसाथ इनकरकाथवाघृतसिद्धहोय स्वरभेदमाहिश्रेष्ठहैसोय ॥ अन्यच ॥ पित्तशतावरीचूर्णप्रमान वलाचूर्णसंगदुग्धप्रधान ॥ अन्यच ॥ दुग्धमुलठीघृतयुतपीवै पित्तस्वरभेदहनन्तिहथीवै मधुजकटुक्षारचाटैजोय रुजस्वरभेदकफजकोंषोय अवरस्नेहकठस्वरहोवै शब्दसमअलसयकरसोहै गलतालूजिव्हामंझार दंतमूलकफआश्रितधार ताहीकफकोंवाह्यनिकाले स्वरम-

सन्नसोईकरडाले ॥ अथव्याघ्रादिलेह ॥ चौपै ॥ [illegible]आनो पिपलामूलपंजाहपलठानो पंजी-पल[illegible]पावै पंजीपलदशमूलमिलावै दोयद्रोणजलपायपकाय आढकशेषरहैतोछनाय आढकघृत-गुडपायपुराना पत्तपकावैपुरुषस्याना पुनमघअष्टपलपीसमिलावै त्रिजातकएकपलताहिरलावै इकपलमर चकुडवमधुसंग बलअनुसारसेवरुजभंग स्वरभेदकासपीनसअरुश्वास मंदाग्निअर्शगुल्मसुनिकास गल-ग्रहमूत्रकृच्छ्परमेह अवरअफारानाशेएह ॥ अथकाथघृत ॥ चौपै ॥ जोस्वरभेदरोगमंझार कासशोषक-रहैसंचार कंडयारिकेकाथहिंवीच काथखरजूरहिंघृतलेसीच मंदअग्निघृतसोऊपकावै षावैशोषस्वर-कासमिटावै ॥ अथचवकादिगुटका ॥ चवकातिंतडीत्रिकुटापाय अमलवेतचित्रासमभाय वंश-लोचनजीरासंगलीजै त्रिसुगंधमेलगुडमर्दनकीजै वलानिहारगुटकासोषावै स्वरभेदअरुचपीनसकफजावै ॥ अथघृत ॥ कंडयारीलघुरसानिकसाय रहसणगोषुरुत्रिकुटापाय यहसमघृतमोपायपकावै षावैकासस्वर भेदनसावै हरीआर्द्रऔषदजोहोय कूटछानलीजेरससोय जोऔषदसूकीलषपावै ताकोरसईहभांतकढावै अष्टगुणाजलपायपकाय अष्टमभागरहैतोछनाय हिकाक्षईश्वासअरुकास जोइन्हमोंकारिवस्तुप्रकाश तिन्हमोकंठस्वरहितकरकही सोस्वरभेदरोगमोगही घृतमिलायसोऔषददेवै होइस्वरभेदनासलषलेवै इति-स्वरभेदचिकित्सासमातं

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ क्षीणमांसक्षीणवलजोय वृद्धअवरथप्रापतहोय अरुचिरकालकंठरुकयोजान जन्म-समयतेंलाग्योमान भेदवृद्धनाडीजिसरोके जोत्रिदोषतेंआकररोपै एतेसभस्वरभेदवषानै अहैंअसा ध्यसुलषोरपानै ॥ दोहा ॥ यहस्वरभेदनिदानहैसमुझलेहुमतसार समुझाचिकित्साजोकरैताकीहोयनहार स्वरभेदाचीकित्सायहकहीसमुझलेहुमतसार आगेयाकेपथअपथसुनहोकरोंउचार

॥ अथस्वरभेदपथ्यापथ्यनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ स्वरभेदरोगकेपथअपथसभहीकहोंसुनाय जैसेवैद्यकग्रंथतेंसमुझेचित्तलगाय ॥ अथपथ्यं ॥
॥ चौपै ॥ वस्तीकर्मस्वेदपुनजानो धूम्रपानरेचनपुनमानो मुखधावनअरवमनपछानो नस्यअवलेहअव पीडनमानो विवधसनिगधनिगलनपरिमान तंडुललालयवकोटाजान शिरअरुमस्तकरुधानिकासे मदरा-भषडापथ्यप्रकाशे कुक्कटमोरमासरसलेवै वालमूलिकाजामनसेवै काचमाचीजीवंतीलही कपि-त्थशालूककंदपुनसही ॥ दोहा ॥ हिकाश्वासअरुकासकेजेऊअपथ्यवषान तेअपथ्यस्वरभेदकेजा-नोपुरषसुजान ॥ इतिपथ्यापपथ्यं ॥ दोहा ॥ स्वरभेदरोगवरननकियोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकि-त्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीस्वरभेदरोगसमातं ॥

॥ अथकर्मविपाकस्वरभंगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोविष्णुकथामोंगर्वअनुसार विघ्नकरैमतमंदगवार अरुअपनोपांडित्य जनावै इसपापहिंस्वरभंगदिखावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ विधिवतपुस्तकपूजवनाय दानदेयविप्र-हिंहितलाय स्वरभंगदोषतैंमुक्तोहोय निश्चयमनमोंजानोसोय ॥ दोहा ॥ स्वरभंगदोषवरननकियोकारण-सहितउपाय छर्ददोषवर्ननकरोसुनहोमनचितलाय ॥ इतिस्वरभंगदोषकारणउपायसमातं ॥

॥ अथस्वरभंगज्योतिष ॥

कर्कमांहिमंगलपडैतांपरदृष्टिशनी स्वरभेदहोइतानरहिकोनिश्चेजानधनी मंगलशनिकीपूजनाहिरकंठकोहान श्रेष्टउपायातिहजानकैकरौविचारमहान ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायां स्वरभेदाऽधिकारकथननामचतुर्दशोऽधिकारः ॥ १४ ॥

॥ अथछर्दरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ छर्दनामडाकोलहोतताकोकहोंनिदान वैद्यकग्रंथनमोंकह्योसोलखलेहुसुजान ॥ चौपई ॥ छर्दरोगकोसुनोप्रकार एतनसोंसोहोतविकार वातपित्तकफअवरत्रिदोष छर्दकरैनरलहैनतोष अवरअ-कासुनोंतुमसोय इन्हवस्तुनतैभीसोहोय अरुवस्तुदेषैजोकोई अरुनिषिद्धगंधलखसोई अरुनिषिद्धमा-पीतैआद तिसभोजनतैंहोतविषाद अरुविकृतजोवस्तुनिहारै छर्दहोतयहानिश्चयधारै अतिनिषद्धभो-जनजोषावे अतिसनिग्धषावेदुखपावे अरुजोहृदयरुचैहैनाहीं तिन्हकोभक्षणछर्दकराही लवनपानजो ऊनरकरै तापरछर्दवहुतवलधरै अतिभोजनजोकरैअकाल छर्दहोयतिहकरैविहाल अरुजोकोऊवहु-श्रमपावे मनउद्वेगजासकोंथावै अवरअजीरणतैंभीजानो कृमकेदोषहुतेंभीमानो जोअतिशीघ्रहिंभोजन-करै अतिदौडितितैंभीउचरै गर्भसहितजवउस्त्रीहोय छर्दतिसेअवजानोसोय ॥ अथछर्दपूर्वरूपमाह ॥ ॥ चौपै ॥ जिसेछर्दहोनेपरआवे एतेलक्षणप्रथमलषावे मुखविकृतअंगभंगकरावत हकेडिकारविमन-होइजावत तुरतहिंमुखतेंजलचलआवत अवरसलूणामुखहोइजावत अन्नपानमोंउपजैद्वेष प्रथमछ-र्दतैलषोविशेष.

॥ अथवातकृतछर्दलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदयपार्श्वमोपीडाहोय मुखसूकेशिरमोंदुखजोय नाभिविषैभीपीडाथावे. वडेशब्दजु-उडाकीआवे कष्टसाहितजोडाकीकरै अल्पअन्नवाहिरसंचरै कासज्वरमुखफेनचलावत करवायकसन-वातछर्दकहावत

॥ अथवातछर्दचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ कहोचिकित्साछर्दकीग्रंथनकेअनुसार रोगनिवारेदेहतेकरैजुसमुझविचार ॥ घृतपानविधिः ॥ चौपई ॥ सैंधासहितकरैघृतपान होइहैवातछर्दकीहान अथवातीनोलवणमिलाय घृतकोंपीवैछर्द-नसाय अथवात्रिकुटाघृतकेसंग पीवेवातछर्दहोइभंग मुगआमलेसमकरकाथ सलवणपीजिये-घृतकेसाथ वातछर्दकोहोवैनाश निश्चयमनकीजैविस्वास ॥ अथदुग्धपानं ॥ चौपै जेउदुग्धअजागोहो य तेताहीजलताहिसमोय औसेंदुग्धकरैजोपान होइहैवातछर्दकीहान ॥ अथक्वाथयवागू ॥ चौपै ॥ पंचमूलकोकीजेंक्वाथ मेलयवागूताकेसाथ मधुमिलायकरताकोंपीवै नाशवातछर्दकोथीवै ॥ अन्यच ॥ ॥ क्वाथ ॥ चौपै ॥ धनीयांसुंठअवरदशमूल करैक्वाथसभलैसमतूल इसक्वाथहिंकोंपीवैजोय नाशवातछर्दको होय घृतवादुग्धदशमूलसोंसिद्ध वातछर्दमोंलहैप्रसिद्ध अन्यच शिखितित्तरवर्तकीरसमास वातछर्दमों-श्रेष्टलषतास ॥ अन्यच ॥ मुनक्कामधुसंयुक्तचटाय अतीछर्दकोदूरकराय

॥ अथपित्तकृतछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ मूर्छांत्रिषाभ्रममस्तकतास तालूनेत्रंसतापप्रकास छर्दतप्तनिकसेदुखदाइं मुखसोषदाहकटुधूम-दिखाईं पीतहरितलालरंगजान औसीछर्दहोयपित्तमान

॥ अथपित्तछर्दचिकित्सा ॥

॥ अथयवागू ॥ चौपै ॥ लाजामसरमुंगयवपाय यवागूसमयहल्लेहुपकाय मधुमिलायकरषावेसोय ना-शपित्तछर्दकोहोय ॥ अथमृत्तकाजलपानविधि ॥ चौपै ॥ त्रिषावहुलजिहछर्दाहिंहोय तासउपायकहोसुन-

सोय चिकनीढीममृतकाल्यावे ताकीअग्निमध्यबकावे [illegible]सोजानेजवे जलमोंडारदेयसोतवे त्रि-षाछर्दकोंजलसुपिलाय त्रिषासहितपितछर्दमिटाय ॥ अथरसपान ॥ चौपै ॥ धात्रीफलकोरसनिकसावे चंदनमधुमिलायपिलावे पितछर्दकोहोइहैनाश निश्चयमनमोकारिएतास ॥ अथचूरण ॥ चौपै ॥ चंद-नतगरकमलकोभेह वलावांसाइहसमकरलेह यहसमचूर्णमधुसुमिलाय तंदुलजलसोंपीदुखजाय अथअ-विलेह ॥ चौपई ॥ मुंगभूनलाजासोमलीजै मधुमिसरीताकेसंगकीजे चाटैछर्दपित्तकीजाय त्रिषादा-हअतिसारनसाय ॥ अन्यच ॥ कमलवीजलाजामधुएला मिसरीसमकीजोइकमेला चाटेताहिछर्द-पितजाय सुखउपजेतनदोखमिटाय ॥ क्राथः ॥ पित्तपापडेकोकरक्राथ मधुतामोकीजैइकसाथ पीवै-छर्दपित्तज्वरनाशे रुजाविनहोवेसुखपरकाशे ॥ अविलेह ॥ चौपै ॥ केवलहरडचूरणमधुसंग चाटे-पित्तछर्दहोइभंग ॥ क्राथ ॥ चौपै ॥ त्रिफलानिंवगिलोयपटोल यहलीजेसभहीसमतोल मधुमिलाय-करपीवैजोय नाशछर्दपित्तकोहोय ॥ अविलेह ॥ मधुचंदनमिसरीसमपाय चाटैपित्तछर्दमिटजाय ॥ अन्यच ॥ लाजामधुघृतसंगमिलावै चाटैपित्तछर्दमिटजावै

॥ अथकफकृतछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ तंद्रामुखमीठापहिचानो मुखतेंकफनिकलेयोंमानो होयअरुचगौरवताहोय रोमउठेंत-नमींदुषसोय सघनसनिग्धमधुरजोअन्न छर्दकरैजोकफकरजन्न नींदडीसीपीडाभीहोय कफकृतलक्षण जानोसोय.

॥ अथकफछर्दाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिव्याधहिंवमनकरावै पाछेंतेऔषदअचवावै ॥ अथअविलेह ॥ समलेत्रिफला सुंठविडंग नितचाटैइहमधुकेसंग कफकीछर्दनाशयहकरै यहनिश्चैअपनेमनधरै ॥ अन्यच ॥ ककड-शृंगिजवांहामुत्थर मधुसोंचाटैछर्दकफकीहर.

॥ अथसन्निपातत्रिदोषजछर्दलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शूलअरुचाविपाकअरुदाह त्रिषाश्वासमोहउपजाह अन्नसलूणाअमलनिकासै नीला-रक्तवरणपरकासै सघनउष्णवमनजोआवै त्रिदोषजलक्षणऐसेगावै.

॥ अथत्रिदोषजछर्दाचिकित्सा ॥

पाणा ॥ चौपई ॥ धात्रीफलपलशरकरापछान लाक्ष्यामधुइकपलल्लेठान कुडवएकजलपायपि-मावै वस्त्रछानकरताहिपिलावै त्रिदोषजच्छर्दहोयतवनाश निश्चयकीजेंमनमोतास॥ अन्यच ॥ मसरनके-सत्तूवनवावै मधुरलायदाडिमजलपावै जाकोंरोगीपीवैजोय छर्दत्रिदोषनाशतवहोय ॥ अथक्राथ ॥ विल्वगिलोयसमक्राथसुधार तामोलीजैमाष्पोंडार व्याधीयाकोंपीवैजोय नाशेंछर्दत्रिदोषजहोय ॥ अ-विलेह ॥ चौपई ॥ एलालाजामुथ्प्रियंगु वेरगिरिसुंठीजुलवंगु चंदनगजकेसरमघसमपाय चूरणपीसे-मितारलाय मधुमिलायकरचाटैसोय नाशत्रिदोषछर्दकोहोय ॥ अथसाधारणविधिः ॥ अविलेह ॥ चौ-पई ॥ वेरगिरीमघसुंठमंगावै लाजात्रिफलासमलषपावै मधुधात्रिफलरसकेसंग चाटैहोयछर्दकोभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वेरगिरसुरमाप्रियंगूतास मुत्थमलीस्वाददुखनास ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटाघृलामत्र-

त्रतलीस दालाचीनीसमयहलेपीस मधुमिलायकरकोईचाटै छर्दव्याधसभविधिकीकाटै ॥ अन्यच ॥
॥ चौपई ॥ वेरगिरीधात्रिफलगीरी स्वर्णमषीमधुसमधरमिसरी पुनविडलवणमिलावैतास चाटैहोय-
छर्दरुजनाश ॥ अन्यच ॥ मघचूरणमधुसंगामिलाय तंदूलजलयुतछर्दमिटाय ॥ अन्यच ॥ लाजाम-
घमरिचसमआन कपित्थमषीरजुकरोंमिलान रोगीहितकरचाटैतास होइहैछर्दरोगकोनाश ॥ अ-
न्यच ॥ हरडेंत्रिकुटाधनीयांजान जीरासममधुकरोंमिलान चाटैव्याधीनितउठयाहि छर्दरोगतासोंभ-
गजाहि ॥ अन्यच ॥ हरडेंमरचांमघांगिलोय सममधुचाटैछर्दरुजषोय ॥ अन्यच ॥ मनछलत्रिकुटाला-
जाठान कपित्थआमलेरससमजान मधुमिलायकरचाटैसोय छर्दरोगनाशतबहोय ॥ अथभस्मजल ॥
॥ चौपई ॥ अश्वत्थत्वचाकोंसोजलपीवै तुरतहिंनाशछर्दकोथीवै ॥ अथरस ॥ कपित्थअवरधात्रीरसलीजै
मरचमघांमधुपाकरपीजै ततक्षिणहोयछर्दकोनाश रोगीकेमनहोयहुलास ॥ अथअविलेह ॥ सौंचलमर-
चमघजीराठान मधुसोंचाटैछर्दकीहान ॥ अन्यच ॥ विजौरेकेरसमधुजुमिलावै लाजामिसरीमघां-
रलावै याकोंचाटैरुजीनिहार छर्ददूरहोइसकलप्रकार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघमरिचलाजासिताल-
हीजै मधुसंयुक्तसुप्रभातकरीजै रोगीचाटेतासोंजोय नासछर्दरोगसभहोय कपित्थहुकोरसलेततकाल
अवरविजोरेकोरसघाल चाटेछर्दरोगकोंटाल रोगकोपतजहोयानिहाल ॥ अन्यच ॥ माषीविष्टाधनीयां-
चित्रा वेरगिरीद्राक्ष्यासममित्रा मधुमिलायकरचाटैजोय नाशछर्दरोगकोहोय अथकाथः
॥ चौपई ॥ आंबगिरीविलगिरिपछान समयहलेकरकाथसुजान मिसरीमाष्योंसंगमिलावै छर्दअव-
रअतीसारमिटावै ॥ अन्यच ॥ जंवूअवपत्रसमआने काथकरैपुनशीतलठानै लाजाचूरणमधुसुमिलावै
पीवैछर्दअतीसारनसावै ॥ अन्यच ॥ घृत ॥ पत्रगिलोयानिंबलषलीजै धनीयांचंदनइकसमकीजै का-
थकरैघृतताहिपकावै षांवैछर्दत्रिषामिटजावै दाहअरुचकरहैपहनाश रोगीहोइअरोगहुलास

॥ आगंतुजछर्दलक्षणं ॥

पूयमेध्यादिदर्शनजान दुर्गंधस्वादतेंदूजीमान गर्भयुतइस्त्रीतीसरकहिये अतीर्णभोजनचौथीलहिये
क्रमुमक्षीभक्षनतेहोय आगंतुजपंचविधजानोसोय तिनकेलक्षणएकसमान क्रमतेंउपजैभेदपछान शूल-
अवरहल्लासबहुहोय क्रमदूदरोगलक्षणयहसोय

॥ अथमाषीभक्षणादिगिलानदिकीछर्दकीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ माषीभक्षणादिजुगिलान तातेंउपजैछर्दसुजान हृदिरोचिकवस्तूदेतास होयगिलानछ
र्दकोनाश सगर्भइस्त्रीछर्दचिकित्स। ॥ चौपै ॥ इस्त्रीगर्भसहितहोयजोय तातेंछर्दताहिकोहोय वांछित-
वस्तूताहिपुलावै तातैछर्दकष्टामिटजावै

॥ अथविरुद्धभोजनादिछर्दचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जिहअहिताविरुद्धभोजनतेंजाने तासचिकित्साइहविधिठानै लंघनअवरवमनकरवावै ता-
तेंछर्दकष्टमिटजावै जाकोंक्रमतेंछर्दजनावत तासचिकित्साइहविधिगावत कहीचिकित्साजोक्रमरोग सो-
ऊचिकित्साहैतिसयोग

॥ अथत्रिषाछर्दचिकित्साक्वाथ ॥

॥ चौपै ॥ फलगूपत्रमरचजुमुलठ नीलोत्पलसमकरोइकठ क्वाथकरैमधुयुक्तपिलावै छर्दत्रिषाता कोमिटजावै अथवाघाहविनावेक्वाथ पीजैंलाजाचूरणसाथ ॥ अन्यच ॥ स्वर्णरजितवासिकालीजै वा लोहाअग्नितत्ताकीजै जलभीतरातिसलैपबुझाय सोजलरोगीपानकराय तिसतेंछर्दजुहोतविनास निश्च यजानोमनमोतास ॥ अन्यच ॥ जंबूआंवदोऊसमलेय मधुमिलायक्वाथयहदेय त्रिषाछर्दहोवैतव, नाश निश्चयमनमोआनोतास गलीजवस्तुसेछर्दजुहोइ श्वादिकवस्तुदिखावैसोई आमहुसेजोछर्दप्रग. टाय लंघनसेमिश्वेकरजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ वटकीजटालोध्रपुनआन दाडिमअरुमुल ठसमठान मधुमिलाययहचूरणकीजै तंडुलजलसोंयाकोंपीजै त्रिषाछर्दकीहोवैनाश वंगसेनमतकी- मप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ रक्तशालिकोभातवनावे मधूसितातातकेसाथरलावे षावैत्रिषाछर्दमिटजा. य ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अथवाघृतशतावरीपीवै दुखजावैतनकोसुखथीवै अथअवि, लेह चौपई एलाकमलवीजमर्चपीपर गजकेसरचंदनलाजाधर वेरगिरीमुठीजुलवंग मुत्थरमिशरीले. हुविडंग सभसमपीसेमधुजुमिलाय चाटेछर्दसकलमिटजाय दोहा छर्दचिकित्सायहकहीवंगसेनअनु. सार आगेयाकोपथअपथभाषोंभलैविचार इतिछर्दरोगचिकित्सा समाप्तं

॥ अथअसाध्यछर्दलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसधातुकरक्षीणजुकोई छर्दउपद्रवसहितसुहोई पूयरक्तसंगवमनजुहोय ताहिअसा ध्यलखेंसभकोय १ चंद्रकांतानामतिसमानो सोअसाध्यछर्दीपहिचानो जोछर्दनिरुपद्रवहोय ताकोयत्न करेसभकोय ॥ अथछर्दमोंउपद्रव ॥ चौपै ॥ षांसीज्वरहिडकीहृदरोग विमनचित्तत्रिष्णासंयोग त मकश्वासजोपाछेंकह्यो छर्दउपद्रवइंहविधिलह्यो ॥ दोहा ॥ छर्दनिदानवरननकियोवैद्यकतेंलषलीन समझचिकित्साजोकरेसोहैपुरुषप्रवीन ॥

॥ अथछर्दरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥दोहरा ॥ छर्दरोगकोकहितहोपथ्यापथअधिकार करैवैद्यहसमुझकैव्याधीकोउपचार अथपथ्य अ, डिल्यंछद लंघनरेचनछर्दभलीविधिजानिये क्षुधाहोयतौफुल्लीमांडपछानिये अथवाशालीसठीचावलआनीये चावलहोंहिपुरातनमुंगप्रमानिये यवकोटापुनकणकपुरातनलीजिये यहसभभाषैपथ्यअवरसुनकीजीये मा. ष्योमिसरीधनीयांहरडअनारजो अन्नप्रमानहितवस्तुसदाहितकारजो नानामनहरवस्तुसुगंधीरसजिते पाकेमीठे आंवअन्नहितकरतिते मरवावासानेंवद्राक्षपुनजानहो गजकेसरजुविजोराहितजलपानजो अवरहुंपक्ककपित्थ चंद्रकीचंद्रका इत्थादिकवहुपथ्यत्यागवहुतंद्रका जलसिंचतसोचायचीकनीमृत्तका चंदनआदिसुगंधम नोहरचित्तका पुष्पसुगंधीहेतपीतफलदेषना भोजनांतमुखशीतलजलकोसेचना नीरसुगंधगुलाववदनपुरवर षनो तीतरलवावटेरमासरसहर्षनो ससाअवरवनपक्षीमासपथजानिये शब्दस्पर्शरसरूपसंगंधपछानीये जवसुतीनपरिमानसुऊपरनाभिरे तप्तशस्त्रसोंदेहुताहुपरदाघरे ॥दोहा ॥ पथ्यकहेयहछर्दकेसमझोवैद्यसुजान आगेछर्दअपथ्यसुनतिन्हकोंकरोंवखांन॥ अथअपथ्यं अडिलछंद॥ वस्तीकर्मनसवाररुधरकोमोक्षनो दातनतै- लाभ्यंगकटूरिफलसुनो फलफूलव्यायांमसुसर्षपरुचकरे अन्नपानसअपथ्यजुनिजाहितनाधरे दोहा भाष यहअधिकारकेपथ्यापथ्यवषान पथ्यगहेत्यागेअपथताकोहोयनहान इतिछर्दरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तं

॥ अथछर्दरोगकर्मविपाकहेतूउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मिथ्यकर्मकियेविनजोय भोजनकरेछर्दतवहोय ताकोंकहोंउपायसुनाय सोसमझोअप-नेचितलाय ॥ अथउपाय ॥ अमावास्याअथवासंक्रांती इनपर्वणकोंकराचितसांती सुंदरभोजनविप्रनदेय याहिदोषतेंमुक्तिलहेय इतिकर्मउपाय ॥ दोहरा ॥ छर्दरोगवरणनकियो कारणसहितउपाय अरोचिक-आगेकहितहुं सोसुनियेचितलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

जोचंदहिचरजन्ममोवुद्धपडेगोआय सोनरजानोमूढमतछर्दताहिप्रघटाय चंदवुद्धकाजपकरेविधिसंयुक्तप्रमा न व्याधिक्लेशछर्दरोगकीहोतअवश्यकरहान इतिज्योतिष

अथान्यप्रकारवमनरोगकथनं

॥ चौपै ॥वमनकुलेदछर्दपहचानो फारसीकयनामासोजानो अतिभोजनअतिलूणजोहोई मखीवालदुर्ग-धिजोई इनकरवमनहोतपहचानो अथवावातपित्तकफजानो जाकारनकरछरदीहोई वमनसंगकरवाहि रसोई जेकरवमनवाततेजानो ताहियतनऐसाहितमांनो वहेडामासेसातमंगावे मधूमेलचटनीकरखावे तवासीरडिंडतोलाल्याय चौदांमासेमघसंगपाय सुंठीसोदसमासेलीजे मासेसातमर्चसंगदीजें ला-चीहिंदीसाजजआंनो तमालपत्रगजकेसरठांनो नागरमोथाचंदनपावे वावडिंगमघदाखमिलावे दसा दसमासेआनोसोई चूरनपीससेवसुखहोइ मासेसातमीरसंगखावे छर्दीरोगताहिहटयावे मुलठीमहुआ काष्ठसंगाय माजरवीजरूमीछडपाय साडेत्रैत्रैमासेहोई मधूमेलचटनीहितसोई जेकरछर्दीपित्तजहो-ई ताहियतनआगेसुनसोई वावडिंगत्रिकुटामंगवावे कालालूणताहिसंगपावे लेसमपीसमधूयुतहोई चट-नीसेवदोषहरसोई अगुरइलाचीसुंठमंगावे दारचीनीगजकेसरपावे हरीडतमालपत्रसंगहोई सतसतमा-सेलीजोसोई मधूमेलदसमासेचाटे छार्दरोगताहीछिनकाटे जैफललौंगदोईमंगवावे साडेत्रैत्रैमासेपावे इ-लाचीदोमासेसंगपाय चूरनकरमधुसंगचटाय अथवाजैफलएकमंगावे मधूमेलचटनीकरखावे ॥ जेकरव मनरुधिरकेजांनो ताहियतनऐसाहितमांनो वांसारसमधुसंगमिलाय चाटेरुधिरवमनहटजाय अथवाग-दंभदूधपिलावे वमनरुधिरकेसीघ्रहटावे ॥ मुलठीचंदनमुथरआनो पन्हीजढजौआटामांनो लेसमपीसमधू-संगपावे दसैमासेचटनीकरखावे जूहीजढअरुपुष्पमंगावे पडोलपत्रताहीसंगपावे छिलकानिंवमेलिए-सोई चंदनलालताहुसंगहोई सतसतमासेकाथवनावे चारसेरजलपायपकावे आधसेरजवहीरहजाय मिसरीमासेसातरलाय पीवेप्रातपालकरवावे वमनरोगनिश्चेहटजावे ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरण-वीरप्रकाशभाषायांवमनरोगकथनंनामपंचदशोऽधिकारः ॥ १५ ॥

॥ अथअरोचिकरोगनिदाननिरूपनं ॥

॥ दोहा ॥ निदानअरोचिककाकहोंसुनहोपुरुषसुजान जैसेंभाष्योशास्त्रमेंतैसेंकरोंवषान चौपई रोगअ-रोचिकपांचप्रकार जिव्हाहृदआश्रयसुविकार वातपित्तकफअवरत्रिदोष मनसंतापपंचमलहुदोष पांचभेदवैद्यकजुवषानै अवरभेदभीकहितस्यानै . अतिभयशोकहुतेंभीहोय अतिहीलोभक्रोधतेंसोय

॥ अथसामान्यविधिः ॥

॥ चौपई ॥रोगअरोचिकपांचप्रकार तिसकोसुनहोयोंउपचार वातविकारहुतेंप्रगटावै तापरवस्ती-कर्मकरावै जोयहरोगपित्तकरहोय रेचनतापरभाषैजोय कफकरजोयहरुजलषपावै तिंहरोगीकोवम नकरावे मनसंतापहुतेंहोइसोय ताकोंहर्षणतेंसुखहोय अन्नादिकजाकेमुखपावें स्वादनआविनाउसभावें ताकोनामअरोचिकगायो वंगसेनयोंप्रगटसुनायो मनकरअतीचिंतनकेसमै अरुनेत्रनकरदेषनसमै अरुकानोकेसुननेकाल अन्नसाथकैरदोषविशाल भक्तद्वेषसुअरोचिकजान यहीनामताकोलषमान जोभो-जनकीश्रद्धाहोवै षायनसकैरुचआसभजोवै भक्तछंदसुअरोकमान ऐसेंग्रंथककीनवषान

॥ अथवातकृतलक्षणं ॥

॥ चौपई वातहुतेंषाटेहोइदांत वदनकसेलालषोवृतात ॥ दोहा ॥ सुनोचिकित्सारुजअरुचकीभा-षोंभलेंवनाय जैसेंवैद्यकग्रंथमोंतैसेंदेहुंसुनाय

॥ अथवातजअरोचिकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमवरचसंगवमनकरावै पाछेतेऔषधअचवावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वायविडंग-अवरयवक्षार रीऊंदरहसनएलाडार हिंगुभिडंगीमघसुंठीजान सेंधालवणचूर्णसमठान घृतसोंवातप्रोद-कसंग वामदिरासेंपीरुजभंग वातअरोचिकहोवेनाश रुचिउपजैमनहोतहुलास

॥ अथपित्तकृतलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पित्तहुतेंमुखकौडाहोय अवरसलूनारसविनसोय अंवलमुखदुर्गंधीजास पित्तअरोचिकजा नोतास.

॥ अथपित्तअरोचिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मुलठअवरगुडजलजुपिलाय प्रथमहिंऐसेंवमनकराय पाछेंमधुवामिसरीजान वास-लवणघृतकरहैपान पित्तअरोचिककोहोइघात निश्चैसमुझलेहुयहवात.

॥ अथकफकृतलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफकरवदनमधुरताधारै भारीशीतलमुखजुनिहारै कफसोंलिप्तसदामुखरहै वांध्योसो. मुखअपनालहै सन्निपातकोभेदपछान सभत्रिदोषलक्षनयुतमान.

॥अथकफअरोचिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमवमननिंवजलसंग करववावैदेऔषधचंग भिन्नभिन्नसुनहोउपचार देअमलतायण क्वाथसुधार अम्लतासमधुसंगरलावै वामधुमरचमिलायचटावै अथवाधूम्रपानकरवावै तातेंकफजअ

रोचिकजावै दांतनादिसोंमुखशुद्धकरै मनप्रसंनजलपानसुधरै आभ्याशनकरहर्षवढाय अरोचिकरोग-ताहिमिटजाय अथवाकुठमासीचलजानो मिसरीमरचवावनियांमानो वाआद्रकरसमधुजुमिलाय एलाबामिसरीसंगपाय भिन्नभिन्नमहसेवनकरै रोगअरोचिकतातैंहरै.

॥ अथआगंतुकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ शोकभयादिकपाछेकहै आगंतुकताहीकरलहै कोइकग्रंथकारयोंआषे वातहुतेंहृदिपी-डाभाषें दाहत्रिषामुखशोथदिखावै ऐसेंग्रंथनिदानवतावै क्षुध.उदरमोंरहेअपार मुखसेंनाहिंचलेकछुसार शोकअरुचकाकारनजान चर्कग्रंथमतकीनवषान॥ अरुचिकास्वरूप ॥ मुखपायेअस्वादनहिंआवै जा-नलेहुअरुचीप्रगटावै भोजनकीजोचिंताकरै देषतअन्नअरुचिवहुधरे भक्तद्वेषअन्नतिसजान वागभट्ट-सोंकीनवषान औरभेदऐसाइकजाने पित्तविकारहुतेयोंमाने कफतेंमुखसोंकफनिकसावै मोहहुतेंजडता-नरपावै-

॥ अथभक्तद्वेषकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ सिंधुलौनआद्रकमुखपाय क्षुधाजीभहृदयशुद्धकराय ॥ अन्यच ॥ मधुआद्रकरसमेल-पिलाय अरुचीस्वासकासमिटजाय ॥ अन्यच ॥ पकीइम्लिरसलेहुनिकार तामोंमिसरीलाचीडार लवंगभीमसैनीकर्पूर सेवनकरेअरोचिकदूर इम्लीरससोंकुरलीकरै तौभीअरुचीशोककहिरै ॥ दोहा ॥ निदानअरोचिककी कह्योदेषग्रंथपरकार कहीचिकित्सातासकीसोलीजैउरधार.

॥ अथअन्यप्रकार ॥

॥ चौपई ॥ कुठसोंचलजलत्रिभंगाय हरकारमरचविडंगजुभाय पुनधनियांएलापक्कअम्ल उशी-रमधचंदनउत्पलठान पुनलोधतेजवतीत्रिकुटाय हरडजवषारसुसंगमिलाय पुनआद्रकदाडिमरसलीजै जीराशर्करासंगमिलिजै तैलमधूयुतकवलग्रहधार वातपित्तकफइनलेटार सन्निपातअरोचिकनासै ग्रंथ-कारमतज्योतिप्रकासै ॥ दालचीनीमुत्थरधनियांल्प.वै आवलेसमकरस्वछवनावै प्रथमएहविधमुत्थरल्प.-य आवलेदालचीनीसुवनाय दालहलददालचीनीदोय जवयुततीजोविदसंजोय मघांतेजवंतीसुविचार-चौथाक्रमयहजोगसुवार अजवानातेंतडीयाहिसुलहै पंचमुखधावननामसुकहै इनकोकाथताहिमुखधोय गुटकाकरमुखमेंधरसोय जलआदीसंगकवलग्रहकरै येतेरोगनिश्चैपरिहरै वुद्धिविस्तीरणकरणेहार संपूरणअ-रोचकहोतनिवार जिसजिसवस्तऊपरमनजावै सोसोवस्तुदानकरावै यहभीजानोवडाउपचार नाशअरुचिरुचहोयअपार॥ अगुटका ॥ चौपै ॥ दाडिमपीसगुडसंगमिलावै मुखमेंसोंगुटकाधरपावै हीयअरोचिकरोगविनास रुचउपजैनिश्चयलषतास ॥ अन्यचगुटका ॥ चौपई ॥ अठारांवीजमुहांज-णमीस दसमरचांमघमेलोवीस आद्रकपलपल्लगुडजुमिलाय तीनप्रस्थकांजीसंगपाय पलविडलव-णत.हिसंगदीजै अग्निपकायसुगुटकाकीजै नितप्रतिमुखमेंराषेतास रोगअरोचिकहोवेनास ॥ अथदा-डिमादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ दाडिमदोइपललेपीसावे पलपलसुंठमरचमघपावे इकपलत्रीसुगंधसम-लीज पंडअ‍ष्टपलचूरणकीज नितप्रतिउठयहचूरणषावै अरुचपीनसज्वरकासमिटावै ॥ अथषांड-वचूर्ण ॥ चौपई ॥ इकसतमघमरचांसतदोय सितचारपलताहिसजोय धनीयांसुंठएलाअरुजीरा दालचीनीसोंचललेवीरा अर्धअर्धकर्षवहठान कंकोलजवायणदाडिममान अमलवेतइम्लीसंगदीजै क-

षंकर्षपरिमाणलहीजै चूरणनित्ययथाबलषावै अरोचिकलिफहृदरोगमिटावै ग्रहणीशूलषांसीगुअफार-इन्हकौंनाशैनिश्चैधार ॥ अथमहाषांडवचूर्ण ॥ चौपई ॥ तालीसपत्रचबकमरचाय नागकेसरसंधा. समभाय पुनमघपीपलपीपलमूर तिंतडिचित्राजीरापूर वंसलोचनबहेडातिंहठान दुगुणदुगुणइन्ह. कापरमान पुनवदरीफलचूरणलहिये एलानागरमुथरगहिये अजमोदअमलवेतधनीयांमान त्रिग. णात्रिगुणइन्हकापरिमान दाडिमचतुरभागलषलीजै अर्धभागमिसरीसंगदीजै बलअनुसारचूर्णयहषावै कंठहृदैमुखरोगमिटावै गुल्मअफाराविसूचीनाशैं अर्शश्वासक्रमछर्दविनाशै केसअरुचहरहैअतिसार ए-तेसभमिटजांहिविकार ॥ अथजवानीषंडचूर्ण ॥ चौपई ॥ जवाणातिंतडिदाडिमआनै सुंठीअमलवेत. पुनठानै वदरीफलचूर्णलषलीजै करषकरषप्रमाणधरीजै धनीयांसौंचलकालाजीरा कर्षअर्धअर्धल-षवीरा इकशतमघमरचांसतदोय सिताचारपलताहिसमोय नित्ययथाबलयाकोंषावे जायअरुचपुनरु-चउपजावे हृदपीडाअर्शपार्श्वकोशूल कवजअफारश्वासनिरमूल संग्रहणीअरुजावैकास एतेरुजय-हकरहैनाश ॥ अथलवंगादिचूर्ण ॥ लवंगउशीरनीलोत्पलकेसर चंदनएलामघांअगरधर सुंठजायफ. लकालाजीरा वंसलोचनवालाधरवीरा छडगुडीनगरयाहिमोपाय आगेवरतूसभहिमिलाय पुनकरपू. रअवरकंकोल यहसभऔषदलेसमतोल अष्टगुणांमिशरीतिंहपावै यहचूरणनितप्रातहिंषावै रोचिक-अग्निदीप्तयहमान बलअरुपुष्टकरैपहिचान अरोचिकतमकश्वाअरुकास हृदयरोगसंग्रहणीनाश गल-ग्रहपीनसयक्ष्माविडारे अतीसारप्रमेहनिरवारे अर्शमिटावैयाकोंजान इन्हरोगनकीकरहैहान ॥ अथसू. क्ष्मएलादीचूर्ण ॥ चौपई ॥ एलालघुतालीसजुपत्तर वंसलोचनदालचीनीकेसर जीरादाडिमधनीयांइ ल्लीपाय अर्धअर्धकर्षसमभाय मगधामरचजवायणचित्रा सुंठचवकअजमोदामित्रा अमलवेतकैंथले पिपलामूल कर्षकर्षयहलेसमतूल सितावारपलपीसमिलावे बलअनुसारचूर्णयहषावे परमहोयरुचअ. रुचिविनाशैं लिफश्वासकासज्वरनाशै वमनअर्शअरुशूलनिवारे जिव्हाकंठाहिंशुद्धसुधारे ॥ दोहा. चिकित्सारोगअरोचकीभाषीभलैंवनाय ताकेपथ्यापथ्यअवभाषोंसुनचितलाय ॥ इतिअरोचिकचिकत्सा

॥ अथअरोचिकरोगपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ रोगअरुचकेपथअपथवरननकरोंवनाय तिन्हसभहीकोविउरोसुनलीजैचितलाय ॥ अथ-पथ्यम् ॥ चौपई ॥ वस्तिकर्मरेचनमनआनो धूम्रपानपुनवमनपछानो कछुकग्रासमुखयावतरहै तीक्ष-णतरुदातणमुखगहै नानाअन्नपानहितकारी तिन्हतेरुचउपजिअतिप्यारी द्राक्षमनक्कामुंगपछाना चाव. ललालसठीपुनमाना ससावराहहरणकोमास मत्सअंडपथजानोतास रोहप्रोष्टमत्सयहदोय इन्हकोमां. सपथ्यलषसोय वैंतकूमलीअवरअनार षरवूजावृंताकनिहार नवीनमूलिकालसुनजोकहिये शूरणआंवद्राक्ष पुनलहिये कांजीअवरपटोलवषानै तालनकेफलपथ्यपछानै क्षिरणीफलसुहांजणाजान सिषरनमघांछुहा. रेमान आद्रकहरडजवायणकहिये तालनफलकेवीजलहैये शीतलरेतउपरदढआसन हिंगुअमलरसरु चिपरकासन स्वादिकअरुतीक्षणरसजोय देहशुद्धितापथलषसीय ॥ दोहरा ॥ अरुचिरोगकेपथकहे. करोंअपथ्यवषान तिंहकोंसमझोचतुरनरपुनाहिंचिकित्साठान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ त्रिषाडि. कारनेत्रजलजान क्षुधाअरविष्टामूत्रपछान इन्हसभहीकोविगरुकावै यहभीमहाअपथ्यकहावै जोनवस्तु-आपहिंकोरुचे ताकोभक्षणनाहिनपचे भारीकंदजितेजोकहे सोभीवडअपथ्यलषलहे क्रोधलोभभयअरु-

दुर्गंध इतनेकीनअपथ्यनिबंध ॥ दोहा ॥ रोगअरुचिकेपथ्यअपथ्यवैद्यकग्रंथविचार भाषासुगमवनायकेकीने-सभीउचार ॥ इतिपथ्यापथ्यंसमाप्तं ॥ दोहा ॥ रोगअरोचिकवरनयोप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिचिकि-त्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिअरोचिकरोगसमाप्तं ॥

॥ अथअरोचिकदोषरोगकारणउपायनिरूपणं ॥

अथकारणं ॥चौपै ॥ मातुपिताहिंकरेअपमान तिन्हबिनआपकरेजलपान अरुमातुपिताकोधनहरले य रोगअरोचिकउपजैतेय अरुकुष्टीभीसोजनहोय निजमनमोंनिश्चयलषसोय ताकोसुनोउपायवता ऊं जैसेंकर्मविपाकलषपाऊं अथउपाय ॥चौपै ॥ अग्निदेवताकीजुसहाय शुद्धस्वर्णप्रतिमावनवाय उदुं-वरकाष्टपात्रवनवावै गोघृतपूर्णघृतमाचैठावै विधिवतपूजैप्रीतलगाय अग्निमंत्रसोंहवनकराय करसंक-ल्पविप्रकोंदेय कुष्टअरुचतैंमुक्तलषेय ॥ दोहा ॥ दोषअरोचिककुष्टकोकारणकह्योउपाय मूर्छादोषवरन-कनरोमुनलीजैचितलाय ॥ इतिअरोचिककुष्टदोषकारणउपायसमप्तम्

॥ अथअरोचिकज्योतिषम् ॥

जोमंगलअरुदेवगुरुदृष्टीलगेजुसमान वैरभावतिहग्रहनकरअरोचिककरेजुहान भिन्नभिन्नपूजाकरैमंग-लगुरूजपहोम रोगविधीसोहरेगोजुगलगुरूअरुभोम इतिज्योतिषम्

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांअरोचिका ऽ धिकारवर्णननामपंचदशो ऽ धिकारः ॥ १५ ॥

॥ अथमूर्छादिरोगभ्रमनिद्रासंन्यासनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छाभ्रमनिद्राअवरतंद्राअरुसंन्यास इन्हसभरोगनिदानकोंकरहोंभलेंप्रकाश ॥ चौपई ॥ जो नरक्षिणदेहकरहोय दोषवातापित्तकफयुतजोय अरुविरुद्धहारजोकरै वेगरोकविष्टादिकधरै अरुसतगु-णकरहीनजुकोई अरुताडितकरताडितहोई मनसभइंद्रिनकरेप्रदेश भिन्नाभिन्नमार्गाहिंनिवेश तिसम-नकरइंद्रयचैतन्य निजविषयनकोंकरैंगृह्न्य वातपित्तकफकोपकरैंजव मनकेमार्गरोकैंहैंसोतव विन-मनइंद्रयजडतापावत योंत्रिदोषमूर्छाउपजावत तवसुखदुखकोज्ञाननरहे काष्टन्यायनरगिरभूगहे ता-हूकोंमूर्छापहिचानो ताकोविवरोसुनोचषानो सोमूर्छाहैषटपरकार भिन्नाभिन्नसोंकरौंउचार वातपित्तक-फतेंत्रयजानों रुधिरमद्यविषतेंत्रयमानो इन्हसभमोंजवपितअधिकावै तवहीनरमूर्छाकोंपावै

॥ अथसामान्यमूर्छापूर्वरूप ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छाजवहोनेपरआवै प्रथमहिंयहलक्षणप्रगटावै हृदपीडामनहोयागिलान संज्ञानाशउवा-सजान उदरकीहोवेअग्निविनाश पूर्वरूपयहकीनप्रकाश

॥ अथवातमूर्छापूर्वरूपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अरुणारुणवानीलवर्नजो प्रथमआकाशमध्यदेषतसो असनभदेषतमूर्छापावे घोरअंधतम मांहिसमावै पुनशीघ्राहिंसोजातनहोय देहकंपअंगमर्दनसोय हृदपीडामुखकांतमलाम लक्षणवातमूर्छाके जान श्यामअरुणछायादरशावै वातजलक्षणयोविधगावै

॥ अथवातजमूर्छाचिकित्सा ॥

तिलआदिकजोसेककरावे वातजमूरछातत्क्षणजावे ॥ अन्यच ॥ अथचूरणम् त्रिफलाचूरणघृतसोंपीवे वातजसोंमूर्छाहतथीवे ॥ चौपई ॥ सुंठधात्रीफलसोरसआनै द्राक्षपीसयहमधुमोठानै चाटेयाकोरोगिजो यनाशरोगमूर्छाकोहोय स्वासकासभीहोवेनास निश्चयकरोकीयोपरकाश ॥ चौपई ॥ धनीयांहिंगसेंधासुंठ' जीरा यहसमचूरनकीजैवीरा जलसोंपीवेमूरछाजाय निश्चयजानोकह्योसुजान

॥ अथपित्तजमूरछापूर्वरूपलक्षणं ॥

॥ चौंपई ॥ रक्तहारितवापीतप्रकाश प्रथमहिंदृष्टीआवैतास देषतदेषततमाहिमंझार प्रविसैरोगीकौनउचार-जवेवृद्धिकोंप्रापतहोय त्रिषासहितसंतापतसोय होवतशीघ्रचलनतिसताही उठेशीघ्रजववोधकराही रक्तने त्रावापीतदिषावैं अरुव्याकलसँदृष्टीजुआवैं पीतवरणदेहहोइतास पैतिकमूरछालक्षणजास

॥ अथपित्तजमूरछाचिकित्सा ॥

शीतलशरवतसेवनकरे पितमूरछाकोंततक्षणहरे रक्तहुंतेंजोमूरछाहोय शीतलक्रयालषीजेसोय

॥ अथकफजमूर्छापूर्वरूपलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मेघनकरजुयुक्तआकाश देषतहीमूर्छाहोएतास अंधकारमोंप्रविसेजोय चिरकरजागेरोगीसोय तवअपनेअंगभारीजाने तुचाआरद्रहृदरोक्योमाने होयहलासतासकोजवही वमननआवैताकोतवहीअ-रुजलमुखहुंतेचालिआधे यहकफमूर्छाचिन्हलषावे

॥ अथकफजमुर्छाचिकित्सा ॥

अथअविलेह केवलमधचूरणमधुपाय चाटेमूरछादिकनरहाय अथकाथ पंचमूलकोकाथवनावे सिता वामधुसेमूर्छाजावे अरुजोज्वरकेकाथवषान मूर्छाकोंसोहितकरमाने

॥ अथसनिपातमूर्छालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अपस्मारजोमिरगीकहिए तासचिन्हजाकोंलषपेये असेमूर्छाजाकोंहोय सन्निपातकीजा- नोसोय सोमूर्छपृथवीपरडारे फैनवमनविनताहिनिहारे

॥ अथसन्निपातमूर्छाचिकित्सा ॥

अथकांथ ॥ चौपई ॥ सुंठगिलोयपिप्पलामूल पुष्करमूलपायसमतूल काथमधूमधपायपिलावे मूर्छासंनि पातमिटजावे ॥ अन्यच ॥ केवलकरेजवांहाकाथ पीवेताकोघृतकेसाथ मूर्छादिकरुजहोवेंनाश चैतनहै मुखअधिकहुलास

॥ अथरुधिरकृतमूर्छावरननं ॥

॥ चौपै ॥ पृथ्वीजलतमरूपहिचीन ताहिसंयोगरक्तगंधलीन तिहकारणरक्तगंधजुगमेल मानुषमूर्छा- प्रापतेल किसहूंरुधदोषतैंहोय किसहूंरुधगंधतेंजोय तातेंदृष्टफटीहोइजाय गूढश्वासआवेंलषपाय

॥ अथरुधिरकृतमूर्छाचिकित्सा ॥

शीतलजलशर्वतजोपीवे रुधिरमूर्छनाजाइसुजीवे

॥ अथमद्यकृतमूर्छा ॥

॥ चौपै ॥ करतविलापभ्रांतमनहोय तुरतशयनकरजावैसोय अरुपृथवीपरलेटतरहै करपदहीजुच- लावतगहै जवलगमदकोअमलनजावै तवलगमूर्छामांहिरहावै

॥ अथमद्यकृतमूर्छाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जाहिमद्यतैंमूर्छाभासै तासचिकित्सायोंपरकासे मद्यपिलायसुखशयनकरावै मूर्छामद्य- तासकीजावै

॥ अथविषकृतमूर्छालक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ देहकंपअरुस्वप्नेआवैं त्रिषाहोतविषमूर्छागावैं तमगुणपितमिलजवअधिकावत तवही- नरमूर्छाकोंपावत

॥ अथविषकृतमूर्छायतणं ॥

॥ चौपै ॥ मैनफलअथवानीलाथोथा फटकरिपायगर्मजलशोथा मरचइत्यादिजोवमनकरवाइ वि- षमूर्छातत्क्षणमिटजाई ॥ अन्यच ॥ विषकोहरनवस्तुहेजेती विषमूर्छाकोदेवैतेती

॥ अथभ्रमलक्षणम् ॥

रजगुणअरुपितवातवधैजव भ्रमरुजहोवतहैनरकोंतव तमगुणवातअवरकफतीन इन्हकेवधेतंद्रामो- लीन तमगुणकफवाहुलतालहै तातेंनिद्राकोंनरगहै

॥ अथभ्रमचिकित्सा ॥

॥ गुटका ॥ चौपै ॥ मघांशतावरिसुंठपिसावै हरडचूरणपलपलयहपावै षटपलगुडसोंगुटकाकीजै गुटकाषावैभ्रमरुजछीजै

॥ अथसंन्यासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ मनवाचककायकचेष्टाजोय बातपित्तकफसमयुतहोय प्राणस्थलकोंग्राश्रयधार मोहनिवलकोंकरैविकार तवनरकाष्ठन्यायहोइजावै मृतकतुल्यसभहूंदरशावै ताकेप्राणनलषणेंग्रावैं तिहसंन्यासनामकाहिगावै तातकालतिसयन्तकराय नहीतोप्राणदूरहोइजाय ॥ दोहा ॥ मूर्छादिकजुनिदानकोंसमझोसहितहुलास जैसेंकह्योनिदानमोंतैसेंकनिप्रकाश

॥ अथसंन्यासचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ रुजसंन्यासलषजवजाकों दीजेवहुतधूमतुनताकों ग्ररुमरचादिकतीक्षणवस्तु ताकोंग्रंजन याहिप्रशस्तु मरचसुंठग्रादिकनसवार तिहदीजैहोइरहितविकार गुह्यदागपुनदीजैतास यातेंनाशहोयसंन्यास केशरोमउतपानटकीजै यातेंभीसंन्यासरुजछीजै ग्ररुनखपीडनकीजैतास दांतनसोंकटियेतिहमास ग्ररुतिससूचीवेधकरीजै जजूलीताकीदेहमलीजै इन्हउपचारनचेतनजवै होवैरसलक्ष्मणदेतवैं ॥ अथघृत ॥ चौपै ॥ हरडक्काथमोंघृतसिधकरै वाधात्रीफलरसग्रनुसरै पीवेयहघृतमूर्छाजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ दोहा ॥ चिकित्सामूर्छारोगकीताकोंसमुझविचार मूर्छाकेजोपथग्रपथसुनोकरोंउचार

॥ अथतंद्रालक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ इंद्रिनकोंनिजविषयमंझार ज्ञाननहोंवतभलीप्रकार तनभारीजुउवासीग्रावैं क्लमग्रालसकोंतंद्रागावैं

॥ अथक्लमकेलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ विनाषेदविनश्रमयोंजानौं वडेश्वासग्रावैंमनग्रानौं इंद्रिनकरविषयनकोज्ञान होतनहींसोक्लमपहिचान

॥ अथउवासीलक्षणं ॥

श्वासपीयेग्ररुमुखजुपसारै ग्रश्रुपातसंगश्वासनिकारै यहीउवासीलक्षणजान ग्रालसलक्षणकरोंवषान ॥ अथनिद्रालक्षणं ॥ इंद्रियमनकोमोहजोहोय मोहनिद्रालक्षणजानोसोय

॥ अथग्रालस्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ दुषसोंद्वेषग्रलोभताधारै सभकार्यसमग्रउरसाहनिवारै.

॥ अथछिक्कालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ प्राणग्ररुउदानजोवाय समहोयऊर्द्धमार्गजवजाय षुमनासकाद्वारनिकसावैं शब्दकरैसोऊछिक्ककहावै.

॥ अथतंद्राग्रालस्यक्लमाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सेंधालूणकर्पूरग्ररुपीपल सरसोंमहुकेफूलसनामिल इनकोंपीसजोनैंनपावे तंद्राग्ररु-

अतिनिद्राजावे ॥ अन्यच ॥ वीजसुहांजनसेंधालौन सरसोंकूटछागमूत्रमिलौन पीसनासदेतंद्राजाय भावप्रकाशकह्यादियोसुनाय

॥ अथमूर्छादिरोगेसामान्यचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छादीचिकित्साकाहितहोंबंगसेनअनुसार समुझचिकित्साजोकरैहोयनताहिविकार ॥ अथचूरणम् ॥ चौपई ॥वद्रीफलकीगिरीमंगावे मरचउशीरगजकेसरपावे यहसमचूरणकरेवनाय शीतलजलसोंताहिपिलाय मूर्छादिकसभरोगविनासें मनसंतुष्टहोयसुखभासें ॥ अन्यच ॥ तंडुलसितक-पासकेवीज काथकरेसहतकाहिंपीज मूर्छाताकोहोवैनाश निश्चयमनमोजानोतास

॥ अथमूर्छादिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मूर्छादिककेपथअपथसभहीकहोसुनाय जिन्हकोंसमुझेसकलजनवैद्यग्रंथकेभाय॥ अथपथ्यम् ॥ ॥ चौपई ॥ जलकेछट्टेजलइसनान शीतलस्थानपवनपरमान शीतलपाणेशीतफुहारे शीतलचं-द्रकिरणकोंधारे चंदनलेपनधूमदिवावे तीक्षणअंजननेत्रनपावे पुनतीक्षणदेवेनसुआर रुधिरछुडावैशि-रजलधार सूचीवेधजतनकरवावे गुल्लदागपुनिताहिदिवावै रोमकशेनाडींजुपुटावै दांतकटननखपीडक-रावैं द्वारनासकामुखकररोध रेचनछर्दभयलंचनक्रोध सुखदायकसय्यापुनजानो विचित्रमनोहरकथाव-षानो शीतलछायानवजलपान घृतशतधौतपटोलपछान लाजामांडमोचरसकहिये हरडअनारनरेलभ-नैये महूपुष्पपुनशाकचुलाई शीतलवालूवैठनजाई अद्भुतदर्शअन्नलघुजानो उच्चशब्दकरपूरपछानो ऊचेगीतवाद्यसुनलहो मनकोरोकनधीरजगहो मधुरवर्गसिद्धपयपान जांगलमासरसदाडिममान यव-अरुरक्तजुशालीजानो अवरमुद्रतिसपथ्यपछानो ॥ दोहा ॥ कहेजुमूर्छारोगकेपथ्यसमस्तविचार सुनहु-अपथ्यवषानहोंतिनसभकोपरकार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ पत्रसाकतांवूलकहीजै घर्षणदांतआतपल-खलीजै मैथुनस्वेदतक्रपुनजान विष्टामूत्ररोधपाहिचान कटुकवस्तुकोभोजनजेऊ अवराविरुद्धअन्नजलतेऊ एतेसकलअपथ्यपछांनो त्यागअपथ्यपथ्यउरआनो ॥ दोहा ॥ मूर्छापथ्यअपथ्यसभभाषोंग्रंथविचार-त्यागअपथ्यनकोसदापथ्यमानाहितकार ॥ इतिमूर्छादिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ अथभ्रममूर्छादोषकारणउपायनिरूयणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनश्रेष्टमार्गजुरहावे ताहिकुमारगजोउपजावे ताकोंभ्रममूर्छाप्रगटात. अैसैंतासउपायसुनात ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ सूर्यस्वर्णमयमूर्तिवनावे तांम्रपात्रमोंताहिवैठावे पंचा-मृतहिंकरायस्नान पूजैरक्तवस्त्रपरिमान पुनदशलोकपालकोजजै सूर्यमंत्रकरहवनहिंसजै करसंकल्पवि-प्रवरदेय निजहिंदोषकोमुक्तिकरेय ॥ दोहा ॥ भ्रमहूर्छाकेदोषकोकारणकह्योउपाय तृष्णारोगवर्णनकरों सोसमुझचितलाय इतिभ्रममूर्छादोषकारणउपायसमाप्तम्

॥ अथमूर्छारोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ सिंहराशमोंपूर्णवलचंदपडैगोजाहि ताकोमूर्छारोगव्हैनिर्वलजानोताहि चंद्रप्रतिष्टायथिविघ घरकीजैसवअंग गृहउपाधिसभशांतिहोरोगपडैसवभंग ॥ इतिज्योतिषं ॥

॥ अथान्यप्रकारमूर्छारोगवर्णन

॥ चौपई ॥ मूर्छारोगजाहुकोलहिए गशीऔरगशफारसकहिए वहुतभेदकीमूर्छाजांनो सरदीगरमीअधकपछांनो वमनहोएवारेचनजाको चलेरुधिरमूर्छाकहुताको ववासीरवायक्षमजोहोई आर्तवरुधिरचलेकहुसोई अतिमैथुनकरमूर्छाजांनो अथवासंनिपाततेंमांनो तापवीचअतिपरसांहोई ताकरमूर्छामांनोसोई संनिपातसरदीप्रघटावे ताहियतनकरसग्रिहटावे कटुतुंवीकेवीजपछांनो अजुआइनखुरासांनकीमांनो पिपलामूलमघसुंठमगावे साडेदसदसमासेपावे अजुआइनतोलेपांचोहोई करचूरनमर्दनकरसोई तोलेत्रैदसमूलमंगावे कौडइंद्रजउोसंगरलावे भडिंगीककडासिंगीआंनो पुषकरमूलकचूरपछांनो धमाकिरायताआनोसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई दोतोलेनितक्काथवनावे सातदिवसपीवेसुखपावे सुंठपिप्पलामूलमंगाय चित्राचोकमघासंगपाय साडेत्रैत्रैमासेहोई पावेनीरक्काथकरसोई कोसाराखपांनकरवावे मूर्छारोगताहिछिनजावे अकरकरानौतोलेआंनो तोलाडूडमर्चसंगठानो पीसमखीरमिलावेकोई त्रैमासेकीगोलीहोई सांझप्रातदोईनितखावे मूर्छारोगताहिहटजावे हलदीतोलेछेइमंगाय सुंठमर्चाडिडतोलापाय चूरणपीससातदिनखावे मासेसातसुमूर्छाजावे पारातोलाडूडमंगाय सिक्कात्रैतोलेसंगपाय दोइगालकजलीकरसोई मासेतींनसुहागाहोई मधामर्चअरुसुंठमगावे दसदसमासेतींनोपीवे आमलाहर्डवहेडाहोई सततसतमसेमेलोसोई दूधीपछनागमंगवावे मासेचौदासंगरलावेधतूरेकारसआंनोसोई करेखर्लफुनिगोलीहोई गोलीमरसप्रमांनवंधावे प्रतिदिनसेवमूरछाजावे गोलीएकानिताप्रतिहोई तेलषटेआईत्यागेसोई कलौंजीलेचूरनकरखावे मासेसातमूरछाजावे चलेरुधिरफुनिमूर्छाहोई पाछेयतनलिखाकरसोई रेचनतेंजवमूर्छाजांनो पाछेयतनलिखाहितमांनो गरमीकरमूर्छाजिसहोई खफगांनीऔषधकारिएसोई तापवीचमूर्छाप्रघटावे विनायतनमूर्छाहटजावे अतिमैथुनकरमूर्छाहोईनिर्वलचीजनखावेकोई त्यागेमैथुनमूर्छाजावे नातरअधकदोषप्रघटावे करेपालफुनिऔषधहोई मूर्छासहजदूरकरसोई ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांमूर्छारोगकथनंनामषोडशोऽधिकार : ॥

॥ अथत्रिष्णारोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ भाषोंत्रिषानिदानकोंवैद्यककेअनुसार सुगमचिकित्सासोकरैजोयहसमुझविचार ॥ चौपई ॥ भेदत्रिषाकेप्रगटसुनाऊं जिन्हेंविकारनहोतलषाऊं वातकरपित्तकुपितजवहोय तालूशोषितकरैतव' सोय तातेंतृष्णाअधिकजनावत भेदताहिकोभिन्नकहावत जलवाहिननाडीजोजानो वात्तपित्तकफदूषि, तमानो तातेंत्रिषाजुहोतअपार निजमनमेजोदेषनिहार भयतेंअरुश्रमतेंभीहोय वलक्षयतेंभीउपजैसोय अरुजोवस्तुपित्तउपजावे तातेंभीत्रिष्णाप्रगटावै जेऊनिरंतरकरेजलपान त्रिषाहटैनहितृप्तनमान ताकों' त्रिष्णाअधकपछाने पुनवातादिभेदत्रयमाने वातपित्तकफयहजोतीन तिन्हतैंभीत्रिषहोतप्रवीन पुनसमुझो, यहचौथाभेद क्ष्यतेंभीहोवतत्रिषषेद पंचमक्षईरोगतेंजानो षष्टमभेदआमतेंमानो सप्तमअन्नभुक्तेंल. हिये सातप्रकारत्रिषायोंकहिये इन्हकेचिन्हकाहितहैजानो सोस्पष्टकरप्रगटवषानों

॥ अथवातत्रिषालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुखअसमर्थविवरणहोइजावे वदनविरसरसस्वादनआवे नाडीनिरोधहोततकाल- शिरअरुशंखमोपीडविहाल अतिशीतलजलपानकरैजो तातेंवहुवधजावतिहैसो

॥ अथत्रिष्णारोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहरा ॥ चिकित्सात्रिष्णारोगकीवंगसेनअनुसार याकोंप्रथमविचारकेपुनकीजेउपचार

॥ अथवातजत्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातहरनजेऊअन्नपान अरुमृदुलघुशीतलपहिचान यहसेवेयाकोलषमान होयत्रिदोषवा, तजकीहान उदरजुजलशोंपूरणभासे अरुजोनाहिनत्रिषाविनाशे तोताहीकोंवमनकरावे उदरभारसहत्रिषा, मिटावे अथस्वर्णादिजल ॥ चौपई ॥ स्वर्णअग्निसोंलेयतपाय अथवारजतहिंअग्निभषाय अथवामृत्, काअग्नितपावे जलमोंडारजलततलषावे तामोमधुशरकरामिलाय उष्णउष्णजलपीत्रिषजाय अन्यउपाय गुडदधिशिषरनकरजोषावे वातजत्रिषातासमिटजावे अन्यच गुडूचीरसमधुशरकरमेल पीवेवात; त्रिषाकोठेल

॥ अथपितात्रिषालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छाअन्नद्वेषअरुदाह रक्तनेत्रविललापकराह मुखकटुअरुमुखसूकारहे शीतलवस्तुविषे, रुचिगहे अंतरक्षोभरहतहेतास पित्तत्रिषायोंकीनप्रकाश

॥ अथपितात्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तहरनअन्नपानजुजेते चतुरपुरुषसेवेसुनतेते तातेंपितत्रिषामिटजावै वंगसेनयोंप्रगट' जनावै अथपाणा चौपई चंदनधनियांकासमरीउशीर यहसमघोटलेयनरधीर छाणशरकराताहिमिलावै पीवैपित्तात्रिषामिटजावै अन्यच द्राक्षमुलठलेसमपीसाय जलसोंघोलशरकरापाय यहपाणापीवेहैजोय नाशपित्तत्रिष्णाकोहोय अन्यच चंदनउशीरद्राक्षलुहारेजान यहसमपीमधुकोमिलान यहपाणाव्याधि- नरपीवे त्रिष्णापित्तनाशातिसथीवे अन्यच मधुरलायतंडुलजलपान त्रिषापितकीहोइहैहान अन्यउपाय जीवनीयगणकोंजुमंगवावे घृतमोंवापयमोंपकवावे ताकोषावेपुरुषसुजान होवतपित्तत्रिषाकीहान

॥ अथकफात्रिषालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जबेश्रायकफपितहिरले अथवावातसहितजामिले तवकफात्रिष्णाकोंउपजावे कफकोधर्म्मनत्रिषाकहावे जवकफवृद्धिकोप्राप्तहोय जठराग्निछादितकरहेसोय सोरसवहनाडीतप्तकरावे तातेंतृष्णाकफजकहावे ताकेलक्षणयेंतुमजानो मुखमीठागुरुनिद्रामानो

॥ अथकफजात्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौंपई ॥ कफहरणअन्नपानहैंजोय रोगीषावेपीवेसोय तातेंकफकीत्रिषानसावे अवरउपायसुनोंयोंभावे वमन निंवपत्रकोकरहेकाथ वमनकरावैंताकेसाथ वमनहोतकफत्रिषाविनाश निश्चयैंमनमोंश्रानेतास अथकाथ चौपई सौंचलश्राद्रकश्ररुलेजीरा यहसमकाथवनावेधीरा अर्धशेषकाथजवरहै पीवेकफत्रिष्णाकोदहे अन्यउपाय केवलजोकरैंमदरापान तातेंकफत्रिष्णाकीहान

॥ अथक्षतजात्रिष्णालक्षणं ॥

शस्त्रादिकसोंक्षतजोहोय ताकोघाउोकहितसभकोय लागेशस्त्ररुधिरनिकसावे तातेंत्रिषाताहिअधिकावे क्षतजतृषाचिकित्सा अर्धदुग्धअर्धजलपाय पीवेक्षतजत्रिषामिटजाय अथवामुलठकाथकोपीवें वारसमांसपानसुखथीवे

॥ अथक्षयजात्रिषालक्षणम् ॥

॥ चौपे ॥ रसकेक्षयतेंत्रिष्णाहोय इकसमादिवसरातमोसोय अरुसयकरजलपीवतरहे तौभीसुखअरुतृपतनगहै कोऊइकवैद्ययाकोंयोंमानै सन्निपातकीत्रिषावषानै हृदमोंशूलथूकवहुआवे अंगपीडसन्नपातकहावे

॥ अथक्षयजतृषाचिकित्सा ॥

॥ चौपे ॥ सिंचलगूंदजोमुखमेंधरे क्षयजतृषासोततक्षणहरे ॥ अन्यच ॥ वटकाअंकुरमुलठीआनेकमलमूललाजातिसठाने पीसमहीनगोलीमुखधरे तौभीक्षयजतृषापरिहरे.

॥ अथश्रामजात्रिष्णालक्षणम् ॥

॥ चौपे ॥ हृदयशूलथुकथुकीरहावे त्रिषाहोयअंगपीडनजावे

॥ अथश्रामात्रिपाचिकित्सा ॥

॥ चौपे ॥ वरचविल्वसमकाथवनावे पीवैश्रामत्रिषामिटजावे

॥ अथअन्नभुक्तजात्रिषालक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अतिसनिग्धअमलाजोपावे अवरसलूनेतेंप्रगटावे श्ररुअकालभोजनजोकरे त्रिष्णाहोतहीनस्वरधरे तडफतरहैदीनमुखहोय हृदतालूगलसूकतजोय यहजोत्रिषाबृद्धतापावे कष्टसाध्यसोत्रिषाकहावे

॥ अथगुरुअन्नभोजनत्रिषाचिकित्सा ॥

चौपै रेचनपाचनवमनप्रमान यहीचित्साताकीजान

॥ अथसनिग्धभोजनत्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वहुतसनिग्धअन्नजोषावैं जोतिसत्रिषाप्रगटहोआवैं सरवतगुडजलघोलपिलाय त्रिषाविकार-तवैंभगजाय

॥ अथअतिरूक्षभोजनदुर्वलतात्रिषाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धपानकरवावितास वाघृतपानअजारसमास त्रिष्णामूर्छाछर्दनिवारै यहनिश्चय-अपनेमनधारै मूर्छावहुतहोयजोजाकों शीतलजलअचवावैताकों त्रिष्णामोशीतलजलपान वहुहित-करताताकोंमान जोजलताकोंनाहिपिलावै मूर्छाहोइपुनमरणलषावे सर्वअवस्थामोंजलदेवै वहुशीतल-कहुउष्णलषेवे पाणिप्रानिनकोहैप्रान अरुपुनअन्नप्राणकरमान उपजीविरवासुअन्नअरुतोय अत्यंतत्यागे-नाहिनसोय ॥ दोहा ॥ चिकित्सात्रिष्णारोगकीवंगसेनअनुसार ताकेपथ्यापथ्यअवभाषोंसोमनधार इतित्रिष्णारोगचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथतालूशोषादिचिकित्सा ॥

अथकरूलीविधि ॥ चौपै ॥ सितादुग्धइक्षुरसद्राक्षमधीर मेलकरूलीकीजैधीर तालूशोषत्रिषामिटजाय यहअपनेमनलषसतभाय ॥ अन्यच ॥ धनीयांधात्रीफलरसदेवै वदनविरसतासोहरलेवै जोयहक्काथशीतल करपीवै मुखकोशोषहरैसुखथीवै ॥ अन्यच मधुजलमेलकरूलीकरै तालूशोषत्रिषापरहरै ॥ अथगूटका ॥

॥ चौपै ॥ वटअंकुरमधुकुठमिलाय उत्पललाजाचूरणपाय यहसमलेगुटकावंधवावे मुखसोराषै-त्रिषावुझावे.

॥ अथसामान्यात्रिष्णाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ लाजाचूरणजलहिरलाय मधूमिलायपीवैत्रिषजाय अथपाणा चौपै काश्मीरीवूटीसोरगडावे-तामोजलशरकरामिलावे पीवैरोगीहितसोंतास त्रिषारोगकोहोइहैनाश ॥ गजकेसरमघजीराआने दाडि मयहसमपाणाठाने मधुशरकरामिलायजुपीवै त्रिषारोगजावैमुखथीवै ॥ अन्यच ॥ क्षीरीवृक्षणअंकुरआन पीसमधांमधुकरोमिलान यहपाणापीवेनरजोय ताकीत्रिषाजायसुखहोय ॥ अन्यच ॥ दाडिमधात्री-फलसोलीजै धनीयांयहसमपाणाकीजै कांजीकेसंगताकोपीवै तृष्णारोगनासतवथीवै मधुमघपीसमि-लायसुपीजै त्रिष्णारोगतासतैछीजें दुग्धपान ॥ चौपै ॥ द्राक्षमुलठइक्षुरसप्राय उत्पलमधुजोतासरलाय पीवैदुग्धत्रिषारुजजाय ग्रंथकारमतदीयोवताय ॥ अथलेप ॥ चोकअवरदाड़िमरसलेय लेपनकंठशीस-सुकरेय त्रिषाविनाशेताकीमान अवरहुंलेपनकरोवषान ॥ अन्यच ॥ दाडिमवदरीलोध्रपिसाय कपि-त्थविजोराताहिमिलाय यहसमलेपशीसपरकरै त्रिषादाहपीडायहहरै ॥ अन्यच ॥ तुरीविजोराघृतजुमि-लाय समसैंधाशिरलेपधराय जिन्हाकंठतालुकोशोष मिटजावेंकीजैमनतोष.

॥ अथत्रिष्णाअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरअरुमोहश्वासअरुकास हिकाक्षईवमनहोइतास तनअरुमुखकोशोभाजावे ऐसी-त्रिषाअसाध्यकहावै इन्हांउपद्रवसंयुतजोय मरणप्रातिकरहैत्रिषसोय दोहा त्रिपुानिदानवषा न्योस-मुफोपुरुषमहान जैसेंग्रंथनिदानमोंलष्योसोऊप्रगटान इतित्रिष्णारोगनिदानसमाप्तम् शुभम् ॥

॥ अथत्रिष्णारोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

दोहा त्रिषारोगकेपथअपथवैद्यकेकअनुसार तेसभभाषोंचतुरनरमनमोंकरोविचार अथपथ्यं अडिल्ल-छंद रेचनबमनस्नानजुनिद्राजानहो मुखमौकलुकछुवस्तुसदाठहरातहो कोद्रवतंडुलशालीसाडीजानिये लाजासत्तुपथ्यसुमनमोआनिये जिसजिसअन्नकीमांडजुभलेंवताईये तामोमधुमिसरीषांडमिलायघु-लाईये भुंनमसुरमुंगचणेजुचूरणकीजिये मिसरीषांडमिलायरुजीकोंदीजिये कदलीफलजुकपित्थद्राक्ष-जुअनारही पितपापडाआमलेहिरडछुहारही धात्रीफलकूष्पांडजुगरनेजानिये षरवूजातरवूजसुपथ्यपछानिये जंभीरीरसअवरविजोरासुनलहो शीतलजलउन्नाववेरयंहपथगहो महूपुष्पगोदुग्धसुतीक्षणमधुररस माष्पोंदोनोलाचीजानोपथ्यतिस धनियांजाफलचंदनचांदकीचंद्रका गजकेसरपुंनजानोइन्हकोंपथसदा चंदनलिपटीयुवतीतासअलिंगना मुक्तादिकजोरतनतिन्होंकापहिरना चंदनआदिकशीतललेपलगावने शीतलमंदसुगंधपवनमनभावने इत्यादिकसभवस्तुसुपथ्यपछानिये इन्हतेंआगेंसुनोअपथ्यवषानिये अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ भाषोंत्रिष्णारोगकेसभहिअपथ्यविचार तिन्हसभइनकोविवरोसुनहोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ अंजननयनस्वेदपुनजानो मर्दनतैलव्यायामपछानो धूम्रपाननसवारलहैये आतपदंतकाष्टसुनगहिये भारीअन्नलवणषटेयाई सुंठीअरुआद्रकदुखदाई दुष्टतोयकोपानजुलह्यो अपथ्यप्रकारलषोयोंकह्यो दोहा त्रिषारोगकेपथअपथभाषेभलीप्रकार पथ्यवस्तुसभहितकरैकरैअपथ्यविकार इतित्रिषारोगेपथ्यापथ्यसमाप्तम्॥ दोहा ॥ त्रिषारोगवरननकियोप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यलषाय इतिश्रीत्रिष्णारोगसमाप्तम्

॥ अथत्रिषादोषकारणम् ॥

अथकारणउपायनिरूपणं जोजलपात्रकिसकोचौरावे ताहिरोगत्रिष्णाप्रगटावै ताकोसुनहोकहौंउपाय जैसेंकर्मविपाकजनाय अथउपाय ॥ चौपई ॥ ज्पेष्टमासजलपात्रमंगाय गंधपुष्पसोंपूज्यवनाय विप्रवराहिंसहदक्षिणदेय त्रिष्णादोषहिंशांतिकरेय ॥ दोहा ॥ त्रिषादोषवरननाकियोकारणसहितउपाय दाहअवरविस्फोटकोंभाषोंसुनचितलाय ॥ इतित्रिष्णदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥ अथतृष्णारोगज्पोतिष चंदपडेजोसिंहमोनिर्बलक्रूरदिखाय तातेंतृष्णारोगहोनिर्बलताप्रघटाय पूजेविधिवतचंद्रमा दानकेरहितसंग ताकरतृष्णारोगहरदूर्वलतासभभंग इतिज्पोतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारतृष्णाधिकारकथनं ॥

॥ चौपई ॥ आमासयगरमषिुशकाहोई त्रिषाअधकतवलागेसोई अतसनामफारसकाजानो करेयतनदुखदूरपछानो इलाचीमघगजकेशरल्यावे वोडवृक्षकीदाडीपावे नीलोत्पलसमभागमिलाय पीसवरावरमिसरीपाय अथवामधूमिलावेकोई मासेसातप्रातहितहोई सीतलजलसोंसेवनककरिए त्रिषादोषताहींछिनहरिए जेकरसोजकलेजेहोय लालीमुखवापांडुसोय त्रिषादोषअतिहीप्रघटावे ताहियतनकरशीघ्रइटावे चंदनधनिआंताहिमंगावे जीरास्वेतछडरूमीपावे साडेत्रैत्रैमासेलीजें चारसेरजलतामेंदीजें आधसेरकाथरहजावे ढाईतोलेमिसरीपावे पीवित्रेषादोषहरहोई सोजकलेजेनाशेसोई सोसनकीजडताहीमंगावे रेतलस्वेततताहुसंयपावे गेंहूंकत्थमुनकालीजें छिलकानिंवजढाजिफतीदीजें साडेत्रैत्रैमासे पावे चारसेरजलक्काथबनावे आधसेरजवहींरहजाय पुनकरपीवेदोषहटाय कुठदाखसोसनजढल्यावे

कसौंडीजडलाचीसंगपावे लोध्रमिलायभागसमहोई पसिछानचूरणकरसोई साडेत्रैमासेनितखावे सीतलजलसौंदोषहटावे सोजलेपजेऔषधजोई पीछेलिखाकीजीएसोई आमासयसोजतृषाप्रघटावे वासलीककारुधिरछुडावे जउोअनकाआटालीजें ऊपरपेटलेपकरदीजें गरमीहृदेंफिफरेसोई ताहियतन, ऐसाहितहोई सीतलजागाताहिविठावे वस्त्रसेडपेटपरपावे भुजंपत्रवासेडेकोई राखपेटपरअतिसु. खहोई वारंवारनीरछिडकावे तरकराखदोषहटावे चंदनधनिआंलाचीआने छिलकानिंवगजकेसरठाने मुत्थरमेलभांगसमलीजे साडेत्रैमासेकीजें चारसेजलकाथवनावे आधसेरजवर्हिरहजावे कोसापांनकरेनर सोई त्रिषादोषसभनासेहोई आमश्यगर्मीअधकदिखावे खुश्ककर्कंठमुखकौडाभावे मिसरीगजकेसरले सोई जीरास्वेतमघासंगहोई रूमंछिडअरुलैंगमंगावे लेसमपीसनीरसंगपावे गोलीकरमुखराखेकोई गरमीतृषादूरदुषहोई आमाशयजवपुशकीजानों तृषाअधकलक्षणपहचांनो रहेकंठमुषकौडासोई छातीजलनदाहदुखहोई हिंदुआनाजलताहिपिलावे रसअनारकाताहिसुखावे ईसवगोललेसजोहोई पीवेसकलदोषहरसोई त्रिशादोषऐसाइकहोई कृमिउदरआंदरमेसोई अस्थीऊपरगुदापछांनो पृष्टभागके नीचेजांनो इस्वरसत्तावलवतहोई कृमीतहांउत्पत्तिसोई ॥ दोहा ॥ आंद्रोंकारसलेसलाकृमीभक्षहैसोय गुदाखैंचसंकोचकरगाडीविटतवहोय ॥ चौपै ॥ कृमिसुभावपुशकपहचांनो सोवुखारफुनिआंदरमांनो ताकरदेहगर्महोजावे रुधिरगर्महोखुर्कदिखावे तृषादोषताहाकरहोई आगेऔषधसुनिएसोई खवभिजसें-रुधिरलुडावे उदरसुद्धकररेचकभांवे पुशकीहरभोजनमनआंनो ऊटदुग्धघृतसंगपछांनो आमासयअ. तिगरमीहोई तृषादोषप्रघटावतसोई प्रथमवमनफुनिरेचकभावे आमासयमुखसुद्धकरावे भेडदुग्धगो दुग्धमंगावे ताजासेवनकरसुखपावे जेकरगरमीजिगरीहोई तृषादोषप्रघटावेसोई अथवातापदिकप्रघटावे ताहियतनऐसामनभावे नीरकाथजवआधाहोई सीतलकरनितपीवेसोई अथवालोहागर्मरावे वारवारजलवीचवुझावे जाविधनीरपांनकरसोई तृषादोषकमिनासेहोई निंवूरसमखीरसंगपावे लूण-मेलशिरलेपकरावे मध्यसीसलेपेनरकोई तृषादूरकमिनासेहोई वटकेगुत्थकत्थमगंवावे नीलोफरधनिआ, संगपावे निंवूवजिआनिएसोई तवाशीरताहीसंगहोई पीसवरावरगोलीकरिए गोलीएकप्रातमुखधरिए धरिजकररसचूपेकोई तृषादूरताहीसुखहोई कृमीकोपसिगराहटजावे तृषादोषसभदूरहटावे इतिश्री चिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभायांतृष्णाअधिकारकथणंनामसप्तादसोऽधिकारः ॥ १७ ॥

॥ अथदाहरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोदा ॥ दाहरोगवरननकियोजैसेग्रंथनिदान तैसेंसभलक्षणसहितभाषाकरोंबषान ॥ चौपई ॥ मद्यादिपानकरकुत्तजुपित्त रक्तजमूर्छितउपजतमित्त तातेंऊष्माउपजतजोय तनकीतुचाहिंपरापतसोय सोऊदाहघोरउपजावै पित्तवातचिकित्साताकीगावै सोऊदाहसातपरकार ताकोभेदकरोंउच्चार

॥ अथदाहसातप्रकारवरनम् ॥

॥ चौपई ॥ एकजुजन्मरकतेंकहीये दूसरपित्तजन्मतेंलहिये त्रिषानिरोधजन्मसोतीजो चधुर्थपूर्णकोष्टजलषलीजो पंचमधातक्षयजन्माजान षष्टममद्यादिकपाहिचान मर्मअभिघातजसप्तमकहिये सातप्रकारदाहयोंलहिये

॥ अथरक्तजन्मालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तवृद्धहोजावैजवै सर्वदेहव्यापैसोतवै लोहगंधइवतनमुखवास अग्निन्यायतनतपहैतास ताहिदाहऐसोतनकाहिये निकटस्थिताजिमअग्नीलाहिये ताम्रवरणतनलोचनदोय होइजावैंशंसयनाहिनुकोय ॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सादाहकीवंगसेनअनुसार सोऊसुनकरसमुजीयेलीजैचित्तमोंधार

॥ अथदाहरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ जिहरुधवृद्धसभतनमोंहोय वेगत्वचामोंकरहैसोय ताम्रवर्णदेहचक्षुदोय होवेंतवउपायलषसोय तासरोहिणीनाडीवेध रक्तछुडावेमिटहैषेद पित्तज्वरकीचिकित्साकही इनरोगहिप्रशस्तलषसही दाहरक्ततातेंमिटजावै वैद्यकमतयोंप्रगटसुनावै

॥ अथपित्तजन्मालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ लोहगंधइवतनमुखवास अग्निन्यायतनतपहैतास ज्योंपित्तज्वरतनत्योंमान पित्तजन्मासोदाहवषान

॥ अथपित्तजदाहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चंदनघनिआंकमलफलआन धातृफलसौंफउशीरमिलान पर्पटपायजुक्काथवनवै पीवतपित्तदाहमिटजावै

॥अथत्रिष्णानिरोधदाहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पुरुषत्रिषाकोरोकैजवही जीर्णधातुतेवधहैतवही सोऊतेजअसप्राक्रमधरै अंतरवाह्यदग्धतनकरै कंठतालुऊेष्टसुकजावैं जिम्हाषैंचीयतलषपावै कंपदेहउपजैहैतास ऐसेंत्रिषानिरोधप्रकाश

॥ अथत्रिष्णानिरोधचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेऊपुरुषतीक्षणअतिहोय त्रिष्णादाहवहुतहोइजोय अंतरवाहरदाहप्रकासे तालूउष्टसुकेयोंभासें जिम्हाषैंचीयतसोरहै मिश्रीशरवततिहाहितअहै वाकाचेपयमिसरीपाय दुग्धपिलावेदाहमिटाय

॥ अथरुधिरपूर्णकोष्ठजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अबगाढशस्त्रजवनरहिंलागत तातेरुधिरअंतरपडजावत कोष्टरुधकरपूरणजवै दाहअ-साध्यहोतहैतवै कोष्टस्थानहृदयकोकहिये पक्वासयवाअम्लीलहिये मूत्राशयवारुधिरस्थान उदकफुफु-सकोष्टसोमान

॥ अथरुधिरमोक्षउपाय ॥

॥ चौपई ॥ रुधपूर्णकोष्टहोइजाको दुस्तरहैउपायसुनताको रुधछुडानाचिकित्साताकी वैद्यलषैजो-असगतजाकी व्रणरोगकीजुचिकित्साकही कोष्टपूर्णमेंजानोसही

॥ अथधातुक्षयजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ धातुक्षयतेंदाहजुहोऊ मूर्छात्रिषायुक्तहैसोऊ हीनरूयाअरुस्वरहैहीन ऐसेंदाहलहो-परवीन

॥ अथअन्यउपायचिंकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिहक्षयधातूतेंहोइदाह धूर्छात्रिषाहीनस्वरजाह रुयासमस्तरहितहोइजावै अत्सय-करवहुपीडलखावै विधिसोंताकोंदुग्धपिवावै वारसमांसवनायपिलावै दाहधातुक्षयकोनरहावै वंगस सेनमतएहिवतावै

॥ अथमद्यादिपानदाहलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हृदयस्थानकीवायूजोय पित्तरुधिरकरामिलहैसोय सोजवत्वचामाहिमिलजावे देहभयं करदाहदिखावे

॥ अथमद्यादिपानदाहरोगाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शीतलजलइस्नानकरावै शीतलजलहिगुलावपिलावै होवेदाहरोगकीहान निश्चयअ-पनेमनमेंआन काचेपयचंदनघसपाय पीवेदाहरोगमिटजाय ॥ अन्यलेप ॥ चौपई ॥ प्रयंगूचंदन-मुथकपूर लोध्रलेहुसमकीजेचूर जलमिलायकरलेपनकरै दाहरोगकीपीडाहरै

॥ अथमर्माभिघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मर्ममाहिजोताडिनलहिये तातेंदाहअसाध्यभनैये अवरहुंकोतनशीतलभासे रोगीको-तनतप्तप्रकाशै ऐसोदाहजाध्याहितनहोय कहैअसाध्यदाहलषसोय

॥ अथअसाध्याचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मर्मघातकरजिहहोइदाह शीतलदेहलषेपुनताह असव्याधीसुअसाध्यकहावत ता-सउपाउनसमझ्योजावत ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्सादाहकीवंगसेनअनुसार आगेंयाकेपथअपथ सुनलीजैमनधार ॥ दोहा ॥ दाहनिदानसोइंकह्योभाष्योग्रंथनिदान समुझचिकित्साजोकरेसोहैवैद्यसुजान इति.दाहनिदानसमाप्तं ॥

॥ अथदाहरोगेसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ अथदाहरोगरसजामाह ॥ रसऔषधीउत्पन्नजुदाह ताकीऔषधदियोवताह द्राक्षआमलेअरुन-रगेल इनकारसजुइकत्तरमेल पायसर्करारोगीपीजै दाहरोगसोततक्षणछीजै ॥ अथविषजदाहऔषधि ॥ चुलेरीमूलधानेआंअरुजीरा इनसंगदुग्धसिद्धकरवीरा ताहिदुग्धकोपानकरेजव विषजदाहकोदूरकरेतव अन्यच तुलसीस्वरसटंकपरीमान विषजदाहमैहितकरजान घृतशतधौतजुव्याधीषावै वातनमलैदाहमिट-जावै वासेऊघृतयवसतूसंग षावेहोयदाहकोभंग अथवावदरीफलकोचूरण धात्रीफलचूरणसमपूरण यवस-तूघृतसंगमिलावै षावैदाहरोगमिटजावै वासत्तूदाडिमअमलमिलाय षावैदाहरोगमिटजाय वांकाजीसों-वस्त्रभिगावै ऊपरलेयदाहमिटजावै लेपनषसचंदनकोकरै दाहपीडतातेंपरिहरै वाचंदनकालेपलगावै दाहव्यथाकोंदूरकरावै वापंखाचंदनजलकेसंग झुलावेहोयदाहकोभंग कदलीपत्रकमलदलआन तिन्हपरशयनकरेरुजवान तातेंदाहविथामिटजावै वंगसेनऐसेंप्रगटावै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ जाको-तनमोहोइवहुदाह असउपायकीजैसुनताह अगरजुकालाअवरउशीर पद्मकाष्टचंदनसोधीर यहसमपी-सघसजलमोंपावै ताजलसोंइकद्रोणिभरावै तिसद्रोणीमोंव्याधीवैठे दाहविथातनकोसभमैटे ॥ अथघृत ॥ ॥ चौपई ॥ गुठलीविनाआमलेआन कुडवएकतिहकोपरिमान घृतमिसरीपययहजोतीन प्रस्थप्रस्थ-लेवेपरवीन सितजीरामघमरचांमासा चारचारपलजानोतासा चतुरजातकपुनपलपलचार सभहीकठी-करोसुधार अग्निपकायपात्रमोंधरै वलअनुसारषायदु:खटरै ॥ अथरस ॥ विजोरेरसमोमधुजुमिलावै पी. वैदाहरोगमिटजावै वारसइक्षूपानजोकरे दाहरोगताकोसभटरै ॥ अन्यघृत ॥ चौपई ॥ कुशाअव-रकासासमआन गणजीवनशालीपरणिठान इन्हसंगघृतवातैलपकावै षावैदाहरोगमिटजावै

॥ अथदाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ दाहरोगकेपथअपथवरनोंसमुझवनाय जैसेंभाष्योंग्रंथमोंतैसेंकहोसुनाय ॥ अथपथ्यम् ॥ चौपै शालीसठीचावलजान मुंगमसरयवकोटामान लाजामांडमांसरसकहिये सत्तूमिसरीदुग्धभनैये घृतशतधौ-तनवनीतकहीजै कूष्मांडतरवूजलहीजै षरवूजाजुपनसफलआष्यो पटोलअनारपापडभाष्यो द्राक्षफालसे धनीयामानो क्षीरिवीजकासनीजानो सौंफआमलेहलदीकही रसकंदूरीघीयासही वालतालफलअवरछुहारे क्षिरनीकेफलअवरासिंगारे वहूपुष्पहोवेंरप्रमान चंदनलेपनशीतलपान शीतलजलसोकेरेसनान जलसिंचि-तगृहकारिअस्थान कमलपत्रकदलीदलआसन शीतलछायावागनिवासन गुलावउशीरचंदनजलपान कथा-विचित्रागसुनकान शीतलसदनफुहारेसंग सुंदरयुवतीलावैअंग चंद्रकिरनजुविदारीकंद शीतलरेत-उपरसानंद शीतलवस्तुसनमुखधरवावैं दाहरोगकेयहपथगावै ॥ दोहा ॥ दाहरोगकेपथकहेकरोंअपथ्य-उचार वैद्यकग्रंथनिहारकैभाषारचीसुधार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ विरुद्धअन्नअरुपानकहीजै क्रोधवे-गरोकनसुनलीजै मारगगमनचरणसंगजानों गजाश्वरूढभीनिंदपछानो क्षारउष्नवस्तूकोभक्षण अरुव्या-यामसुनपुरुषविचक्षण माष्योंतक्रतंवोलकहावे आतपमोंवैठणलषपावै मैथुनाहिंगुकटुतिक्तजुलहिये आद्र-कसुंठमरचपुनकहिये ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुदाहकेजितेग्रंथलषपाय समुझविचारसमस्तसोसभहनदी-येसुनाय इतिदाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ शुभम् ॥ देहा ॥ दाहरोगवरननकियोप्रथमनिदानवषान मध्याचेकित्साभाषकेपथ्यापथ्यप्रमान ॥ इतिश्रीदाहरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथदाहरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई ॥ ओनिंघाशिवशंकरकीकैरै ताहिरोगदाहअतिवरै अत्यंतरोगप्रगटैतिहपाप स्त्रीनवलक-रेहैसंताप ॥ उपाय ॥ शिवमूरतइकपलपरिमान रूपेकीकरलेहुसुजान स्वर्णअर्धपलसोपुनलीजे गौरीमूरतता-कीकीजे पीतांबरपूजामनलावे रत्नभूषनतांकोपहिरावे तंडुलद्रोणतोलमंगवाय उभयमूरततापरबैठाय विधिविधानपूजातिसकरे शिवपार्वतीध्यानचितधरे तांकोदेइविप्रकोदान रोगदाहनिश्चैहोइहान ॥ दोहा ॥ दाहरोगवर्णनकियोकारणसहितउपाय मदात्तयदोषवर्णनकरौंसुनलीजैचितलाय ॥ इतिकर्मविपाक ॥

॥ अथदाहरोगज्योतिष ॥

लग्नविषेमंगलपडेसूर्यपडेअठमाहि तवनरभोगतदाहज्वरनिश्चैमानोताहि प्रथमकरेगोदानसोपुनमंगलज-पहोम दाहरोगहरपीडज्वरनिर्मलदेहजुसोम ॥ इतिज्येतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाश भाषायांदाहरोगाधिकारकथनं नामअष्टादशोधिकारः ॥ १८ ॥

॥ अथमदात्ययरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मद्यपानकेदोषगुणजेतेकहेनिदान तेतेसभवरननकरोंमुनहोपुरुषमुजान ॥ चौपई ॥ मूर्छादिकजेगुणविषकहिये तेगुणमद्यपानमोंलहिये जोविनाविधिकरहैमदपान सोविषसमफलताकोजान विधिसोंपानकरैनरजोय ताकोंमदराअमृतहोय ॥

॥ अथमद्यपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंचंदनहृदयलगावे मालापुष्पसुगंधीपावे सलवणमुसालाभून्योमास सुंदरतीयवैठेनिजपास इहविधिसोमदराकरपान तौमनचैतनहोयपछान प्रथमहिंनिरविकारतनजानै तापाछैमदपानसुठानै प्रातसमयदोपलकरपान मध्यदिवसपलचारपछान सायंकालअष्टपलपीवै सोमदताहिरसायणथीवै सुंदरतीयसुवामविराजै दक्षणभागमदभाजनछाजै मरचलवणकरसंस्कृतजोय छागलमांससभून्योहोय पानसहितसोभक्षणकरै वीणानादरागढिगवरै यहमदपानकरनविधिजानो आगेयुक्तअयुक्तवषानो

॥ इतिमद्यपानविधि ॥

॥ चौपई ॥ मदराअन्नजुएकस्वभाय सोप्रकारअवकहोंमुनाय अन्नजुप्राणिनकोहैप्रान युक्तसहितपावैसुखदान जोअयुक्तसोंभक्षणकरै नाशकरैतनयोंलषपरै विषप्राणिनकोहरताकहिये युक्तिसहितसोअंवृतलहिये विधिसोंअरुमात्रासोंजान उचितकालयथावलमान मांससनिग्धभोजनसंगपीवे सोमदयुक्तजुअमृतथीवे करैयुष्टवलआयुवधावे सुंदरआकृतरूपवनावे मनसंतुष्टकरैउत्साह कामवधावैअसगुणताहि यहगुणकहैंयुक्तमदपान चारप्रकारमद्यपुनजान

॥ अथमदराचारप्रकारवरणनं ॥

॥ चौपई ॥ पूरवप्रथमपुनदूसरजानो तीसरअवरचतुर्थकमानो ॥ अथपूर्वमदरागुण ॥ पूर्वकेगुणसुनयोंगावत रतिनिद्रासुखप्रीतवधावत पाठगीतमोंस्वरआधिकावत स्मृतवुद्धीहर्षउपजावत

॥ इतिपूर्वमदरागुण ॥

॥ अथदूसर ॥ चौपई ॥ दूसरमदकीविधीजोकहियै अल्पमुवुद्धीस्मृतपुनलहियै अरुस्वरयाणीअल्पकरावै आलसनिद्रावहुतवधावै अकृतचेष्टाताकीजोय उन्मत्तोंकीन्यांईहोय ॥ अथतीसरा ॥ चौपई ॥ तीसरमदरानामकहावे अगन्यातियामोंगमनकरावै गुरूपरमेश्वरकोंनहिमानै भक्षअभक्षनांहिपहिचानै नष्टवुद्धिहोइजावैतास गुप्तहृदयकीकरैप्रकाश

॥ अथचतुर्थम् ॥

॥ चौपई ॥ जेऊचतुर्थकमदराकहिये परममूढताताmोलहियें काष्टन्पायअक्रयसोहोय कायांकायंविचारनकोय मृत्युतुल्यसोदृष्टीआवे उन्मादरोगइवदारुणभावे ॥ इतिचतुर्थ ॥

॥ अथत्रिगुणमद्यकथनं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथममदरासातकीकहीजै दूसरिराजसनामभनीजै तीसरितामसताहिपछानो लक्षणसर्वचतुर्थीमानो इसमदराकोंजोनितसेवै सोऊविकारोंकोंउपजेवे क्रोधीपीवैक्रोधमंझार सोउपजावे-

बहुतविकार भीतात्रिषतभूषोजोपीवे शोकतप्तमारगश्रमथीवे विष्टामूत्रवेगजुरुकावे व्यायामकरैपाछें-मदषावे अमलीरूषीवस्तूसाथ अजीरणमांहिपीवैंसुनगाथ पानकरैनिखलजनजोय मदरातप्तपीवेजो-कोय एतेजोकरेंमदरापान पानात्यादीविकारप्रगटान पानात्यादिकचारप्रकार तिहकोविवरोकरोंउचार

॥ अथपानात्यादिचारप्रकारनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ पानात्तयएककोंजानो परमददूसरनामपछानो पानाजीरणतीसरकहिये पानाविभ्र-मचतुर्थभनैये इन्हकेलक्षणश्रैसेजान भाषेजैसेंग्रंथनिदान पानात्तयपुनचारप्रकार वातजपैतजकफज-विचार अवरत्रिदोषचतुर्थकजानो तिहकोविवरोप्रगटवषानो

॥ अथमदात्तयरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहोंचिकित्सामद्यपानरुजमनमोसमुझविचार जैसेंभाषीग्रंथमोंतैसेंकरोंउचार ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

चोपे हिक्काश्वासशिरकंपकहीजे पार्श्वशूलपरलापलहीजें निद्रानाशतासकोजोय वातजपानात्तययोंहोय॥

॥ अथवातजपानात्तयचिकित्सा ॥

॥ चूरण ॥ चौपई ॥ सौंचलत्रिकुटाजलपीसमंगावै व्याधीकोंमदसाहितापिलावे वातजपा-नात्तयहोइनाश निश्चयमानोमनमोतास ॥ अथवा ॥ शर्वसंपत्तउदितजोस्त्रीय षोडशवर्षश्रतिजोव-नजोय तासंगभोगकरेहितलाय वातमदातयहृदयसोंजाय ॥ अथपाणा ॥ विजोरादाडिमपाणापी-वे मदात्तयरोगनाशतवथीवे ॥ अथमांसरस ॥ चौपई ॥ वनमृगपक्षनकोरसमास सल-वणअमलवृतपीवैतास वातजपानात्तयहोइनाश वैद्यग्रंथमतकीनप्रकाश ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ सौंचलत्रिकुटाककडशृंगी वछजवायणकांजीसंगी यहसमचूरणमदसंगपीवे वातजपानात्तयहतथीवे ॥

॥ अथपैतिजलक्षणम् ॥

॥ चौपे ॥ दाहस्वेदज्वरमोहपछानो अतीसारहरिततनमानो ॥

॥ अथपैतिजचिकित्सा ॥

॥ क्वाथ ॥ चोपे ॥ मधुरवर्गसेसिद्धिकरक्वाथ मद्यपिलावेताकेसाथ मधुशरकरागुलावमिलावे पवितवपैतजरुजजावे पाछेंइक्षुरसकीजेपान पैतजपानात्तयकीहान पित्तमदात्तयजाकोहोय हिमाक्रि-यासर्वकरेनरसोय ॥ अथवा ॥ खरगोशहरणमांशरुचखाय पित्तमदात्तयतौभीजाय ॥

॥ अथमुंगयूष ॥

॥ चोपे ॥ मुंगश्रामलेदाडिमठांन यहसमक्वाथपियेहितजानें पैतिजपानात्तयरुजनाशै होइअरो-ग्यदेहसुखभासै ॥ अथरस ॥ रसफालसेद्राक्षरसपाय खयूरसवाआमलेपिलाय पानात्तयपैतिजहोइ-नाश निश्चयश्रानोमनमोतास ॥ अन्यउपाय ॥ चोपे ॥ अर्धमद्यअर्धजलकीजै, मिसरीमधुमिला-यकरपीजे पैतजपानात्तयसोहरे तनश्ररोग्यहर्षमनधरै ॥

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ हल्लासरोधनिद्रागुरुताइ डाकीअरुचशीतजडताइ ॥

॥ अथवातजपानात्ययाचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ वमनकरावनवस्तूंजेऊ मधमिलायपिलावैतेऊ इहप्रकारातिहछर्दकरावे लंघनकरवावेदुखजावैं अरुत्रिकुटादिकतीक्षणसंग मदरापीवैंहोइरुजभंग ॥ चूर्ण ॥ समलेपीसचूरणात्रिकुटाय सोपीजैसंगरसत्रिफलाय कफपानात्ययरोगनिवारैं यहनिश्चयअपनेमनधारैं ॥ क्वाथः ॥ कुलत्थक्वाथमधुपायपीलावैं कफपानात्ययरोगमिटावैं ॥

॥ अथअष्टांगलवण ॥

॥ चौपै ॥ सौंचलएलामरचंजीरा तिंतडिअमलवेतलहुधीरा अवरदालचीनीसमलेय इन्हतेंअर्धशकरादेय बलअनुसारचूर्णयहषावै कफजरोगपानात्ययजावै दालचीनीमरचअरुएला ॥ तिनकोअर्धभागकरमेला सौंचलादिजोवस्तूकही तिन्हतेंअर्धशर्करासही

॥ अथत्रिदोषजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जामोयहसभलक्षणपैये सोइत्रिदोषजरोगभनैये

॥ अथत्रिदोषजपानात्ययचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ असरोगीकोंलंघनचहिये पुनक्रमसोंतिहदुग्धपिलैये लंघनकरकफक्षीणलषावे कफक्षीणहोएदुर्बलतापावे दुग्धहुतेंपुनबलकोंलहै अल्पअल्पमदराभोगहै इसक्रमकरत्रिदोषमिटजावे पुनउपायअवरहुलषपावे ॥ अथचूर्णम् ॥ चौपई ॥ द्राक्षतिंतडीअवरछुहारा दाडिमफालसेआमलेडारा यहसमचूरणमदकेसंग पीवेहोयात्रिदोषजभंग

॥ अथपरमदविकारलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अंगभारीत्रिष्णाकफवृद्ध तंद्रावदनाविरसमुनिषिद्ध ॥ शिरसंधीमोपीडाहोय अन्नअरुचिताजानोसोय विष्ठामूत्रातिसवारंवार परमदलक्षणएहिविचार

॥ अथपरमदचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ यामोजवैशूलप्रगटावे षायशरकरारोगामिटावै मद्यपानकरततक्षिणजोय घृतशरकराजुचाटैसोय ताकोंमद्यनमस्तीकरै यहनिश्चयअपनेमनधरै

॥ अथपानाजीर्णलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दाहअफाराअवराडिकार पानाजीर्णलक्षणधार

॥ अथपानाजीर्णचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामधुरात्रीकोंषावे प्रातहिंगुडअद्रकअचवावे अैसोयोगसातदिनकरै पथ्यपरहेमदमूर्छाहरै उन्मादअवरकामलानिवारै यहनिश्चैअपनेमनधारै सप्तअष्टपर्यंतदिनान पानात्ययकरैवेगमहान तानंतरजीरणहोइजावै तवसोऊजुविमार्गीथावै कूष्मांडरसगुडसामिलाय सोपीजैपानात्ययजाय ॥ इतिपानाजीर्णंचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथपानविभ्रमलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वमनकफतंद्रापरमेह हृदययुक्अंगपीडातेह कंठधुषेमूर्छाज्वरहोय शिरपीडायहलक्षणजोय मद्यपानअरुअन्नकहीजे इन्हमोजाकीरुचनलहीजे उग्रपानविभ्रमतिसजान आगेचिन्हअसाध्यपछान

॥ अथपानविभ्रमकायत्तन ॥

॥ चौपै ॥ दाखशर्वतवाकेथकीहोय अथवाअनारशर्वतफुनजोय सहितमिलायपीवैहितचाय पान-विभ्रमकोरोगनशाय

॥ अथमद्यपानदुर्गंधउपाय ॥

॥ अथगुटका ॥ चौपै ॥ एकभागकायफललेय तातेंदुगुनमुत्थरलषतेय तासदुगुणसुंठीतिसपावै-तातेंदुगुणसाषलषपावै सोसववस्तुइकठीरलावै जलमिलायगुटकावंधवावै सोगुटकानितभक्षणकरै चापेवामुखभीतरधरै तौमदगंधापियेंनहिआवै वैद्यकमतयोंप्रगटसुनावै एलावालुककुठमिलाय मुत्थरष-नियांमुलठरलाय ताकोकवलकरैनरजोय मुखदुर्गंधमदहरहैसोय

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ ऊपरकाओष्ठहीनहोइजावै दाहअवरवहुशीतजनावै तैलसमानप्रभातिसलहियै जिह्वा-दांतओष्ठश्यामलषैये अथवानीलवर्णहोइजावै पीतवर्णदोइनयनलषावै हिक्काज्वरडाकीभ्रमहोय पार्श्वशूलरक्तकतनजोय षांसीअधिकलखावैजोय वैद्यत्यागजावैलषसोय ॥ दोहा ॥ मदात्तयरोगनिदा-नकोंवरन्योसमुझविचार गुणअवगुणमदकेकहेजानोवुद्धिउदार इतिमदपानात्तयरोगविकारनिदानसमाप्त

॥ अथसामान्यमदात्तयचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सौंचलसुंठजवायणजीरा चवकाहिंगुसमपीसोवीरा यहचूरणपीवैमदसंग होयरोगपानात्तयभंग ॥ अन्यच ॥ धतूरारसगोदुग्धमिलावै पायशरकरापीदुखजावै ॥ मद्य ॥ सुपारी फलतेंउत्पतजास ऐसोमद्यपीवैजोत्तास तिसकरमूर्छाछर्दाविनाशे अतीसारपानात्तयनाशे अतसयकरशी-तलजलपान यातेंभीइसरुजकीहान वनगोहेकीभस्मजुकीजै लेनसवाररोगयहछीजै वानितसेंधाभक्षण-करैं यातेंइसरोगहिंपरहरै ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ हरडक्वाथसंगघीउपकावे वाआमलेरससोंपकवावै-सोघृतानितप्रतिषावैजोय मद्यहुतैंमूर्छानहिहोय ॥ अन्यच ॥ जोंजनकरहैवहुमदपान तातेंवलकीहोव-तहान घृतशतावरीजोवहपीवै पुनताकेतनमोंवलथीवै शतावरिरसअरकक्रमुलठ तिससंयुतघृतकरेइकठ सोघृतअग्निपकायषवावै मदात्तयक्षीणतवदूरनसावै अथवाइटसिटकाथहिंसंग चूर्णमुलठयुक्तकरवंग ता-समघृतपकायकरपीवै ताकेतनमोंपुनवलथीवै जोमद्यपकोंवहुत्रिषहोय त्रिषाचिकित्साकरहैसोय जो-वहुमदतेंहोवतक्षीणा ताहिस्नानवुटणाहितचीन दुग्धअवरघृतपानकरावै याहूतेंतनक्षीणमिटावै ॥ दोहा ॥ चिकित्सामदात्तयरोगकीसोसभकरीवषांन अगेंयाकेपथअपथभाषोंसुनोमुजान ॥ इतिमदात्तयरोगाचि-कित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथमदात्ययरोगपथ्यापथ्यनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ मदात्ययरोगविचारकरपथ्यापथ्यप्रकार चतुरवैद्यसुनलीजियेतिहकोंकरोउचार ॥ अथपथ्यं ॥ चौपै ॥ शोधनलंघननिद्राजानो तंडुलवर्षपुरातनमानो सठीशालीचावललहिये मुंगमाषयवकसकसुकहिये हरणमोरतित्तरकोमास लवाससापुनजानोतास स्वादिष्टअन्नजोहृदयसुखावे मिसरीदुग्धपटोलकहावे धात्रीफलफालसेपछान नारकेलजुविजोरामान कर्पूरछुहारेद्राक्षभनीजै शीतलजलअरुपवनकहीजै घीउपुरातनपथ्यकहावे सदनफुहारनसहितसुहावे चंदनलेपचंद्रकीकिरना प्रीतमप्यारेकोपथमिलना स्वेतमहीनवस्त्रपरिधान युवतीकोआलिंगनमान गीतवजंतरऊचेजोय रोगमदात्ययकेपथसोय ॥ दोहा ॥ रोगमदात्ययकेकहेसभहीपथ्यसुनाय पुनअपथ्यवरननकरोंसुनलीजैचितलाय ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ तांबोलस्वेददातनअवरअंजनधूमरपान एतेहीइसरोगकेकहेअपथ्यसुजान इतिमदात्ययरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ अथमदात्ययरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपै ॥ मोहद्वेषलोभकरज्योय ब्राह्मणकोहिपीसोहोय तिसकररोगमदात्ययजान तासउपायसुनोपरिमान ॥ उपाय ॥ रूपेकोइकछागवनावे नेत्रस्ववर्णकेताहिलगावे पुनअसेहीखुरवनवावे प्रवालरत्नसोगलपहिरावे मोतनहूंकीपुच्छवनाय स्वेतवस्त्रऊपरछविछाय द्रोणतंडुलऊपरहिधरै विधिसोपूजाताकीकरै अग्निदेवकोवाहनजोय विप्रहिच्छागदेयपुनसोय रोगमदात्ययहोवेनाश अन्नपचैतनहोइप्रकाश दोहा-दोषमदात्ययकहिदियोकारणसहितउपाय अपस्माररोगवर्णनकरोंसोसुनियोचितलाय

॥ अथज्योतिषउपाय ॥

॥ दोहा ॥ जन्मलग्नसेषष्टघरदेवगुरूपडजाय दशाभीहोवैताहिकीअरूबलहीनरहाय ताहितेमदात्ययकरेप्राणीक्षीनसंताप पूजाउचिततबदेवगुरुमंत्रयथाविधिजाप तिलघृतपिप्पलकाष्टलेहवनकरेमनभाय रोगमदात्ययदूरहैनिश्चेसुखप्रघटाय इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथअपस्माररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अपस्माररोगहिकहौंजैसेंकह्योनिदान मिरगीप्याधसुप्रगटहैसुनहोपुरुषसुजान ॥ चौपै ॥ चिताशोकादिकजोकहे तिनकरकुतहोयअतिलहै हृदयमध्यजोनाडीजान तिन्हेंप्रवेशकरेंजुमहान वातपित्तकफयहजोतीन दोषाधिकव्हकरेंलखलीन ज्ञानस्मृतकोनोकोंनाशै अंधकारज्योकछुनप्रकाशै विकृतनेत्रहिताकोजान अपस्मारयोंरोगयछान चारप्रकारसोऊविख्यात वातपित्तकफअरुसनिपात ॥ अथपुर्वरूपम् ॥ चौपै ॥ हृदयकंपशून्यडरेंआहोय मूढतापरसामूर्छाजोय निद्राकोतवहोइहैनाश अपस्मारआगमलखतास ॥

॥ अथवातजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पीडैदांतकंपतनहोवत फैननिकासैमुखतैंजोवत श्वाससलेतवहुऊचैसोय फेनअरुणकृष्णवाहोय असवातजकेलक्षणलहे पित्तजलक्षणयोंअवकहे.

॥ अथवातजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ वातजमिरगिकरेलषान वस्तीकर्मताहिपरिमान प्रथमवैद्यऐसैंअनुसेरे पाछेऊरचिकित्साकरे

॥ अथपित्तजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ पीतजअंगफेनचक्षुपीत पीतलपैसभकछुहोमीत त्रिषासहितउष्णतनलेषै सभकछुअग्निन्यायसोदेषै पैतजअपस्मारसोजानो आगेलक्षणकफजवषानों

॥ अथपित्तजचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ पैतजअपस्मारलखपावे ताकोरेचनवैद्यकरावे प्रथमचिकित्साऐसीकरे पाछेऊरग्रंथमतधरे

॥ अथअपस्माररोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथमहुघृत ॥ चौपै ॥ दोइपलमहूपुष्पमंगवावै द्रोणआमलेरसतिहपावै प्रस्थएकघृतपायपकाय पावैअपस्मारपित्तजाय

॥ अथकफजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ शुकलहोहिमुखफैनसुनैन शुकलअंगरोमांचलषेन भारीलषैआपनीदेही शुकलरूपसभकछुलषतेही वातपिचज्वरतहिंहोइचूर कफजवेगचिरकरहोइदूर.

॥ अथकफजचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ अपस्मारकफकरजुलखेजब वैद्यकरावैवमनताहितव प्रथमवैद्यऐसेअनुसरे पाछेअवरचिकित्साकरे.

॥ अथत्रिदोषजलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जामेंलषहसभचिन्हप्रकाश सन्निपाततेंजानोतास.

॥ अथत्रिदोषजचिकित्सा ॥

॥ पूजाउपाय ॥ चौपै ॥ शिवकोपूजनकरेकरावै अरुविष्णूपूजेचितलावै जपअरुपाठकरावै-करै देवेदानरोगदुखहरै-

॥ अथअपसमाररोगसामान्यचिकित्सा ॥

॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ कौडसुहांजणानिंवपछानो अपामार्गत्वकरससमआनो ॥ इन्हकोरसएकत्रकरावै चतुर्गुणातिंहगोमूत्रमिलावै सभसमतैलपकावेतास मर्दनकरमिरगीकोनाश अन्यच ॥चौपई॥ ॥ गुहअरुनकुलसर्परिक्षधेनु इन्हकेपित्तेसमकरलेनु तिन्हसोंतैलपकावैमलै अपसमार रोगतुर्ततवटलै अरुताकीलेवैनसुआर अपस्मारतवरोगनिवार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ तैलमिलायलसुनजोषाय अपस्मारनाशैसुखपाय ॥ अन्यच ॥ शतावरीषायदूधकेसंग अपस्माररुज होवेभंग ॥ अन्यच ॥ ब्राह्मीरसमधुसंगभिलाय सर्वअपस्माररोगनरहाय ॥ अन्यउपाय ॥ चोरजुदीया फाहेहोय तागलकारस्सालेकोय ताहिदग्धकरभस्मकरावै शीतलजलसोंभस्मापिलावै अपस्माररोग-होइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अन्यउपाय ॥ निर्गुंडीकाजुवंदाआनै पीसपीवेनसवारजुठानै अपस्माररोगनरहाय निश्चैजानोकह्योसुनाय ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मनसिलअवरकवूतरविठ पुन-रसोंतसमकरोइकठ पीसोनयनोंअंजनपाय अपस्माररोगतासमिटजाय ॥ अथनसवार ॥ चौपै ॥ गोवांदराविष्ठाअरुश्वान जंवुकइन्हकोपित्ताआन समकरपीसलेयनसवार नाशहोयरोगअपस्मार ॥ अन्यचअंजन ॥ चौपई ॥ वर्चसरीहलसुणकुठहिंग दालहलदमुलठसमसंग अजामूत्रसोंखरलक-राय अंजनकरअपस्मारनसाय ॥ अन्यच ॥ पुष्यनक्षत्रश्वानपित्तालीजै पीसताहिअंजनकरदीजै अरुघृ-तमेलधूपसोदेवै तवअपस्माररोगनरहेवै ॥ अथधूप ॥ चौपै ॥ नकुलगृध्रउलूजुविलार सर्पकाकसुनलेम. नधार इन्हकेपंक्षतुंडविष्टाऊ करइकत्रसमधूपधुषाऊ तातेंअपस्मारहोइनाश वैद्यकमतयोकीनप्रकाश ॥ अथवुटणालेप ॥ सितसर्षपवीजसुहांजनआन समदोइपीसगूत्रमोंठान वुटनामलैलेपपुनकरै सोअ-पस्माररोगपरिहरै ॥ अन्यचधूप ॥ अजामत्सअरुजानोश्वान समयहमाससुकावेआन धूपधुषायरुजी-कोंदेय अपस्माररोगकोंदूरकरेय ॥ अथनसुआर ॥ तीक्षणमरचादिकनसुआर देवैअपस्मारकोंटार ॥ अथमर्दन ॥ कुठराक्षसीचोरकआनै आरफोताकेशीहरडसमठानै पीसगूत्रकेसंगमिलाय मर्दनकरे-अपस्मारनसाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ मयूरशिखानरमांसमंगावे गोघृतसंगजुताहिरलावे तीनोस-मयहषावैजोय अपस्माररोगमूलतेंखोय यामोंकछुनाहीसंदेह निश्चयमनमोंजानोएह ॥ अथअविलेह ॥ बचचूरणमधुसंगचटावै दुग्धभातकोंपथ्यषुलावै चिरकोअपस्मारमिटजाय सुगमउपायजुकह्यो-सुनाय ॥ अथरस ॥ कूषमांडरसत्ताहिमंगावे पीसमुलठमिलायपिलावे अपस्मारकोहोवेनाश निश्च-यमनमोंजानोतास ॥ अन्यचनसवार ॥ चौपई ॥ ग्रीषमरितमोंकिरलाजोय होइमदमत्तजानेसभकोय तिसकिरलेकोउदरचिरावै तामोंमरचांपायधरावै किरलाजवैसूकसोजाय मरचांलेयसभोनिकसाय पीससोइफुनिनासिकापावै अपस्मारततक्षिणमिटजावै ॥ अथपाणा ॥ चौपई ॥ मरुवेवीजमदनकेवीज दोनोसमइकठेकरलीज कर्षएकजलघोलपिलाय अपस्मारनाशेहोइजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चोपई ॥ हृदयकंठनेत्ररुजजास श्वेदशीतकरपदलषतास अपस्मारचिरकाजिसहोई अहेअसाध्यजानलेसोई

तिसदशमूलीक्काथपिलावै अवरहुंघृतकल्याणखुलावै ॥ अथकल्यानचूर्ण ॥ चौपई ॥ पंचकोलत्रिफला-
जुविडंग विडसेंधामघमरचांसंग धनिआंअजवायणअरुसुंठ यहलभसमलीजैकरकठ चूर्णकरैउ-
ष्णजलसंग पीवेहोयरोगकोभंग अपस्मारवातकफनाशै उन्मादअर्शग्रहणीजुविनाशै अग्निवधे-
वहुलागेभूष नरसुखलहेमिटैयहदूष ॥ अथपलंकषातैल ॥ चौपई ॥ लाक्षाइटसिटचोरकपाय कुठ-
ताहिमोंलेहुसमाय भषडासर्षपवरचमुलठ हरडमोडचोकरोइकठ जाफलाहिंगुशतावरिआन लसुण-
नाकुलीतिकाटान यथालाभपंक्षीमांसविष्टाऊ अरुपतीससभसमपीसाऊ वत्सामूत्रचतुर्गुणपाय एकगुणा-
संगतैलमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकावै मर्दनकरैअपस्मारनसावै ॥ अथत्रिफलातैल ॥ चौपई ॥
त्रिफलात्रिकुटाअरुजवक्ष्यार मरुवासमयहलेतिहडार करंजुमघांकमीलाआने अपामार्गपुनतासमठाने-
गजवावकरेमूत्रकेसंग घृतवातैलसिद्धिकरेनिसंग लेनसवारातिसदेहमलावै अपस्माररोगतासमिटजावै
॥ अथब्राह्मीघृत ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीरसवचकुठमंगाय शंखपुष्पीलीजैसमभाय पुरातनघृतमोंपायप-
कावै षावैअपस्मारदुखजावै ॥ अथकूष्मांडघृत ॥ चौपई ॥ अष्टादशगुणकूष्मांडरस एकगुणाघृतपा-
यमध्यतस मंदअग्निसोंताहिपकाय चूर्णमुलठमिलायजुषाय अरुतिजतनमोंताहिमिलाय अपस्मारदु-
खनाशकराय ॥ अथलघुपंचगव्यघृत ॥ चौपई ॥ गोगोवररसदुग्धमिलावै दधिगोमूत्रअमलसमपावै
समघृतपायपकावैजोय नाशचतुर्थिकज्वरकोहोय अपस्मारउन्मादमिटावै वलअनुमारनित्यजोषावै
॥ अथमहांपंचगव्यघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलीत्रिफलारजनीदो कोगडत्वचासप्तपरनीजो कौडपु-
टकंडाअवरजवांही अमलतासफलमूलतहांही लेहुनीलनीपुष्करमूल यहदोइदोइपललेसमतूल द्रोणए-
कजलपायपकावै पादशेषयहचूरणपावै त्रिकुटापाठाअवरभिडंगी त्रिवीहरडमूर्वालेचंगी निचुला-
आढकोदंतीजान भूनिंवचित्रादोइसारवामान रोहितपूतिकअमदयंतका यहदोइदोइटंकमेलियेतदा
एकप्रस्थघृतकोपरिमान घृतसमगोगोवररसठान घृतसमदुग्धगूत्रदधिलेय अवरअमलरसघृतसमदेय
मंदअग्निधरताहिपकावै सिद्दजुहोयपथावलषावै घृतजहअमृततुल्यपछान अपस्मारगुल्मरोगकीहान
उन्मादअर्शकामलानसावै हर्लीमकराक्षसग्रहमिटजावै चतुर्थिकअवरअलक्ष्मीनाशै इत्यादिकयहरोग-
विनाशै ॥ अथमहांचैतसघृत ॥ चौपई ॥ सनमूरवाएरंडत्रिवीदशमूल शतावरीरहसनमघसमतूल
अरुसुहांजणांतामोंपाय दोइदोइपलसभलेहुमिलाय जलमोंपायजुक्काथवानावै पादशेषलषताहिछ-
नावै मेदअवरमहांमेदपिसावै मुलठविदारीकंदरलावै इकाकोलीगोषुरूछुहारे द्राक्षासितायहसमले-
डारे घृतसमक्काथसमस्तमिलाय सिद्धकरैघृतवललषषाय ज्वरनैतिकजुतृतीयकनाशै अपस्मारउन्माद-
विनाशै चातुर्थिज्वरजावैश्वास ग्रहजुअलक्ष्मीनाशैकास वीर्यदोषरितदोषजुजेते यातेंशुद्धहोयसवतेते
जेंतिनवस्तुनकोपरिमान षोडशगुणाक्काथजलठान ॥ अथकपित्थादिवर्ती ॥ कपित्थमुद्रजुमुत्थरल्यावै
यवउशीरलेतासमिलावै त्रिकुटातासकेसंगरलाय वत्समूत्रसोंवर्तिवनाय वर्तिषावैरोगीजोय अपस्मा-
ररोगनासतिसहोय अवररोगउन्मादविनाशै सर्पदंष्ट्रविषसवतिसनाशै विषपित्तवातजलमृतनरजोय
अमृतसमानवर्तितिसहोय ॥ अथजलमृतलक्षणम् ॥ विष्टब्धमूर्द्धअक्षीगुदजास सीतलउदरपादकरतास
जलमृतलक्षणएतेकहै शोथपादनाभीलिंगरहै ॥ अथमांसीघृत ॥ चौपई ॥ मांसीलेकाश्मीरीजीवनी
कर्षकर्षयहलीजेमनगुनी इन्हतेंअष्टअष्टगुणजान दुग्धओरइक्षुरसठान तंहघृतप्रस्थपकायजुषावै अपस्मा-

रपितवातजजावै ॥ अथवचादिघृत ॥ चौपइ ॥ वरचइरंडपलंकषाआन हरडहिंगुअरुचोरकठान अम लतासतिन्हसंगमिलावै सभसमघृतमोंपायपकावै वलअनुसारताहिकोंषावै अपस्मारकफवातजजावै ॥ अथकटुभीतैल ॥ चौपई ॥ कटुभीनिंवअवरसणआन मिष्टसुहांजणातामोठान त्वचाइन्हनकीकोर- सलेय तिंहरससमगोमूत्रमिलेय तिन्हसमतैलमिलायपकावै अपस्मारमर्दनकरजावै ॥ अथशिग्रूतैल ॥ ॥ चौपई ॥ सुहांजनाकुठशिलाजितआन जीरात्रिकुटालसणजुठान हिंगूलेयसभसमहिपिसाय वत्समूत्र- मोंताहिमिलाय तासमतैलमिलायपकावै अपस्मारमर्दनतैंजावै ॥ अथजीवनीयघृत ॥ चौपई ॥ जीवनीयजेऔषधकहियें पलपलएकप्रमाणलहैयें तैलप्रस्थघृतप्रस्थमिलावै दुग्धद्रोणजलपायपकावै सिद्धतैलकरषावैसोय अपस्मारनाशतिसहोय चिकित्साअपस्मारकीकही निश्चैमनमोंजानोसही ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साअपस्मारकोजानोवैद्यसुजान आगेयाकेपथअपथसमुझोकरोंवषान

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अंगभ्रुवाजिसफरकतरहै नेत्रताहिनरविकृतलहै जोयहरोगक्षीणकोंहोय अरुवहुदिन. तैलषियतसोय सोयहरोगअसाध्यकहीजै शास्त्रनिदानहुतैंलषलीजै ॥ अथकालनियममाह ॥ पक्षपा. छेंहोइपैतजजानो द्वादशादिनहोइवातजमानो मासलगैंजोयहरुजहोय कफहूतेंजानोतुमसोय जोउ' मलांऊपरकोपवहुधैरं द्वादसदिनभीतररुजकरै वर्षारितमोंज्योंवहुवीज अंकुरप्रगटकरैंसुलहीज तैसेंव्याध' प्रगटहोइआवै ग्रंथानिदानमुनयोंदरशावै प्रथमहिंछर्दरेचकरवावै तौनिवर्त्तरोगहोइआवै ॥ दोहरा ॥ अपस्मारलक्षणकहेभाषेभलेंविचार समुझचिकित्साजोकरैहाजेहिंनहोयविकार ॥ इतिअपस्मरचि' कित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअपस्माररोगेपथ्यापथ्यअधिकारानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अपस्मारामिरगीलषेकरैंलोकव्याख्यान ॥ ताकेपथ्यअपथ्यसभभाषोंसुनोंसुजान ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ जोअपस्मारवातकरहोय वस्तीकर्मपथ्यहैसोय जोपितअधिकहुतैंप्रगटावै रेचनताको- पथ्यकहावै कफजहोयतौवमनप्रमान तीनदोषकेपथयोंजान अंजनधूपअवरनसवार शिरताडिनभी- पथ्यविचार वडोपथ्यहैदानकरावन त्रासहर्षविस्मयउपजावन धीरजवुटणाअवरस्नान महापथ्यहैआ- त्मज्ञान घीउपुरातनअवरअनार दुग्धसमरतपथ्यवीचार व्रह्मीवूटीकेदलजानो वृद्धजुकुष्मांडपहिचा- नो वाथूसाकफालसेदाष धात्रीफलसुहांजणाभाष तैलातिलनकोपथ्यकहावै वरषाजलपुनहरडलषावै अजाअश्वकोमूत्रजुअहै वहुरपटोलपथ्यलषलहै ॥ दोहा ॥ अवरजुपथउन्मादकेभाषेसभजहजान अपस्मारअपथ्यहैंतिन्हकोंकरोवषान ॥ अथअथ्यं ॥ चौपई ॥ चिंताशोकक्रोधभयकहिये सदा- अपवित्रताहिजोगहिये मदराअरुमछीपहिचान कपटअवरअतिमैथुनमान तीक्षणउष्णअन्नगुरुजोई ताकोभक्षणअपथलषसोई पत्रशाककंदूरीकोफल पुनजानोआषाडमासफल वेगत्रिषानिद्राकोजोय क्षुधावेगपुनजानोसोय इन्हवेगनकोंजेऊरुकावै अपस्मारकोपथनकहावै वहुजलअग्निशस्त्रजुनिहारन लषोअपथ्यकियेउच्चारन पूजाजिन्हकीकरणिकही सोनपूजयहतजिहयोंलही सोभिअपथ्यमृगीकोजा- न वैद्यशास्त्रयोंकीनवषान ॥ दोहा ॥ अपस्मारकेपथअपथसभहाकरैउचार पथ्यगहैत्यागेअपथहोइ-

अरोग्यअपार इतिअपस्माररोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तं ॥ दोहा ॥ अपस्मारवरननकियोप्रथमहि- कह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिअपस्माररोगसमाप्तम् ॥

॥ अथपस्मररोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ पापवुद्धिकरनरषलजोय उपकारीकोंगणैनसोय ताउपकारलोपकरदेह ताकोंरोग- प्रगटहोइएह ताकोकहोंउपायसुनाय सुनलीजैअपनोंचितलाय ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ कर्षप्रमाणस्वर्ण- कोंआनै मूर्त्तगणेशचतुर्भुजठानै अर्धकर्षस्वर्णपुनलेय मूषिकप्रतिमातासकरेय मंडपमध्यविराजैजास लों- कपालसंगपूजैतास पुनहिंअर्धरात्रिकोंजोय मत्समांसकोंलेवैसोय वैतालनकोंवलिसोंदेवै गणेश- मंत्रकरहवनकरेवै विप्रहिंदेनिजदोषमिटाय असैंकर्मविपाकलषाय ॥ दोहा ॥ अपस्माररोगवरन- नाकियोकारणसहितउपाय हिकारोगकेदोषकोंभाषोंभलेवनाय इतिअपस्माररोगदोषकारणउपायसमा- प्तंशुभं

॥ अथअपस्माररोगज्योतिष ॥

जोअठमेगृहमोपडेमंगलसूर्य्यसमान शनीवीहोवेताहिमोतीनोग्रहइकमान तिहनरव्याधीअतिकहोअप- स्मारकीहान तीनोग्रहकाजपकरेहोमयथावलजान इतिज्योतिषं

॥ अथान्यप्रकारमिरगीरोगवर्णनम् ॥

॥ चौपै ॥ गाढीकफदिमागकेमाही वातसंगवावातजनाही सोईदिमागवीचरुकजावे प्राणवायु- केनीचेधावे औतवंदतवमिरगीभाषे प्राणहेत्तकछुरस्ताराषे जैकरप्रानरोकेआजावे तौवहसगतारोग- कहावे आगेमिरगीलक्षणहोई हाथपैरविंगेअंगसोई जववुषारशिरमेनहिधावे तावतकालनामिरगी- आवे जोवुषारशिरमेचढजाई तौलचारअतिहीभयदाई प्राणखैंचभीतरदुखहोई विंगेजोडतसंनुजसोई ताहीछिनदुरगंधीआवे जैसेंगंधकवालजालावे मुरदारकीरकुतरांनजोहोई हुक्केसमदुर्गंधिसोई प्राण- स्थानतजअतिभयमांनो विहोसीकरमुखघज्जपछांनो पचीवर्षरोगाथिरहोई आगेऔषधकरेनकोई मि- रगीरोगहोतजवजांनो ताहिचिकित्साऐसीमांनो अतिशीतअतिगरमीत्यागे अतीनीरलखमिरगीजागे अतीपवनअतिमस्तीहोई ऊचीजागादेखेसोई अश्वदुडावतअतिसुखमांने इनकारनतेमिरगीजांने मिरगीवानधूपनहिसेवे अग्नितेजअतिधूंमनलेवे मदरापानकरेनासोई अतिमैथुनतेंमिरगीहोई वाल- ककोंमिरगीप्रघटावे ताहिअलाजवहुतनाभावे द्वादशवर्षहोतहैजवहीं मिरगीआपदूरहैतवहीं जेक- रवालकछोटाहोई पीवेदूधरोगपुनसोई जोतिसदूधपिलावनहारी ताहिचिकित्सावैद्यउचारी कफरु- तचीजनदीजोताही तरीदूधचरवीचिकनाई ऐसीचीजनताहिखुलावे रोगदूरवालकसुखपावे ॥ उपाय- आकदूधसोनितप्रतिलीजे पहरशेषदिनमर्दनकीजें हाथपैरतलमर्दनकरिए दिनचालीतकमिरगीहरिए फलहिंगूटनिताप्रतिखावे मिरगीरोगताहिकटजावै ॥ दोहा ॥ वंदालीजोवेलकानरमूत्तरसंगपाय पी- सनासिकादीजिए मिरगीरोगहटाय हाथीकामदलीजिए स्त्रवेकनेंतेजोय रूंईभिगोयसुकाइए पर- मऔषधीहोय मिरगीदेषविहोसनरताछिनकरेउपाय सोमदजलसोंघोलकरनासिकाग्रपहुचाय ॥ चौपै ॥ सतावरीरससतमासेल्यावे तोलेतींनदूधसंगपावे दोईगर्मकरपीवेसोई मिरगीरोगदूरतवहोई जेकरवा-

लकरोगीजांनो ताहिसतांवरिशीरामांनो मासेतीनदूधसंगदीजे सताईदिनतकऐसाकीजे भोजनदूधभातनितदेवे पुरातनसठीचावललेवे कसौंडीपुष्पकुठमघपावे पीसनीरन-सुश्रारचढावे मिरगीरोगदूरहैसोई आगेश्रौरश्रौषधीहोई बर्चलूणमघताहिमंगावे खिरनीजढचारोस मपावे दुंवेकाफुनिमूत्रमंगाय पीसश्रौषधीताहिसुंघाय अरलुछिलकामैदाल्यावे तोलेतीनितनिसमपावे खावैनितप्रतिदोइमिलाय मिरगीरोगताहिकटजाय छिलकाकौडजुणजुणाली़ले गोरोपनताहसंग कीजे करेकुश्राथदाईकोदेवे शेषरहेसोवालकसेवे अकरकरासेरइकलीजे चारसेरमधुतासंगदीजे॥ पीसमिलायपाकवनवावे साडेत्रैमासेनितखावे मिरगीरोगउठेश्राराजाई दांतपीडसरदीकीनाई जेक रुधिरश्रधिकलखपावे सरेरोगकारुधिरछुडावे अथवारगसाफनकाहोई पिनीपछकरावेसोई हरड श्रादिकरकुश्राथपिलावे उदरशुद्धमिरगीकटजावै श्रामाशयकादोषजोहोई वमनकरायरोगकटसोई छडगुलावकेफूलमंगाय मस्तकीलोहवानसंगपाय सघनपीसनीरसंगपाय ताहिपेटपरलेपकराय समुंदरफलजलपायपिसावे नसुश्रारलेतामिरगीकटजावै ॥ दोदा ॥ तृडालीजेंश्राककाताकोमारसुकाय मर्चपायसमपीसिएसोनसुश्रारचढाय मिरगीसमेउपायकरताहिछीकवहश्राय कीडाझडेदिमागतेमिर॥ गीसोहटजाय इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांश्रपस्माररोगकथनंनामविंशोऽधिकारः २०
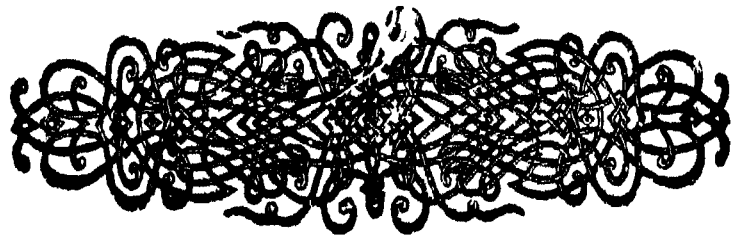
॥ अथहिक्कानिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काहिडकीकोंकहैंताकोकहोंनिदान जैसेंकह्योनिदानमेंतैसेंसुनोंसुजान ॥ चौपई ॥ जोरूषोकावजभोजनषावै अवरविदाहकभारीपावै अरूशीतलभोजनकोंषावत अरूशीतलअस्थानरहावत अरुजोधूमधूरीमुखजावै थकेअवरवडभारउठावै आतपवातजुवहुतसहारै अरुजोनिराहारव्रतधारै अतिव्यायांमकरैनरजोई वेगमूत्रविष्टादिरुकोई अभिष्पंदजोवस्तूखात हिक्कारोगतासहोइजात इन्हकारणकरकुत्तजुवाय प्राणअन्नजलनाडिरुकाय इसकारणतैंहिक्काहोय विवरोकरभाषतहोंसोय वायुउदाननामजिंहगावत शब्दसहितसोऊप्रगटावत कलेजाअांद्रांवारंवार उछलावतसोलषोविकार अांद्रकलेजायेंउछलावत मानोंतुरतइन्हैनिकसावत सोहिक्काहैपंचप्रकार ताकोभेदकरोंउच्चार सोऊवायुकफसोंआमिलै पंचरूपहोइहिडकीचलै एकअन्नजायमलाएक क्षुद्राएकसुलहोविवेक एक. गंभीरानामपछानो पंचमिकोंमहितीलषमानो ॥ अथहिक्कापूर्वरूप ॥ चौपई ॥ कंठहृदयमेंगुरताहोय कुक्षभारीमुखरसविनजोय हिक्काकोयहपूरवरुप जानलहोहेपुरुषअनूप ॥

॥ अथअन्नजालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अन्नपानअत्सयजोकरई पीडतवातहिडकितिसवरई ऊर्द्धगमनकरदुखउपजावै अन्नजहिडकीताकोंगावै ॥

॥ अथयमलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वेगयुगलजोकरेमहान चिरकरप्राप्तलषोजुसुजान शिरग्रीवाकोंजोकंपावै यमलाहिडकीसोऊकहावै ॥

॥ अथक्षुद्रालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिडकीजोचिरपीछेंआवै मंदवेगताकोदरशावै जंतुमूलतेंआवैजवहि प्राणीःकोदुखदेताहितवहि सोईक्षद्रानामकहीजै गंभीराअवसुनलषलीजै ॥

॥ अथगंभीरालक्षणम् ॥

नाभिस्थानतेउपाजितजोय ज्वरादिउपद्रवसंयुतहोय घोरगंभीरानादसुकरै गंभीरानामतासउच्चरै ॥

॥ अथमहतीलक्षणम् ॥

॥ चोपई ॥ मर्मोंकोंउत्पाटनकरै सभहिअंगकंपवहुधरै सभसमयहोवतहैदिनरात कालनियमकछुनाविख्यात सोमाहितीहिडकीकरजान सभतैंकठिनयाहिकोंमान ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिसकोंहिडकीऐसीआवै देहसकलजोसिमटीजावै नेत्रफटैंहिडकीकेलेत मुखतेंअन्नभक्ष्योनिकलेत ऐसेलक्षणजामोलहिये सोअसाध्यहिक्कालषलैये जोमहितीजुगंभीराहोय दोऊइकठीअसाध्यलषसोय इसरोगाहिंकरक्षीणजुलहिये वृद्धअवस्थाविनरुचअहिये मोहरहेछिक्काहोयजास वैद्यत्यागकरजावेतास मैथुनाप्रियइसरुजमोहोय तासचिकित्साकरैनकोय ॥ अथसाध्य ॥ मोहप्रलाप-

करजुक्तजुजोय तृष्णापीड।जिसनरहोय जाकीदेहक्षीणनहीहोई इंद्रयवलसंयुक्तजुसोई तासाचिकित्साकरणीयेग कह्योसाध्यशास्त्रइहलोग पूर्वलक्षणकहेजुहोय देहइंद्रियवलक्षीणइजोय ऐसीयमलाजाकोजान जावैवैद्यत्यागतिसमान ॥ दोहा ॥ हिकारोगनिदानकोंवरन्योभलीप्रकार तासचिकित्साकहितहोंसुनलीजैमनधार ॥ इतिहिकारोगनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथहिक्कारोगशिक्षाचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काकेअवभाषहोंसुनोचिकित्सातास ज्योंजगहितवंगसेननेहितसोंकरीप्रकाश ॥ अथाहिक्काउपाय ॥ चौपई ॥ प्रथमउपायकहोंसाधारण तासोंहिडकीकोजेटारण प्राणायामजुरोकनप्राण हिडकीजायसत्ययहजाण अरुतरजनतेंहिडकीजाय विस्मायनतेंभीनरहाय अरुजोहोयतासत्रिस्कार हिडकीनाशेलगैनवार घोरअलापनकरैजुकोय तातेंनाशहिकादुखहोय अथवाहृदिमर्दनहृदघात तातेंरुजहिडकीभगजात अथवाकथाप्रसंगसुनावै तातेंभीहिकामिटजावै इंद्रवज्रअग्निअरुपवन वृद्धिकोप्राप्तकउननिवारन तैसेविलंविकाहिकाश्वास वैद्यजुकौननिवारेहितास ॥

॥ अथहिक्काचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अल्मफलरसलेतासपिलावै हिक्कारोगतासामिटजावै अल्मफलकहेजुग्रंथमेमानो भिन्नभिन्नतिन्हेनामवषानो किंवजंभीरीनिंवूजान अम्लवेतविजोराइल्मीमान ॥ अन्यच ॥ मुलठजुमघुसोंचाटेजोय वामघशर्करासंयुतहोय इम्हकराहिक्काहोवैनास ग्रंथकारमतकीयोप्रकास सुंठमिलायअजापयपीवै हिडकीनाशतासतेंथीवै ॥ अन्यच ॥ प्रथंगूकारसताहिपिलावै यातेंभीहिक्कारुजजावै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ लाजासत्तूलवणामिलाय जलमिलायकरताहिचटाय हिक्काकोरुजहोंवैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ मुलठपीपलीसमयहआन मधुसोंचाटेहिक्काहान ॥ अन्यच ॥ गुडअरुसुंठामिलायजुषावै हिडकीजायपरमसुखपावै वालेवेताकीनसवार हिकारोगतासतेंटार ॥ अन्यच ॥ विजोरेरससमधुजुमिलावै सौंचललवणरलायचटावै हिकारोगनाशतवहोय वैद्यकमतयोंजानोसोय ॥ अन्यच ॥ धारादुग्धथननतेंलेवै हिक्कारुजकोनाशकरेवै ॥ अन्यच ॥ सुंठआमलेमघांमिलाय मधुमिलायचाटैदुखजाय ॥ अन्यच ॥ त्रिफलासमलेचूरनकीजै मधुमिलायचाटैसुखलीजै ॥ अन्यच ॥ मघपीपलगेरीफहदोय मधुमिलायचाडेसमजोय हिक्काकोहोवैतवनाश आनंदउपजैवहुतहुलास ॥ अन्यच ॥ वेरगिरीसुरमाअरुलाजा तिकागेरीसमलेकाजा कंचनपत्रमध्मेलचटावै हिडकीरोगनाशकरवावै ॥ अन्यच ॥ मघांआवलेमिसरीआन ताकाचूरणकरेसुजान सुंटीकाहीदधिमधुमेल चाटैजोहिक्काकोंठेल ॥ अन्यच ॥ सफलसपुष्पपाडलीमंगावै ताहिषजूरांमघांमिलावै मुत्थरमधुमिलायकरचाटै हिक्कारोगयाहिसोंकाटै ॥ अन्यच ॥ मिसरीमिरचलौंगपुनपाय गिरीवेरकीसमकरभाय मधुसोंव्याधीचाटेप्रात हिडकीताकीतवहीजात ॥ अन्यच ॥ सुंठवेरगिरिमिरचेंसंग पीसलेयसमअवरलवंग मधुमिलायकरचाटैजोय हिडकीनाशतासकीहोय ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ मघांआमलेसुंठसुलीजै मिसरीमेलसुचूरणकीजै ताकोंषावैहिडकीजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ हरडवहेडेसैंधापावै भूनजवायणतासमिलावै चुटकीत्रैअगुलीनितषाय निश्चैहिडकीरोगनसाय ॥ अन्यच ॥ एकपत्रथोहरकाआन असगंधपत्रदीतामेंठान महचूरणगोपयसोंपीजै हिक्कारोगनाशकरदीजै ॥ अ-

यधूप ॥ चौपई ॥ मनछलहलदीसमकरमान अग्निधुषावैवैद्यसुजान व्याधिकेमुखधूआंदेवै हिड-कीनाशहोयसुखलेवै ॥ चौपई ॥ गोविषाणनैपालीलीजै कुठारलइकसमसोकीजै अग्निधारकरधूम-जुपान होवेतवहिकाकीहान ॥ अन्यच ॥ कुशापीसघृतसंगामिलाय अग्निधुषायधूमसुदिवाय होवै-हिकाकोतवनास रोगीकोतवहोताविलास ॥ अन्यच ॥ केवलमाषदालजुधुषावै धूमतासदेहिडकी-जावै ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ विष्टामाषीलाषमिलावै जलमिलायनसवारदिवावै प्रातहिउठलै-वैनसवार हिडकीनाशैनिश्चेधार ॥ अन्यच ॥ सुकतीकिटाहिंगुमंगवाय लसणवर्चसमलेपीसाय अजामूत्र सातपुटदेय सोनसवारव्याधीनितलेय तातैंहिबाहोवेनाश समुझलीजीयेकरविश्वाश ॥ अथकाथ चौपै ॥ रेंवंदमघसमकाथवनावै सहिंगुपीजीयेहिडकीजावै श्रीधन्वंतरवाकवषान्यो पाहीतैंनिश्चयमनठान्यो ॥ अ-न्यच ॥ मूलसंभालूकूठपीसाय टांकटांकमघहिंगुमिलाय करैकाथरोगीकरैपान होवैनिश्चैहिडकीहान ॥अन्यउपाय ककूलअवरईखूरसआन चित्रापीसताहिमोंठानया कोपीवेउठपरभात होइजावैहिकाकोघात ॥ नसवार ॥ नारीदुग्धसंगघीउपकावै वामधुरवरतुसंगसिद्धकरावै ताहिघृतकोपानकरावै नसवारलेय-हिडकीदुखजावै कफवातहरनवस्तुजोकही हिकानाशनजानोसही

॥ अथहिकाश्वाससंयुक्तहोवेताकीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हिकाश्वासएकठेजास कहोंसुनायचिकित्सातास परसामर्दनतैलप्रसस्त वमनकरा-वनरेचनफस्त ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठभिडंगीचूरणकीजै ससतोदकपीजेदुखछीजै ॥ अन्य ॥ सुंठभार्गीसितासौंचलपाय तप्तनीरसोंपीरुजजाय बाहरडसुंठतप्तोदकपीवै नाशश्वासहिडकीकोथीवै अथवामरचअवरयवक्षार पुष्करमूलएकसमडार तप्तनीरसोंपीवैजोय नासश्वासहिडकीकोहोय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ देवदारुकाथदशमूल पीवैश्वासहिकानिरमूल ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ सौचलमघाअवरयवक्षार चोरकाहिंगुहरडफुनडार दशमूलकाथदधिमंडमिलाय मंदअग्निघृतपायपकाय हरडसंगउठसोघृतपीवै हिकाश्वासनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंवासाकाथवनावै तंहमिल-यघृतकोपकवावै प्रातहिंघृतकोपीविजोय नाशश्वासहिडकीकोहोय ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंत्रिकुटा काथवनावै तामोंघृतपकायकरषावै हिकाश्वासहोयतवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ सोंचलमघांअवरयवक्ष्यार हिंगुकायफलयहसमडार तप्तनीरसौंवलअनुसार पीवैहि डकीश्वासविडार अथवामदराकोकरपान होयश्वासाहिडकीकोहान ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ सौंचलमघांअवरयवक्षार चोरकाहिंगुहरडफुनडार दशमूलकाथदधिमंडपकाय मंदअग्निघृतपायमिलाय हरडसंगउठसोघृतपीवै हिकाश्वासनाशतबथीवै ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंवासाकाथवनावै तंहमिला-यघृतकोपकवावै प्रातहिंघृतकोपीवेजोय नाशश्वासहिडकीकोहोय ॥ अन्यच ॥ प्रथमहिंत्रिकुटा-काथवनावै तामोंघृतपकायकरखावै हिकाश्वासहोयतवनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथदुग्ध ॥ ॥ चौपई ॥ अजादुग्धगुडसुंठमिलावै तोयचतुर्गुणपायकढावै जलजलजायशेषपयरहै पीयश्वा-सहिकाकोदहै ॥ अथशृंग्याद्यंघृतं ॥ ककडशृंगीभार्गील्याय सुंठमुलठहरडतिहपाय मंजीठहरिद्रा-लीजैसंग काथकीजियेहोयानिसंग प्रस्थएकघृतकाथमोपाय मंदअग्निसोताहिपकाय चतुर्गुणसीत-लजलकेसंग फुनघृतसिद्धकीजियेचंग सोघृतपानकरैनरजवहि हिकाश्वासकासहरतवहि ॥दोहा ॥ हिं-कारोगनिवारणेकरीचिकित्सगान आगेंयाकेंपथअपथभाषोंसुनोसुजान ॥ इतीहकीरोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथहिक्कारोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ हिक्काकोंहिडकीकहैंताकेपथ्यापथ्य बरनतहोंसभजनसुनोजानवातयहतथ्य ॥ अथपथ्यं॥ ॥ अडिल्पछंद ॥ स्वेदवमननसवारजुधूमरपानही रेचननिद्रामृदुसनिग्धअन्नपानही कणकसठीयवचावललहीपुरातना तीतरहरणवटेरमासहितकरागिना १ लसुणपक्ककपिथ्यपटोलपछानिये तुलसीश्यामपछानतप्तजलमानिये छोटीमूलीमदरापुष्करमूलरे हरताकफअरुवातजलान्नतांवूलरे माष्योंअवरजुलाजाशीतजलछिरकनो वहुतहर्षवहुद्वेषक्रोधपुनवहुगिनो तातकालदेत्रासतप्तजलपानसुन प्राणायामकरावैशिरजलधारपुन मृतिकाजलकरसिंचीगंधसुदीजीये दग्धमृत्तिकागंधपुनहलषलीजीये नाभिऊपरउदरदुअंगुलजानहो वलसोंमर्दनकरनपथ्यपरिमानहो दीपकसेंतीगांठीहरदिजलाईये चरणउपरदोईअंगुलनाभिदागादिवाईये हिक्कारुजकेपथ्यसुयहेलषलीजिये पाछैतेंपुनसमुझचिकित्साकीजिये ॥ अथअपथ्यं ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजकेअपथ्यहैंतिहकोंकरोंउचार समुझलहोमानुषचतुरतिहकोसभपरकार ॥ अथअपथ्यं ॥ अडिल्पछंद ॥ अधोवातअरुविष्टामूत्रडिकारजो इन्हकारोकनवेगअपथ्यविकारसो धूरिपानअरुआतपषेदविरुद्धभक्ष ग्राहकदाहकरौक्षअन्नजलपानलष माषचणेजुरवांहिअवरषलजानियें अनूपदेशकोंमांसपअथ्यपछानिये तूंबीफलअरुसरषपमत्सवषानयो भेडदुग्धअरुआमलअपथ्यपछानयो तैलतलीसभवस्तुकंदसभजानरे गुरुशीतलसभअन्नपानउरआनरे दांतोंकोंसंघरषणदातणजानिये एतेकहेअपथ्यरवमनअनुमानिये ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजकेपथअपथभाषेसमुझविचार करैचिकित्सासमुझयदतातेंनाहिविकार॥ इतिहिक्कारोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ दोहा॥ हिक्कारोगवषान्योप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साताकहीपथ्यापथ्यप्रभायहतिहिक्कारोगसमाप्त ॥

॥ अथहिक्कारोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

चौपई ॥ तपवर्णाश्रमधर्मजुकहिये सोतपतजैऐसोनरलहिये ताकोंहिक्काआयसंचरै तासउपाय सुनोउच्चरै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ मृगकेचरमउपरतिलधेनु स्वर्णशृंगिपुररजतलषेन मुक्तादामपूछसंगलावै पूजैविधिसोंवस्त्रउढावै दक्षिणसहिताविप्रकोंदेय हिक्कारोगदूरकरलेय ॥ दोहा ॥ हिक्कारुजवरननकियोकारणअवरउपाय श्वासजुदोषबषानियेसुनलीजैचितलाय ॥ इतिहिक्कादोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथहिक्कारोगज्योतिष ॥

दशासूर्यकीवुद्धमोआनपडैपापिष्ट चौथेअठमेवारमेजन्मभावकरश्रेष्ट हिकारोगजुताहिकोयाहीकह्यो जथार्थ सूर्यपूजायथाविधिकरेताहिनिवारणअर्थ ॥ इतिज्योतिषम् ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांहिक्कारोगाधिकारकथनंनामएकविंशोऽधिकारः ॥ २१ ॥

॥ अथश्वासरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिकारोगनिदानवषानो श्वासरोगमेंसोनुमजानो वंगशेनजोकीनउचार चिकित्सताकीभिन्नविचार सर्वशरीरपवनजोधावे कफसेंमिलस्वनाडरुकावे जववहपवनाफिरनेरहि जाय श्वासरोगतवहीप्रगटाय ॥ दोहा ॥ भाषोंअनुक्रमश्वासकोसोहैपाचप्रकार तिसकोविवरोभिन्न करसुनहोपुरुषउदार ॥ चौपई ॥ महाश्वासइककोंजुवषाने ऊर्द्धश्वासदूसरकोमाने श्वासविक्षिन्न तीसरोजान तमकश्वासचौथोयिहिचान क्षुद्रश्वासपंचमकोंकहिये पांचप्रकारइसीविधलहिये वातको पतेंक्षुद्रजुजान कफकेकोपतेंतमकसुमान विक्षिन्नपित्तकोपतेंकहिये महाअरुऊर्धवाततेंलहिये अथश्वासपूर्वरूपमाह ॥ चौपई ॥ श्वासरोगजवप्रथमहिंभासे एतेंलक्षणतवैप्रकाशे उरमोंपीडाशूलअफारा कवजाविरसमुखकोनउचारा दोइसंखनमोंपीडाहोय इहविधिलक्षणजानोसोय वातसकफहो इकोथहिंधरे लोकसकलइंद्रयवशकरे सोऊवातश्वासउपजावे पांचप्रकारसोईप्रगटावे ॥ अथमहा श्वासलक्षणं ॥ चौपै ॥ जोनरकोंकंपावतवात दुखितश्वासऊंचेप्रगटात मदमत्तहुयेवृषभकोन्याई श्वासलेतसोनरयोंगाई त्यक्तहोयज्ञानविज्ञान लोचनभ्रांतमुखषुल्योरहान विष्टामूत्रवद्धतिसहोय वोलन कोंसामर्थनसोय दीनदुआआर्तहीदुखपावे दूरहिंतेंस्वरश्वाससुनावे यहमहाश्वासरोगजिसहोई शीघ्रमरेहै रोगीसोई ॥

॥ अथऊर्द्धश्वासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दीर्घश्वासऊपरकोंआवें नीचेकोंनाहिंपैंचोजावें कफकरमुखमेंनाडद्वार रोकेजावेंतिहनिरधार कुद्धवातकरपीडतहोय ऊंचीदृष्टराषहैसोय नेत्रडरेंवततताकेमान इतउतदेषतभ्रमाचितजान विकृतमुखकरदेषतरहे मोहअबरपीडाकोंगहे सूकोमुखपीडतवहुश्वास ऊंचेआवेंअधनप्रकाश औसोश्वास वृद्धयवहोय शीघ्रमरेंहैरोगीसोय महाश्वासअरुऊरधश्वास यहअसाध्यहैंकरहैंनाश

अथविक्षिन्नश्वासलक्षणम्

॥ चौपई ॥ जाकोंश्वासवारइकआवें दूसरिवारवंदहोइजावें मर्मभेदपीडाकरजोई लेनसकेंजु श्वासपुनसोई स्वेदआनाहमुर्छाकरसोय प्रलापदुखनाकेतनहोय नाभितलेपीडारहेतास अश्रुपूर्णलोच नहोईजास सोनरक्षीणदेहहोइजावें श्वासलेतचक्षुअरुणदिषावें शुष्कवदनविवरणहोइरहे चित्ततासउद्विग्नतागहे औसोशीघ्रप्राणकोंदेवें श्वासविक्षिन्नअसाध्यकहेवें ॥

॥ अथतमकश्वासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातउलटवेगजवकरे नाडियोंयाअवेशसोधरे जवप्रवेशपूर्णकरलेय शिरग्रीवाकोंपकड धेरय तवमुखसोंसोकफानिकलावे अरुपीनसनिससदारहावे कंठविषेघुरघुरवहोय प्राणतीव्रवेगाहिंदुख जोय महाअंधकारमंझार निजहिंप्रविष्टतलषेविकार श्वाससहितषांसीवहुजास तातेंनिरचेष्टाहोइतास जवहिंकफानिकसनपरआवत वहुतदुखताकोंदरशावत कफहूंकेनिकसेंउपरंत मुहुर्त्तमात्रसुखहोतिसजंतकंठमांहिघुरकवहुहोय वडेकष्टसोंवोलतसोय वैठारहैतोसुखकोंमाने लेटेंदुखहोइनिद्राजाने अंगकंपपरसातनरहे मुखमूकेअसपीडासहे शयनसमेहोयपार्श्वपीर उलितनयनलषोमनधीर मेघहुंतेंसीतलजलपान इन्हतेंहोइयहदुखपरिमान अरुपूर्वदेताकीलेवेवात अरुकफकृतवस्तुजोषात इन्हहुंकेसेवनतेंजान तम

कश्यासवृद्धहोइमान कफअरुवातहुतेजोहोय उष्णवस्तुसुखमानोसोय जाकोज्वरअरुमूर्छाहोय तमक श्वासजानोतुमसोय आमविदग्धकरनरहेजोय पित्तहुतेप्रगटैहैसोय धूरिअजीर्णतेभीलहिये विष्ठारूकोधर्ते कहिये वृद्धअवस्थाकरभीहोय अंधकारकरवधहेसोय सीतवस्तुसेवैजोकोऊ तमकश्वासशांतिहोऊ कष्टसाध्ययहश्वासपछानो आगेंक्षुद्रश्वासमुवषानो ॥

॥ अथक्षुद्रश्वासलक्षणम् ॥

चौपई रूखोभोजनजोजनरषावै अथवाषेदकरैश्रमपावै कोष्ठस्थानवातसंचरे क्षुद्रनामतासेंतेधरे इ-न्हकारणतेंयहप्रगटाय यहवहुपीडादेतनकाय अंगपीडाभीवहुतनकरै जलभोजनकोरोकनधरै सभ-इंद्रीकोंदुखनहिदेवे क्षुद्रश्वासमुखसाध्यकहेवै ॥ दोहा ॥ महाश्वासअरुऊर्द्धपुनअवरविछिन्नअसा-ध्य कष्टसाध्यजोतमकहैक्षुद्रश्वासमुखसाध्य इतिश्वासरोगनिदानसमाप्तम् ॥ाप्ताय ॥

॥ अथश्वासरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ श्वासचिकित्साभाषहोंवंगसेनअनुसार जोयाकोंसेवैनर्जाहोयसोरहितविकार प्राणहरणजोरोग-हैसोहैवहुतप्रकार जैसेहिक्काश्वासहैतैसोकियेउचार ॥ अथयवागुकाथ चौपई ॥ दशमूलरासनामघांकचूर सुंठजानपुनपुष्करमूर जहसमलेकरकाथवनावै ताहिजवागूपायपकावै सोरोगीकोंनित्यपुलावै अथवाकेव-लकाथपिलावै अथवाअमलीककडशृंगी रिद्धगिलोयअरुसुंठभिडंगी इन्हकेकाथदवागूसाथ पिलादेवा. केवलकरकाथ श्वासकासहिडकीयहनाशै हृदयहपार्श्वपीडाविनाशै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ दशमूलकु-लथअवरयवजानो मुत्थरवलाकोलसमठानो करैकाथउठप्रातपिलाय श्वासकासहिडकीमिटजाय अन्य च चोपै कुलथसुंठअरुलघुकंड्यारी वासासमकरकाथमुधारी चूरणपुष्करमूलवरूर पीवैश्वासकासहोइदूर अन्यच ॥ चौपई ॥ काथकरैसमलेदशमूर ऊपरपुष्करपीसवरूर पीवैश्वासकासहोइनाश पार्श्वशूलकोकरै विनाश॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ वरचकंड्यारीअरुसुरदार सुंठकायफलपुष्करडार यहसमकाथपानजोकरै शीघ्रश्वासकासदुखहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विल्वजवाहालघुकंड्यारी भषडाककटशृंगीडारी चित्रा अवरगिलोयमिलाय काथपानयहश्वासमिटाय ॥ अथभिन्नभिन्नकाथ ॥ चौपई ॥ कुलथदशमूलकाथ करलीजे जंगलपक्षीरसमासरलीजे रोगीपिवैताकोयास रोगजायसुषहोयपरकास काप्रमर्दकाथपिला वैयास वाकाथसुहांजणदीजैतास वावासाकोकाथदिवावै मूलीमूलीयूषपिलावै भिन्नभिन्नयहकाथपछान सभहीश्वासरोगहरमान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडसुंटमधुपर्णिमिलावै पुनदशमूलसमकाथवनावै पी वैतमकश्वासयहहरै वातश्वासनाशैसुखकरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलअभयाकाथसुधारे भांगुरेरसअ-रुमाषपोडारे पीवैतमकश्वासमिटजाय वंगसेनभाषनसुखदाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कदलीकुंदपुष्प-पीसावै सीहपुष्पसममघांमिलावै तंडुलजलसोंचूर्णखाय श्वासरोगकादुखमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै. सुंठमघांमुथककडशृंगी पुष्करसटीमरचलेचंगी सभसममिसरोपीसमिलाय पुनयहकाथपकायवनाय वा साअरुगिलोयपंजमूल करैकाथयहलेसमतूल याहिकाथसोंचूरणसोय पीवैतोनिदिनादुखषोय घोरश्वा. सकाहोवैनाश दुखमिटेहोइसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ कूष्मांडजडछांहिसुकावै चूर्णतप्तनीरसों षावै श्वासरोगकोहोवैनाश दुखजावैतनसुखपरकाश ॥ चन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाककटशृं-गी पंचलवणकंडयारीभिडंगी अवठानोतुमपुष्करमूल यहचूरणकीजैसमतूल तप्तनीरसोंपीवैजोय इवासअव

रहिकाक्षयहोय केवलपुष्करमूलकोचूरण वासुंठयवक्षारकरोतिसपूरण ताकोषावैरोगीजोय तमकश्वासदूरति सहोय अन्यच ॥ चौपई ॥ जीवंतीलेपुष्करमूर सुरसाएलामघाकरचूर अगरसुंठआमलिमुथ्रपिसायदालची नीशालातलनभपाय अग्नगुणीशर्कराभिलावै बलअनुसारताहिकोंषावै तमकश्वासाहिडकीकोनाश दुख जावैसुखउपजैतास अथअविलेह ॥ चौपई कटुकतैलमोगुडजुमिलावै दिनइकीसपरंतचटावैश्वासरो गहोवैनेमूल मिथ्येजानोकवीनभूल अन्यच॥ चौपई ॥ द्राक्षाहरडजवांहाशृंगी मघामेलीयेतासंगचंगी समयहचूर्णकरोचितलाय मधुघृतमेलोनित्यचटाय दारुणश्वासकरैयहनाश निजमननिश्चयकोजैतास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हलदीमरचांदाषकचूर गुडरहसनमघइकरूमपूर तैलमिलायचटावैजोय स्वा- सप्राणहरनाशेसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धात्रीफलकंडयारीजान यहदोईसमलेचूरणठान इन्हतैंअर्ध- हिंगुतुलाय मधुनिशायदिनतीनचटाय श्वासरोगकाहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अथधूम्र पान ॥ चौपई ॥ हलदीपत्रएरंडकोमूल मनछलदेवदारुसमतूल मांसीमुथरलाषमिलाय घृतमिलाय- वातीभिगवाय अग्निधुषायनिजवदनपसार पीवैधूम्रारोगनिवार दारुणश्वासनाशहोइजावै वंगसेनयोंप्र- गटनुसारै ॥ अथहिंस्रादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंस्रालेविडंगात्रिकुटाय पूतिकचित्राकर्षसमभाय प्रस्थए- कघृतपयदोइप्रस्थ तोयचतुर्गुणपायप्रसिस्थ मंदअग्निपरताहिपकावै बलअनुसारताहिकोंषावै श्वास- कासअरुचक्षइनाशे अर्शगुल्मयहरोगविनासे अथसौवर्चलघृत ॥ चौपई ॥ सौंचलकौडवरचयवक्षार त्रिकुटाचित्रासमलेडार अरुविडंगघृतपायपकावै षाययथाबलश्वासमिटावै ॥ अथकुलत्थादिघृत ॥ ॥ चौपई ॥ कुलत्थअवरलीजैदशमूल ब्राह्मीज्यएँलेसमतूल प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान द्रोणएकज- लपायपकान पादशेषरह्योजवजानै प्रस्थएकतामोघृतठानै दोयप्रस्थदुग्धतिहपावै पुनरलरलद्दपीरुमि लावै पंचकोलअवरयवक्षार मंदअग्निसोंलेहुसुधार बलअनुसारनित्यपहषावै श्वासकासाहिडकीमिट जावै ग्रहणीअर्शविष्मज्वरनाशै पीनसगुल्महृदरुजहिंविनाशै अवरपलीहरोगकोटारै करवलवरणअरज- तावारै ॥ अथभृंगराजतैल ॥ चौपई ॥ दशगुणभृंगराजरसलीजे तैलएकगुणपायपकीजे बलअनुसारपी- जियेसोय नाशश्वासकासरुजहोय ॥ अथक्षारपिप्पलि ॥ चौपई ॥ पलासवृक्षकीलीजैछार मघा- पीलसमतामोंडार मधुघृतमेलमासपर्यंत चाटैश्वासकासहोइअंत हिक्काअर्शपांडुज्वरजाय ग्रहणीपीनस- शोथमिटाय कंठरोगगुल्मक्षईनाश अरुस्वरकंठमुष्टपरकाश ॥ अथभार्गीगुड ॥ चौपई ॥ शत- गंठीभिडंगीलीजे एकशतहरडैंसमुझपतीजै भिडंगीतमइशमूलामिलाय चतुर्गुणतोयसोंमंदपकाय पाद- एकशेषजवरहै छाणलेयहरडैंपुनगहै गुडदुगुणोमेलपकावै पक्तलेहरूमलदजवपावै तलैउतारिशीतल- करै षटपलमधुतामोअनुसरै त्रिकुटात्रीसुगंधपीसाय पलपलयहपावोसमभाय दोदकर्षमेलैयवक्षार पुनसनिग्धवासनमोंडार एकहरडअर्धपललेह नितप्रतिषावैचाटैएह श्वासकासमंदाग्निमिटावै अग्नि- वरणस्वरअधिकवधावै ॥ अथकुलत्थगुड ॥ चौपई ॥ कुलत्थअवरदशमूलमंगाय ब्राह्मणज्यएँह- कसमभाय शतशतकर्षइन्हकोपरिमान पायद्रोणजलकरोपकान पादशेषरह्योजानेजवै वस्त्रछानलेय ताकोंतवै तुलार्धप्रमानगुडतामोंपावै पक्तवनायशीतलकरवावै माष्योंअष्टपलपायमिलाय वंशलोच नअष्टपलतिहपाय मघपीपलदोपलपरिमान त्रीसुगंधदोइपलतिहठान अरुसुगंधदोइपलतिहदीजै सभामेलायवलल्षनितपीजै तमकश्वासकोनासकरावै श्वासकासहिडकीज्वरजावै दोहा कही.हिचिकि त्साश्वासकीवंगसेनअनुसार आगैवरनोंयाहिकोपथ्यापथ्यअधिकार इतिश्वासरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथश्वासरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यश्वासरोगकेग्रंथनकेअनुसार वरननकरोंसुजानियेनिजउरसमुझविचार अथपथ्यं अडिल्लछंद रेचनछर्दजुस्वेदधूम्रकोदानसुन साठीयवअरुकणकुलथपरिमानपुन दिनकोसोनोअवरपुरातनतंदुला मांसजोतीतरमोरपथ्यजानोलवा मारूथलमृगपक्षीइन्हकोमासही वकरीकाघृतदुग्धपथ्यलषतासही अवरपुरातनघीउमद्यमधुजानिये कंड्यारीवृंताकद्राषपहिचानिये शाकचुलाईवाशुहरडपटोलसुन लघुलाचीमघपीपलसुंठीमरचपुन तप्ततोयगोमूत्रजुपुष्करमूलही लघुदीपनअन्नपानश्वासहरशूलही कंठकूपदोइकक्षअवरदोइवक्षपलहु दीजैशस्त्रतपायदागइन्हठौरमहु यहमभभाषेपथ्यरोगजोस्वासके इन्हपथ्यनकोंगहेरोगहततासके ॥ दोहा ॥ पथ्वकहेरुजश्वासकेसमुझोपुरुषउदार प्रथमहिंपथ्यप्रमानकरपुनकीजैउपचार इतिपथ्यं अथअपथ्यं ॥ दोहा अपथ्यकहोंअवश्वासकोतिन्हकोंत्यागैजोय श्वासरोगतिसनारहैऔषदसफलीहोय अडिल्यछंद मूत्रपुरीषडिकारछर्दत्रिषकासजो इन्हकोंरोकजुराषैकहोअपथ्यसो दंतकाष्टजोकरैलेयनसवारही मैथुनमारगचलनवहुतश्रमधारही भारउठावतधूरिउडीमोंपैठनो सूरजकीजहांधूपतहांवहुबैठनो ग्राहकदाहकभारीवस्तुजुषावनी अनूपदेशकेमासजुरकलुडावनी तैलतलीजोवस्तुमरससरषपलहो जलजेकफकरदुष्टकंदसभलपगहो माषनखाहिनआदिजुकफकरवरतुजे पूर्वदिशाकीपवनदुग्धघृततजते ॥ दोहा ॥ श्वासरोगकेपथअपथभाषिसमुझविचार वैद्यचतुरसोइजानियेलषपुनकरउपचार इतिश्वासरोगपथ्यापथ्यअधिकार

॥ अथश्वासरोगदोषकारणउपायनिरूपणं ॥

अथकारणउपाय ॥ चौपई ॥ जोनिनायकगुरुनकेश्वास रोकरषैअरुतैलषतास अरुजहांकथापुराणसुहोय अन्यकथातांहिंभाषैजोय अरुनिषिद्धवस्तुनकोंगावै धर्मसास्त्रकीनिंदासुनावै अरुजोक्षुधारथीनरहोयविप्रतासभोजनकरजोय तिन्हकोंश्वासरोगप्रगटावै ताउपाययोंभाषसुनावै अथउपाय ॥ चौपई ॥पृतमास्वर्णवरुणअरुवाय ताम्रपात्रमोंधरैदनाय रजतपात्रवरुणाकरदेय ताम्रधुजामारुतकरतेय सजलकलसउपरिसोंधरै पुनातिलपंचद्रोणअनुसरै तिलनउपरसोकलशधरावै समंत्रनपूजैहवनकरावै करसंकल्पब्राह्मणकोंदीजै श्वासरोगतैंमुक्तिलहीजै ॥ दोहा ॥ स्वासरोगवर्णनकियो प्रथमहिंकह्योनिदान पुहिचिकित्सावरनकैपथ्यापथ्यवषान इतिश्वासरोगसमाप्तम्

॥ दोहा ॥ श्वासरोगवरननाकियोकारणसहितउपाय उन्मादरोगवरतनकरोंसुनलीजैचितलाय- इतिश्वासरोगदोषकारणउपायसमाप्तम्

॥ अथश्वासरोगज्योतिष ॥

द्वितीयशनीजन्महिसुचंदवाराहिकेजुराह वीचचर्तरोधंदजोपडे लग्नमोजाह स्वासरोगतवहोतहैज्योतिषकेअनुसार बलीकू ग्रहकोंकहीयथाशान्तिशुभकार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारश्वासरोगकथनं ॥

॥ चोपे ॥ तंगीसुश्रासहोतहेंजवहि जीकुलनफसनामहैतवहि कफगाढोवीचफिफरेहोई श्वासमार्गमेंलपटेसोई सीधापृउभारजवजांनो वावैठकऊचीजागामांनो श्वासमार्गवंदतवहोई अतिखेदन-

रपावेसोई अतिस्निग्धभोजननहिखावे खरवीमांसआदिनहिभावे भोजनअतिमोटाजोहोय अतिगाढासेवेनाहिसोय इनकरदोषअधकहोईजावे श्वासकठिनरस्तारुकजावे कासरोगसरदीकाहोई आदलिखाओषधकरसोई आद्रकरसकपूरसंगपावे पीवेश्वासरोगहटजावे श्वासरोगजववातजहोई आगेलक्षणजुनिएसोई खेचलकरेश्वासवधजावे सुकीखांसीसंगादिषावे घरघरसवदकंठमेहोई पडेचुवकदुखदायकसोई त्रिकुटावाविडंगमगवावे हौविरचित्रासंगपावे नागरमोथासंगरलाय कचूरमैललोहेकीपाय मासेसातसातसमलीजे पीसछानकरचूरणकीजे मधूमेलदसमासेखावे दोईभेदकाश्वासहटावे मुमेआईमासेतीनमंगावे मखीरमेलनितचटनीखावे सुहागालीजोमासेदोई खावेनित्यश्वासहरसोई त्रिफलामुथरसुंठील्यावे भडिंगीमघसमभागरलावे मासेसातसातसमहोई मधूमेलचाटेदुखखोई सुंठगिलोवांसामंगवावे धमाहापुषकरमूलरलावे सतसतमासेलीजोसोई करेकाथपीवेनरकोई श्वासरोगताहीकटजावे सुगमयतनकरसुखउपजावे कंडेआरीसुंठीचित्राल्यावे कलौंजीपुषकरमूलमिलावे सतसतमासेलीजोसोई करेकाथपीवेसुखहोई चौदामासेमघांमगावे तोलेतीनमचंसंगपावे दोतोलेलौंगताहुमेदीजें सुंठीत्रैतोलेसंगकीजे चीनीखंडदसतोलेपाय चूरनदसमासेनितखाय श्वासरोगताहिहटजावे रहेपालपरसुखउपजावे॥

॥ रोगउमोसाही ॥

॥ चौपै ॥ दुहराउत्रासससीघ्रनिकसावे खवनामफारसमतगावे जैसेंअतिदौडेनरकोई आवतश्वासताहुवतहोई करडादोषयतनवहुभावे आदजतनकरसीघ्रहटावे छातीफिफरेदोषजोहोई रेचनतेंवाहिरकरसोई दसमूलकंडेआरछोटिल्यावे त्रैत्रैतोलेकाथवनावे सुंठीत्रैमासेसंगपाय पीवेकाथदोषहटजाय ऊटकडाहविूटाल्यावे सुकायबीवहांडेकिपावे मुखकरवंदअगनमेसोई राखेताहिभस्मजवहोई चौदामासेनितप्रतिखावे श्वासरोगताहिहटजावे निंवअगस्अरूलोध्रमंगावे कंदेआरीरसससतवारमिलावे सातभावनापूरनहोई सतमासेनितसेवेसोई प्रतिदिनओषधसेवनकरिए श्वासरोगताहीछिनहरिए श्वासरोगखासीसंगजांनो छातिगुरदेपीडपछानो कमरपीडदुखदायकसोई जुआननकोअतसेंकरहोई जेकररोगवृद्धकोजांनो फितकरोगतवसंगपछानो उतरेनलनामाकेहुसोई अतिखांसीअतिपीडाहोई पेटबीचपडदाफटजावे आंदरएकवृखनपरधावे फितकरोगताहीकरजांनो क्षयीरोमवलजतनपछांनो दाधछेईदेवेनरसोई छातीगिरदेचारोहोई एकफिफरेऊपरमांनो कलेजेऊपरदूसरजांनो छेईदाधदेदोषहटावे रोगनवीनसीघ्रहटजावे॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांश्वासरोगाऽधिकारकथनंनाम द्वाविंशोऽधिकारः ॥ २२ ॥

॥ अथउन्मादरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मादनिदानजुग्रंथमोंभाष्योनेकप्रकार सोप्रकारसभहीकहोंसमुझोजुधिउदार ॥ चौपै ॥ वातपितकफतीनकहीजें हृदयमाग्नजववृद्धलहीजें मनकोगमनकरैदशनाडि तिहकोंसोरोकैदृढगाडि त-वैपुरुषमनविभ्रमहोय रुजउन्मादकहीजेसोय रुजउन्मादमानसीजानो इकइकदोषहुतैंभीमानो सन्नि-पाततैभीयहहोय मनकेदुखहूतैंभीसोय विषहूतैंभीउपजतजान भिन्नभिन्नसुचिकित्सामान जवही-रोगतरुणयहहोय वृद्धनहोयलहोयोसोय तौमदताकोनामकहीजे श्रांगेलिसश्ररु.वा.एल.हीजे श्रथकारणं

॥ चौपई ॥क्षीरमुदितमत्स्यादिजुषावे यहविरूद्धभोजनमुकहावे विषसोंमिलतजुभोजनहोय भोज-नदुष्टकहावतसोय अरुअपवित्रजुभोजनषावत गुरुसुरकोतिरस्कारकरावत अरुबहुहर्षवहुतभयमाने बहुतकामवहुकोधजुठाने विष्मजुचेष्टामनअभिघात एतैकारणकरोविख्यात इन्हकारणकरमलजोकोपें तौरजतममनकोंग्रारोपें तातैसतगुणआलसरोपें अल्पसतोगुणनरहृदिगोपै बुद्धिनिवासहृदाजोकहिये ताहिमलिनकरदेयहलहिये तबमनगमननाडिदशजोह रोकैचितउपजावैंमोह

॥ अथउन्मादपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ बुद्धिभ्रमैमनचंचलहोय व्याकुलदृष्टअधीरताजोय अबद्धवाकहृदिशून्यलषावें सामा न्यचिन्हउन्मादकहावें

॥ अथवातजउन्मादनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रूषोशीतलअन्नजुषावे रेचनवमनहुतैप्रगटावे धातुक्षीणतेंअरुउपवास वृद्धवातहो-इग्रावैतास चिंतादुःकहृदाहैजोय मलिनबुद्धिस्मृतकरहैसोय

॥ अथवातजरूपम् ॥

विनास्थानविनसमयनिहार हास्यकरैविनसमुझविचार अंगविक्षेपणरोदनकरे नृत्यगीततानउच्चरे मंद-गुरुक्रावेकृशतनलहिये देहकठोरअधिकलपधैये अरुणरंगतादेहलपावे भोजनपचैंवातवढजावे यह-वातजउन्मादस्वरूप पित्तजलक्षणप्रगटैभूप

॥ अथवातजउन्मादरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मादचिकित्साकोंकहोंमुनलीजैचितधार जैसेंभाषीवंगसेनमोंतैसेंकरोंउचार

॥ चौपई ॥ उन्मादवाततैंजिहप्रगटान ताकोस्नेहपानपरिमान

॥ अथपितजउन्मादनिदानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विदग्धअवरगरमजोखात तातैकुपितपित्तहोइजात कटुकविदाहीअम्लजुषावे इत्या दिकवहुपित्तवषावे अवरजुचिंताचितायुतहोय रुजउन्मादप्रगटकरसोय

॥ अथपैत्तिजस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ कहौंपित्तकोसहिहैनाही चलतहिनमनमोबहुचाही कोमलबैनवरहिजुडरावे अलोकों-लोभयपौजावे उपजितजाकेतनमोदाह तातैंसीतलछायाचाह शीतवस्तुशीतलजलचाहि पीलोमुख-भातैहैताहि यहपैत्तजउन्मादकहीजे कफजकहोंअगैंसुनलीजे

॥ अथपैत्तजउन्मादचिकित्सा ॥

उन्मादपित्ततैंजिहप्रगटावे ताजनकौंरेचनकरवावे

॥ अथकफजउन्मादनिदानलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अतिभोजननरकरहैजोय चेष्टामंदताहिकीहोय गर्मीकफहृदमोंवधआवे बुद्धिस्मृत कोनाशकरावे मोहतचितवहुकरैविकार ताकोरूपकरोंउचार

॥ अथकफजस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ मंदवचनकहैचेष्टामंद होयअरुचअरुछातीबंद एकांतवासइस्त्रीप्रियहोय छर्दकरै-अतिनिद्रतसोय मुखतैंलालानिकसतीरहैं नखादीश्वेतकफजयोंलहै

॥ अथकफजउन्मादचिकित्सा ॥

कफतैंजिहउनमादलषीजे तिसव्याधीकोंवमनकरीजे

॥ अथत्रिदोषउन्मादलक्षनं ॥

वातपित्तकफतीनजोकहे तिनकेलक्षणजामोंलहै जोकारणतीनोकेजान त्रिदोषउन्मादमोंसोइपछान

॥ अथशोकादिउन्मादनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ शोकचोरभयतैंप्रगटावे राजपुरुषलषडरउपजावे अथवाअवरकिसीसोंडरै रुजउन्मा-दतिंहकोभीवरै धनीपुरुषकोजवधननाशै ताकोंभीयहरोगप्रकाशै घातशस्त्रकरवढतनलागै ताकोभी-विकारयहजागे मनमोंजिहातियसंगवडिचाह याहिरोगपुनउपजतताह

॥ अथशोकादिउन्मादस्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ गुप्तवारताजोमनधरे मुखसोंवकैप्रगटसोकरै रोवैवकैहसेपुनगावे चेष्टामूढसभैंदरशावे

॥ अथअन्यचशोकजचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ इष्टद्रव्यकेनाशहुतैंजव भ्रमैचित्तताहीतैंजिहतव इष्टद्रव्यतिंहप्रापतकरै व।उपदेशकरै-भ्रमहरै औसोंकामशोकभयलोभ ईर्षाहर्षक्रोधतैंक्षोभ इन्हकरजोउपजैमनभ्रांति यहदूरकरैंतौहेचि-तशांति.

॥ अथविषजउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तनेत्रनष्टबलहोय इंद्रियतेजनष्टहोइजोय ज्ञानरहितहोइजावैदीन श्यामवदनअसल-क्षणचीन.

॥ अथसरस्वतीघृतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलाब्राह्मीअरुगिलोय मंजीठअनंताताहिसमोय पाठासारवालअरुजान वीड़-कंडयारिअामलीमान शालिपर्णीगिरिकरणकालीजै दोइटसिटसहदेवीदीजै पृष्ठपर्णीअरुहरडमि-लीजै वस्तुतभसमकठाकीजै अत्ररहुंमूरजवल्लीआन पलपलइन्हकोलषपरिमान पूर्लकुंभजलपायपकावै पादशेषरहैताहिछनावै प्रस्थसुघृतमिलायलषलीजै पुनिसहचूरणतामोंदीजै नतवरचकुठमघसेंधापावै कौंतीसरषपपलपलल्यावै निरोगसवर्णसवत्सागोजेऊ सभसमदुग्धतासकोलेऊ पुष्यनक्षत्राहिंयाहि' पकावै स्वर्णपात्रमोंताहिधरावै नित्ययथावलताकोंषाय अरुतनमलैमहासुखपाय आयुरमृतमेधायहकरै देहधातुपुष्टवलधरै विषराक्षसपिशाचदुखनाशै सारस्वतिघृतयोंजगभासै ॥ इतिविषजचिकित्सा ॥

॥ अथअसाध्यलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ ऊचोमुखवानीचोरहै क्षीणमासबलनिद्रादहै जवऐसोरोगीदरशावै तवनिश्चैकरसोमरजावै

॥ अथउन्मादरोगसर्वप्रकारसामान्यचिकित्सा ॥

॥ चोपई ॥ जेऊचिकित्साहैअपस्मार यातेंआगेंकरोउचार सोभीरुजउन्मादमंझार हैप्रमानलष-लेहुउदार अथरस ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीबूटीकारसकीजै अथवाकूष्मांडरसलीजै अथवाशंखपुष्पीरस-आन अथवावरचरसलेहुसुजान इन्हतैंकिसहूकारसलीजै कुठचूरणमधुपायसुपीजै उन्मादरोगइन्ह-हुंतैजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै अन्वच लूणककोरसलेहुछनाय तासमकांजीअरुगुडपाय सोपीवै-उन्मादविनासै दुखजावैतनसुखपरकाशै अन्यच मंडूकपार्णीरसकनकदलल्यावै त्रिणराजवल्लीरसता-समपावै यहलैरसमिलायकरपीवै उन्मादहरैतनमोंसुखथीवै अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सेतीसरषपत्रिकुटा-सुरदारु हिंगुकरंजूत्रिफलाडार वरचकायफलप्रथंगुमंजीठ दोरजनीसरीहश्वेतासमदीठ पीसैवत्समूत्रकेसंग पीवैहोइउन्मादरुजभंग अरुयहनेत्रनअंजनपावे अरुवुटणाकरदेहमलावै अरुस्नानजलसाथ-मिलाय स्नानकरैउन्मादनसाय अपस्मारभूतभयनाशै अलक्ष्मीज्वरकोमूलविनाशै प्रतिष्ठाराजद्वारमों-पावै यासोंघृतपकायवाषावै अथकाथ ॥ चौपई ॥ दशमूलकाथघृतवारसमास सितसर्षपचूर्णसंग-तास पीवैरुजउन्मादमिटावै दुखमिटैतनसुखउपजावै ॥ अन्यरस ॥ जलद्रुमअग्निःपर्वतमान इह-चारोकहेविष्मस्थान इनतेंरोगीकीरक्षाकरे वंधुवैद्यसोईउच्चरे तिलअरुमाषरसइकसमलीजै पीजैरु-जउन्मादजुछीजै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ कटुकतैलकीलेनसवार अरुतनमर्दनकरैविचार रुजउ-न्मादनाशतवहोय यहनिश्चयमनआनोसोय ॥ अन्यच ॥ व्याधीकेसनवंधीजेऊ धर्मउपदेशकरतरहैंते-ऊ यातेंभीउन्मादविनाशै शास्त्रमतीपुनयोंपरकाशै ॥ अन्यच ॥ अतिप्रियवस्तुजोरुजीकहावैं तिन्ह-वस्तुनकोनाशसुनावैं चित्तस्थानभ्रष्टहैजोय यातेंप्राप्तस्वथानाहिंहोय ॥ अन्यच ॥ कटुकतैलतनरुजो-मलावै ताहिधूपमोंसरलसुलावै तिसकरभीजुरोगउन्माद निश्चयजावैहोइसुखाद ॥ अन्यच ॥ रोगी-कोपुनअवरउपाय जजूलीताकीदेहमलाय स्थानभ्रष्टचित्तलहैअस्थान यहभीमनमोंनिश्चयठान ॥ अ-न्यच ॥ चावकसोंतनताडिनकीजै अप्योचित्तस्वस्थानलहीजै ॥ अन्यच ॥ उन्मादीकोंकसकरबांधे शून्यसदनवावनमोंसाधे दांतदूरकरसर्पछुडावै तातेंजोरोगीडरपावै तातेंजितजोभ्रष्टस्थान [illegible]

नहथिइमजान ॥ अन्यच ॥ ततलोइअथवाजलतेल तासदेहमींकरोसुमेल तातेभीउन्मादविनासै वेगहीं- नमतसोइप्रकासे इस्तीव्याघ्रसिंहभयदजै वाशास्त्रपाणिनरकोडरकीजै राजपुरुषतस्करभयदेय अथ- वारिपुभयदीजैतेय इत्यादिकजोकरैउपाय भरम्योमनअस्थानरहाय ॥ अन्यच ॥ श्वानमासअथवागौ- मास उन्मादीकौंधूपदीजैतास यातैंभीउन्मादाविनाशै सुखउपजैतनकोदुखनाशै ॥ अन्यच ॥ जा- हिभूतउन्मादलषावै क्रूरचिकित्सातासकरावै गंधर्वदेवपित्रादिकहावै क्रूरचिकित्सातिंहनसुहावै तीक्ष- णअंजनादिनाहिंधरै अपस्मारक्रियाग्रहकीसोकरै ॥ अन्यच ॥ वस्तीकर्मअवरघृतपान सभउन्मादन- मोपरिमान ॥ अन्यच ॥ जिहउन्मादरोगप्रगटावत तासचिकित्सायोंभीगावत हृदयवाहुमस्तककी- नाड छेदनिकाररुधिरकीधार ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ त्रिकुटालवणहिंगुवचआनो स्वेतसर्षपाकौ- डपछानो नक्तमालकेवीजमंगाय अरुसरींहकेवीजअनाय सभयहसमलेपीसमिलावै गोमूतस्सोवती- वनावै सोउवर्तिकानेत्रनपाय चतुर्थकज्वरउन्मादामिटाय ॥ अथसरस्वतीचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुठ- लवणअसगंधमंगावै जवायणदोइइोइजीरेपावै मंगलपुष्पापाठाजान त्रिकुटायहसमचूरणठान व- रचचूर्णइन्हसभसमपावै सभसमव्राह्मीरससुमिलावै मधुघृतमेलटंकजोचार नितप्रातिषावैप्रातनिहार ऐश्वर्यचाहदिनसातप्रयंत षावैप्रातइछावलवंत दुगुणकालइंहषावैजोय धीयधारणावुधतिसहोय यातें- दुगुणकालकरपान सहस्रश्लोकपढेनितजान जगकोहितअपनेमनचीन ब्रह्माजीयहचूरणकीन अथहिं- ग्वादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंगुअवरसौंचलत्रिकुटाय दोइदोइपलयाहिमंगाय घृतपावैआढकपरिमा- न गूत्रचतुर्गुणकरेमिलान मंदअग्निसोताहिपकावै यहघृतकोंजोरोगीषावै रुजउन्माददूरहोइजावै निश्चयअपनेमनमोल्यावै अथमहांपैशाचिकघृत ॥ चौपई ॥ छडमोडयोंहरंडपुनआन मरकटीकेशी- वरचपछान वीरावीजाविजयाकेआनो त्रायमानचोरकपुनठानो क्षीरकाकोलीछत्राल्यावै अतिछत्राआमले- मिलावै वाराहीनाकुलीमंगावो महांपुरुषदंतासुमिलावो वृद्धकालीकठंभरीजान पलंकषाशालिप- रणीमान यहसमलेघृतपायपकावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै नाशैअपस्मारउनमाद ज्वरचातुर्थकहो- इवरवाद मेधावुद्धस्मृतयहकरै क्षुधाकरैवालकहितधरै महापिशाचकइंहघृतनाम रोगहरैजानोसुखधाम ॥

॥ अथमहाकल्याणघृत ॥

॥ चौपई ॥ कल्याणघृतमोंवस्तुजुकही सोसभजामोंजानोसही पूरवजोसभवस्तुवषानी सोसभलेवे वैद्यपछानी पुनयहतामोंअधिकीपावै वीराअरुदुमाषकागावै काकोलीस्वयंगुप्ताजान रिषवरिद्ध- मेदलषमान दुगुणतोयपुनदुग्धचतुर्गुन तिसअनुसारपायघृतलेसुन मंदअग्निपकायसोपावै पूर्वउक्तस- भरोगनसावै ॥ अथचैतसघृत ॥ चौपई प्रियंगुमधुरसारहसणआन दशमूलसतावरिभषडाजान इन्ह- कोंसमलेक्वाथकरावै पादशेषसमघृततिंहपावै साधेघृनषावैपुनजोय चित्तविकारनाशतवहोय मदउन्मा- दमूर्छाअपस्मार ज्वरयहनाशैसमुझविचार ॥ अथहैचैतसघृत ॥ चौपई ॥ पांचमूलकाश्मरीमंगावै रह- सणएरंडत्रिवीमिलावै वलाशतावरीमूर्वापाय पलपललीजैयहसमभाय जलमोंडारक्वाथयहकरै पाद- शेषसमघृततहधरै ताहिपकावैनितउठषाय चितविकारसभहीमिटजाय ॥ अथनिशादिघृत ॥ चौपई ॥ हलदीत्रिफलाअवरप्रयंगु श्वेतासर्षपाकटुभीहिंगु श्वेतात्रिकुटाअवरमजीठ सरींहदेवदारूसुनईठ यहसम लेगोमूत्रामिलाय घृतताकेसमताहिपकाय नित्ययथावलताकोंषावै उन्मादरोगभाग्योहीजावै ॥ अथ-

लाक्षादितैल ॥ चौपई ॥ चंदनअरुनखमुलठ शैलेयमंजीठजुकरोइकठ शरलकाष्टसुरदारुजुमुत्थर पद्मकाष्टतालीसहिपत्र वनतागजकेसरअरुकेसर दोइरजनीतजरेणुअगरधर वनतुलसीकचूरतिहपावे दालचीनीएलाजुरलावे नलकादोइसारवापछान तिकालवंगसभपलपलठान पादशेषलेकाथबनाय प्रस्थ तैलइकताहिमिलाय दधिकोमंडचतुर्गुणपावे लाक्षारससमताहिमिलावे नित्ययथावलताकोंषाय अरुसोनितप्रतिदेहमलाय अपस्मारउनमादविनाशै ग्रहपीडाज्वरकोंयहनाशै आयुपुष्टताहोयमहान वशीकरणगुनयाकोमान

॥ अथदेवादिग्रहकारणभूतादिउन्मादलक्षणनिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ इकग्रहहिंसाहितपरवेशै क्रीडापूजाहितजनिवेशै हिंसाहितजोकरैनिवास सोअसाध्यकरहें-तिसनाश

॥ अथतिन्हकेलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ विवृतनयनमुखफेननिकासै चपलपदचलैसुनिद्राभासै पतितहोयतनकांपेजोय नगगज-तरुअग्रतेंगिरेसोय त्रयोदशवर्षउपरंतअसाध्य पूर्णमासिहोइदेवउपाध्य संधीकालअसुरग्रहहोय गं-धर्वअष्टमीमोहैसोय यक्षदोषप्रतिपदापछानो पितृगृहीतअमावसमानो सर्पगृहीतपंचमीकहिये रात्रिगृ-हीतराक्षसीलहिये ग्रहपिशाचचतुर्दशिजानो ऐसेंइन्हकेकालपछानो

॥ अथदेवादिअलक्ष्यप्रवेशनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ दर्पणमोंप्रतिबिंवजुजैसें शीतउष्णप्राणिनइवतैसें मणिमेंसूर्यकांतिहोइजैसें प्रविशैतन-मौंत्योंयहतैसें इन्हकोलषैप्रवेशनकोय सभतनमोंप्रविशैयोंसोय इन्हकोयोंपरवेशवषान्यों ज्योंनिदान-तेंसमुझपछान्यो इन्हलक्षणकोवैद्यसुजान समुझैपुनहिचिकित्साठान ॥ दोहा ॥ यहउन्मादवषान्योस-मुझभलीपरकार समुझचिकित्साजोकरैताकीवुद्धिउदार इतिउन्मादरोगनिदानसमाप्तम्

॥ अथभूतोन्मादसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ मानुष्योंवनकहैनवाणी विक्रमवीर्यअमर्त्तपछाणी वलचेष्टानरन्यायनलहिये देवन्यायवा-दताहिभाये तत्वज्ञानअरुशास्त्रज्ञान शिल्पज्ञानताकोंरहैजान अरुउन्मादनेमकेसमें होतरहैविननेमनकिमें यहसामान्यभूतउन्माद देवयोनसोलषोअनाद ॥

॥ अथदेवउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संतोषीपवित्रतनरहै दिव्यपुष्पगंधतनगहै यथपिव्याकुलताभीहोय झूठनवकैसत्यक-हैसोय शब्दसंस्कृतमुखोंउचारे तेजखीस्थिरचक्षूधारे हर्षितमननिसादिनमोंरहे निद्रानाशजासलषलहै वरदाताव्रह्मण्यलहीजे देवगृहीतग्रहसोऊकहीजै ॥

॥ अथदैत्योन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ देवविप्रगुरुदोषवषाने कुटिलदृष्टी:निरभयनिजमाने अन्नपानकरतुष्टनहोय होयकुमा-रगगामीसोय दुष्टआत्माताकोलहिये दैत्यनग्रहगृहीतसोकहिये अभेदरहैजाकेतनताईं ग्रंथनिदानदि-योजसनाईं ॥

॥ अथगंधर्वोन्मादलक्षणं ॥

इसेइष्टमनस्वेछाचारी गीतगानस्वरतानपियारी नदीपुलनवनवासरहावे गंधसुगंधपुष्पतिसभावे नृत्यअल्पस्वरसुंदरभाषे यहगंधर्वगृहीततिसआषे ॥

॥ अथयक्षग्रहगृहीतउन्मादलक्षणम् ॥

रक्तनेत्रसुंदरतनभासे रक्तवस्त्रप्रियतेजप्रकासे सहिनसीलमनहैगंभीर शीघ्रगतीवाणीलघुधीर मुखसेकहेकिसकोक्यादेऊ यक्षग्रहपारिपीडततेऊ ॥

॥ अथपित्रोन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पितृस्थानपिंडजलदेवे वस्त्रादिकअपसव्यधरेवे निश्चलमनजाकोनितरहै पितृभक्तिमोंप्रीतिसुगहै मांसअवरतिलगुडजोक्षीर यहभोजनअभिलाषाधीर ग्रहगृहीतपित्रनसोजानो आगेंसतिउन्मादवषानो ॥

॥ अथसतीउन्मादलक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ निश्चलमननहिताकोहोय संतानादिअवरोधतिसजोय सतिओंकीवार्तामनभावे जिसवोलेतिसवराहिंसुनावे पवित्ररहेशुभवस्तूमनमे सतिउन्मादमानतिसतनमे ॥

॥ अथक्षेत्रपालउन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाशाअरुमुखरुधिरचलाहि स्मशानभस्ममस्तकमोचाहि मंदस्वप्नउदरवहुपीडही-संधिपीडचितस्वस्थरहेनाहि इहलक्षणजाहुनरहोई क्षेत्रपालकालक्षणसोई

॥ अथविज्ञासनीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पक्षाघातरुधिरसुकजाई मुखपदातिर्यकदेहसुकाई क्षीणशरीरवृद्धजातीरहै इहलक्षणविज्ञासनीकेहै

॥ अथजादूटूनेकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कंधामस्तकअतिभारीरहे मनथिरनाहिअंगक्षीणतागहे हाथपैरदाहवहुहोई वीरजनाशशरीरमोजोई आठोअंगसूईचुभरहै जहलक्षणजादूकेकहै ॥

॥ अथडाकनीसाकनीकालक्षण ॥

॥चौपई ॥ सभअंगोंमेंपीडाहोई नेत्रदुखेमूर्छाचितजोई शरीरकंपरोवेवहुवके भोजनअरुचीवावहुइसे स्वरभंगहोयशरीरवलजाई क्षुधाजायभ्रमधूमनभाई ज्वरभीहोयरहेकायामें डाकनिसाकनीदोषहैतामे ॥

॥ अथप्रेतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नित्यप्रभातसमेउठभागे खोटेवचनवकेअनुरागे कांयाकंपरोवेअरुऐसें खानपानविनस्वासमंदतैसें जोमनआवेसोईखावे इहलक्षणजगप्रेतदिखावे अथसर्पोन्मादलक्षणं सर्पन्यायपृथवीपरलेटे क्रोधीशांतिस्वभावहिमेटे चाटेषाषांजिव्हासंग गुडमधुपयपायसहितचंग यहउन्मादभुजंगमजानो आगेंराक्षसग्रहपहिचानो ॥

॥ अथराक्षसकालक्षणम् ॥

मांसरुधिरमोइछाराखै दुष्टवचनसवहीकोभाखे क्रोधसंगनिसफिरैअकेला अपविभ्रहैसक्षसकोमेला

॥ अथराक्षसोन्मादलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसरुधिरमदराकोइछा क्रोधीनिर्लज्जसहैनहिसिक्ष्या अतिकठोरअतिशूरसुहोय निशाविहारीअतिबलिसोय सुचिमोंद्वेषरहैदिनरैन जाकेमनमोंकबूनंचैन सोराक्षसग्रहअहैग्रहीत पिशा-चोन्मादपुनलषहोमीत

॥ अथब्रह्मराक्षसलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ देवब्रह्मगुरुवैरवहुकरे वेदवेदांतआपमुखधरे अपनेदेहआपदुखदाई शुचीरहैनि-तहास्यलखाई

॥ अथपिशाचोन्मादलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ ऊर्द्धबाहुकुशलनहोइजोऊ वकैकठोरचपलहोइसोऊ अतिदुर्गंधतासतनआवै वहुभो-जनानिरजनथलभावै उद्विग्नमननितजाकोभासे शुचिपवित्रतिसतेंनितनासे पृथवीपरभ्रमनमनधरै रोवेति-सपिशाचग्रहवरै

॥ अथदेवादि भूतादि चिकित्सानिरूपनं ॥

अथकल्पाणघृत चौपई दशमूलीवानरीत्रिविमंगावै रहसनवालामूर्वापावै इकइकप्रस्थवस्तुयहलीजै भि-न्नाभिन्नसोकाथकरीजै चारोचारकुडवजलपाय जवकुडवकुडवजलआपरहाय तवयहचूर्णताहिमिलावै-विशालात्रिफलारेवंदरलावै मुसबरशालिपर्णीसुरदार अनंतापुनदोइरजनीडार दोयसारवाअवरप्रयंगु नी-लोत्पलएलाधरसंगु मालतीपुष्पनवीनमंगावै कुठताहिमेंआनरलावै दाडिमदंतिकुठमंजीठ चंदनपद्मका छसुनईठ विडंगपृष्टपर्णीगजकेसर तालीसपत्रकंडयारीसंगधर जहसभकर्षकर्षपरिमान प्रस्यएकघृतकरो मिलान पुनहिंचतुरगुणजलतिहपावे मंदअग्निधरघृताहिपकावे वलअनुसारनित्यघृतखाय अपस्सारउनमाद-मिटाय ज्वरकंडूदद्रीयहनाशै दाहशोकमंदाग्निविनासें वातरक्तपीनसपरमेह भूतउन्मादनिकारेएह त्रिती यचतुर्थकतापनिवारै गदगदवाणीपांडुविडारै कटपीडामूत्रकृछ्रइहजान होवेइनरोगनकोहान वंध्याइस्त्री जोइहषावै पुत्रजणैअत्सयसुखपावै धनआयुरवलपुष्टप्रकाशै अलक्ष्मीसभग्रहपीडानासें पिशाचराक्षस-मकोभयटारै कल्याननामघृतयहगुणधारै पुंसवनहिंयहश्रेष्टपछानो वंगसैनभाष्योत्योंमानो . अथधूपः ॥ चौपई ॥ गीदउरीक्षसेहकेवाल लसणहिंगुसमलेहुसम्हाल वत्समूत्रसोंपीसेजोय करैवर्तिकाछांहिसुकोय-अग्निधारसोधूपधुपावै भूतादिउन्मादतासकोजावै ॥ अंजन ॥ चौपै ॥ सरींहवीजलसणवचलीजै स्वे-तसर्षपामघाभनीजै सुंठमुंजीठहलदलषलेय वत्समूत्रसोंपरलकरेय छांहिसुकायवर्तिकाजोय अंजन-कीजेनेत्रनसोय भूतादिकउन्मादनसावे वंगसेननमतअैसेंगावै अन्यचधूप ॥ चौपई ॥ कुपास-बीजकोगिरिकढाय मोरपंक्षकंडयारीपाय पिंडीतकनिर्माल्यपछान दालचीनीअरुमांसीठान वर-चाविडालविष्टातुषलीजे नरशिरकेशगोशृंगलहीजे सर्पकंजहस्तीकोदंद मरचाहिंगुनतसमलेवंद धूप-

धुंषायव्याधीकोंदेय भूतादिकउन्मादहरेय अरुकल्याणघृतताहिषुलावै अथवासंगचेतसघृतषावै नाना- रायणितैलहिषाय अरुसोतैलनिजदेहमलाय उन्मादसकलभूतादिकनाशें वंगसेनमतश्रैसेंभाषैं अन्यच गजपिपलअरुपिपलामूल आंवलेत्रिकुटासर्षपसमतूल गोधावृषभनकुलमार्जार इनकेपि- त्तेपीससुधार पीवैमर्दनकरैनसवार उन्मादरोग सोदूरनिकार दोहा उन्मादचिकित्सायहकहीवंगसेनके- भाय आगेंयाकेपथअपथभाषोंसभहिंसुनाय इतिश्रीउन्मादरोगचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथउन्मादरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यउन्मादकेसुनहोपुरुषसुजान वैद्यशास्त्रअनुसारसभतिंहकोंकरोंवषान ॥ अ- थपथ्य ॥ अडिल्यछंद ॥ वातविकारजुहोयतुघृतपीवाइंये पित्तविकारहिंमध्यरेचकरवाइंये कफविकारतें- वमनसुमनअनुमानहो तीनदोषकेपथ्यइसीविधिजानहो झिडकनमारनत्रासनवांधनजानिये चर्षणदानकरा वनमनपहिचानिये वहुधूआंतिसदेयक्षोभउपजाइंये शिरताडिनअरुरुधिरमोक्षलषपाइंये जलसिंचनआ- श्चर्यकर्मविस्मयउपजावन धीरजअवरजुधूम्रपानतिसकोंकरवावन वुटणातैलाभ्यंगसुशीतलतनलेपन कण कमुंगअरुचावलवहुसुरभीगंधषेपन कोसादुग्धपिवावनअवरपटोलसुन वूटीब्राह्मीपत्रधौतशतघीउपुन- वाथूअवरचुलाईंशाकपछानरे कूषमांडप्राचीनसुमनअनुमानरे मूत्रअश्वषरजानअवरनसवारही पुनवर्षा- जलपथ्यसमुझउरधारही हरडसुवर्णकेपत्रछुहारेजानिये द्राक्षकपित्थपछानपनसफलमानिये कामक्रो- धभयशोकदुखपुनमोहजो इन्हतेंजोउन्मादप्रगटतनहोयसो कामादिकजुविकारनतैंविपरीतही व्याधी- कोहिवतावैवैद्यसप्रीतही इष्टवस्तुकेनाशहुतेंयहदुखलगे इष्टवस्तुकरप्राप्तसुपथहींरुजभगै जोजानेउन्मा ददेवरीषिपित्रकर सर्पअवरगंधर्वकोपतैंलषैनर अंजनअरुनसवारक्रूरअतिकर्मजो इन्हउन्मादनमांहि नकरियेजानसो इन्हउन्मादनमांहिपथ्यसुनलीजिये पूजासुरपित्रादिकविधिवतकीजिये शांतिहोमविधिवत करैनेमव्रतधारने इष्टमंत्रजपमंगलपाठउचारने विधिवतदेवैदानमुखोंसतवोलना प्रायश्चितपुनकरैचित्तन- हिंडोलना रत्नऔषधनिवग्रहधारनकरणियां देवाधिककेदोषपथ्यविधिवरनियां जोजानेउन्मादभूतके- दोषकर शिवशिवगणअरुगुह्यकपूजैप्रीतधर अरुब्राह्मणकोंपूजैविधिवतदानदे श्रद्धाप्रीतसंयुक्तवडोप- थजानले यहसभपथ्यप्रकारभलीविधिभाष्यो समुझआपनोचहियेभेदनराष्यो ॥ दोहा ॥ पथ्यकहैउन्मा- दकेविधिवतसमुझसुजान आगेंकहोंअपथ्यसुनजैसेंलिखेपुरान ॥ अथअपथ्यं ॥ अडिल्यछंद ॥ अन्नपानजुविरुद्धअपथ्यपछानिये तप्तजुषावैभोजननिद्रामानिये क्षुधात्रिषाकोवेगजुरोकरषावहे तीक्षण- वस्तुकरेलेशाकपतषावहे ॥ दोहा ॥ उन्मादरोगकेपथअपथवरनेभलीप्रकार इन्हकोंजानेवैद्यनरताकीवु- द्धिउदार ॥ इतिउन्मादरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ दोहा ॥ उन्मदरोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्रीउन्मादरोगसमाप्तम् ॥ शुभम् ॥

॥ अथउन्मादरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥ कर्मउपाय ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ ब्रह्माविष्णुशिवपित्रहिंजोय इन्हकोजोनरनिंदकहोय अरुइन्हहूंकोअ- प्रसुरावै उन्मादरोगताकोंप्रगटावै तिसकोऐसेंकह्योउपाय सोसुनअपनेमनहिंवसाय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ विष्णुमूर्तस्वर्णपलदोय रोगीवनवावेसुनसोय ऊपरपीतांवरओढाय पांचद्रोणतंडुलवैठाय

सूर्यइंद्रयमचित्रगुप्तसंग पूजनकरेमनधारउमंग विष्णुमंत्रसोंहवनकरावे ब्राह्मणवरहिंदेयहितलावे उन्मादरोगहोवैतबनाश कर्मविपाककियोपरकाश ॥ दोहा ॥ उन्मादरोगवरननकियोकारणसहितउपाय कासरोगवरननकरौसुनलीजैचितलाय ॥ इतिउन्मादरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथउन्मादरोगज्योतिष ॥

वुधकेगृहमोसूर्यवरअथवालग्नमोसोइ दृष्टीहोवेताहिपरदेव८७ रूसमहोइ तिहकरउन्मादहिकरैहोवैमस्त गवारवुधपूजापरधानातिहजोमनरहैसुधार ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथभूतादिककेउन्मादकेमंत्रयंत्रसर्वशास्त्रके अनुसारलिखतेहैं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमभूतादिकयत्नयहकरै आपपवित्रअपनीरक्ष्याधरै कालीमिरचपिपलसैंधानौन गोरोचनमहीनकरतौन सहतमाहिअंजनजोकरै तौभूतादिकानिश्चैहरै ज्वरप्रकरणमोभूतज्वरमाहीं श्रीनृसिंहकामंत्रतहाहीं उसेमंत्रभूतादिकजाय अगेताकोकहौंसुनाय अबरउडिसिमेंसावरमंत्र महादेवनेलिखियातंत्र सोआगेलिखनेमेंदेख चतुरजानमनभूतअलेख ॥ ऊँनमोभगवतेनारसिंहाय अतुलवीरपराक्रमायघोररौद्र महिषासुररूपाय त्रैलोकडंवराय रौद्रक्षे त्रपालायह्रोंह्रो कींकीं क्रमितिताडय २ मोहय २ द्राभि २ क्षोभय २ आभि २ साधय २ ह्रीहृदयेआशक्तयप्रीतिंललाटेवन्धय २ ह्रींहृदयेस्तंभय २ किलि २ ऐंह्रींडाकिनीं प्रच्छादय २ साकिनीप्रछादय २ भूतंप्रछादय २ अभूतिअदूतिस्वाहा राक्षसंप्रछादय २ ब्रह्मराक्षसंप्रछादय २ आकाशंप्रछादय २ सिंहिनीपुत्रंप्रछादय २ एतेडाकिनीगृहंसाधय २ साकिनीगृहंसाधय २ अनेन मंत्रेण डाकिनी साकिनीभूतप्रेत पिशाचादिएकाहिक द्वाहिक त्र्याहिक चातुर्थिक पंचमक वातिक पैतिक श्लेष्मिक सन्निपात केसरी डाकिनी ग्रहादिमुंच २ स्वाहा गुरुकीशक्तिमेरीभक्ति फुरोमंत्रईश्वरोवाच यामंत्रकोइकीसवार मोरपंखवाजलसेझाडे अथवालोहकीवस्तुसेझाडे सबउन्मादरोगीकोंटारै

॥ अथडाकिनीसाकिनीकेवुलानेनेकामंत्र ॥

ऊँनमो आदेसगुरूकों ऊँनमोजय २ नृसिंह तीनलोक चौदहभुवनमें हाथचाव ऊठचाव नयनलाल २ सर्ववैरीपछाडमार भक्तनकोपणराखआदेश २ पुरुषको चौपै इसमंत्रकीक्रियावषानो प्रथमरोगीकोबिठायकरमानो आपपवित्रजलपात्रमोलिय इहमंत्रपडफूकजलदेय पुनउसरोगीजलाहींपिलाय जलपीवतपूछेतिहचाय साकिनिडाकिनिजोहदेमझार निश्चैबोलउठेइकवार

॥ अथडाकिनीबुलानेकामंत्र ॥

ऊँनमोचढी २ शूरवीरधतीचढ पातालचढिपगपालीचढाकौन २ बीरचढा हनुमन्तबीरचढाधरतीचढी पगपानाचढीएडीचढी २ मुखेचढी २ पीडरीचढी २ गोडाचढी २ जाघचढी २ कटिचढी २ पेडचढी २ पेटसेधरणिचढी धरणिसेपांसल्याचढी पांसल्यासेहियेचढी हियेसेछातीचढी छातीसेंखवाचढी खवासेंकंठचढी कंठसेंमुखचढी मुखसेजिम्हाचढी जिम्हासेकानोंचढी कानोंसेआखोंचढी आंखोंसेललाटचढी ललाटसेंसीसचढी सीससेंकपालचढी कपालसेंचोटीचढी हनूमान नारसिंहकरवारात्मा चल्यावीर लमदवीर दीवबीर अग्यावीर सोसन्तावीर मेबीरचढयाफुरहोमंत्र इसमंत्रसे झकरावे तोउस पुरुषमें वह निश्चयआयबोले

॥ अथडाकिनीकेचोटलगनेकामंत्र ॥

ऊँनमोमहाकाया योगिनीयोगिनी पारसाकिनीकल्पवृक्षीय दृष्टियोगिनी सिद्धरुद्राय कालदंडेन-साधय २ मारय २ चूरय २ अपहर २ साकिर्नी सपरिवारंनमः ऊँग्रैं ६ ऊँह्रिंटंह्रींह्रींफट्स्वाहा-॥ चौपै ॥ यामंत्रकीक्रियासुनलेय सातवारपढगुगलमंत्रेय औखलीडालमूसलसेकूटत तौवहटकोरडाकिनी-परझूटत जोइसमंत्रसिरडाकिनीझूटै मंत्रप्रभावतिहमस्तकफूटै याहिमंत्रपढमाषप्रमान डालेबोलैज-लनलगान जोतिहमाषआषनपरमारै तौवहखेलउठेबरदारै

॥ अथडाकिनीकेदोषदूरहोनेकाझाडा ॥

॥ चौपई ॥ मोरपंखवाछुरीप्रमाण झाडाकीजेचतुरसुजाण ॥ मंत्र ॥ ऊँनमोआदेशगुरूको डा-किनीसिहारीकिसनेमारी जतीहनुमंतनेमारी कहांजायदबकी किनदेखी जतीहनुमंतनेदेखी सात-वेंपातालगई सातवेंपातालसैंकौनपकडल्याया जती हनुमंतपकडलाया एकतालदे एककोठातो-डा दोतालदे दोकोठेतोडे तीनतालदेतीनकोठेतोडे चारतालदे चारकोठेतोडे पांचतालदेपांच-कोठेतोडे छःतालदेछेःकोठेतोडे सातवाकोठातोडदेखतौ कोनेमें खडीहैडाकिनी सिहारी भूतप्रे-तचला जतीहनुमन्ततेरेझाडेसेचला ऊँनमोआदेशगुरूको गुरूकी शक्ति मेरीभक्ति फुरो मंत्र-ईश्वरोवाच

॥ अथडाकिनीकेदूरहोनेकायंत्र ॥

७	७	९	८
ऽ	५	४	६
४	॥।	ऽ	११
७।	५	१॥	॥

॥ इसजंत्रकोपाणीमोघोलपीवै तोडाकिनीदूरहोइ ॥

११ऽ	६६	१	५
७	४	७	९१
ऽ	=	।	-।-
९	२	ऽ	४०

इसमंत्रकोवालककेगलेमेंवां ॥ धेडाकिनीदोषनपावे

॥ अथहजरायतकामंत्र ॥

ऊँनमःकामाख्यायैसर्वसिद्धायै अमुककर्म्मंकुरुकुरुस्वाहा अस्यमंत्रस्यवन्हिकऋषिः जगतीछंदः का-माख्यःदेवता प्रणवःशक्तिः अव्यकंकीलकं अमुककर्म्मसिजपेविनियोगः ऊँअंगुष्ठाभ्यांनमः का-माख्यायैतर्जनीभ्यानमःस्वाहा सर्वसिद्धिदायैमध्यमाभ्यांवषट् अमुककर्म्म अनामिकाभ्यांहुंकुरुकुरु क-निष्ठकाभ्यांवौषट् स्वाहा करतलकरपृष्ठाभ्यांअस्त्रायफट् ऊँनमोहृदयाय कामाख्यायैशिरसिस्वाहा

सर्वासिद्धिदायैशिखायैवषट् अमुककर्म्मकवचायहुं कुरुकुरुनेत्रत्रयायवौषट् स्वाहा अस्त्रायफट् अथध्यानम् योनिमात्रशरीराया कंगुदामिनिकामदा रजस्वलामहातेजाकामाक्षीध्यायतांसदा अस्यमंत्रस्यसहस्रंजपः गुढहलकेफूलोंकी १००० आहुती ॥ चौपई ॥ मैनफलराखरूईलपटाय बातीकरतेलदपिधराय उसदीपककीपूजामनचाय दीपकअग्रवालकवैठाय अठदसवर्षप्रमाणसोवालक पवित्रशुद्धसुछकुलदायक देवकगणकारथापनकरना आपपवित्रसंकल्पजलकरणा सोजलमैनफलफूलपरडाले दीपकआगेयहयंत्रलिखवाले लिखकरयंत्रपूजातिहकरै फुनइहयंत्रवालकप्रतिवरे ताहिहथेलीमैनफलबाती जिसकरतेलसैनदिखराती फिरपूछैतिहजोवहदेषै सत्यसत्यसमाचारसोलेषै जोदेखैसोसवबहुकहै संसैकछूमनमैनहिरहै

१	८	३	८	न
५	६	३	६	र
७	२	९	२	क
७	४	५	४	ली

यहमंत्रहजरायतकाकहै अथवाकंन्यास्वच्छतिहरहै कुलीनपवित्रकन्यावैठाय जोदेखैसोकहैबताय तिहपाछेदशांशतर्पणकरै दशांशब्रह्मभोजनसोवरै ॥ इतिहजरायतकीविधिसंपूर्णम् ॥ शुभम् ॥

॥ अथभूतादिकनिवारणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ निंबपत्रवचहींगसपकांचअर सरसोंमिलधूनीदेमनधर भूतडाकिनीसबदोषजुजाय अमृतसागरग्रंथदियोबताय पुनः कपासकाकअरुमोरचंद्रिका कटेलीशिवनिर्माल्यफुनमरुवका तजछडवेलदांततुषवचधर विष्टामारजारसर्पकांचवर केसगोसिंगहाथीकोदांत हिंगकालीमिरचइहभांत सबकोसमकुटधूनीदेय भूतादिककेदोषहरेय यहमाहेश्वरधूपकहाय चक्रदतमोदियोबताय पुनः पीपलकालीमिरचगोरोचन सैंधानोनसहतसोपीसजन अंजनदृगर्मोपावैकोय सर्वभूतदोषहरैसोय पुनः कणगचजडदारुहलदीआन सरसोंकुठहिंगवर्चसमान मंजीठत्रिफलासुंठलेपीपल कालीमिरचप्रियंगुफूलसमबल अजामूत्रमोपीसनस्यपाय अथवाअंजनताहिकराय सर्वभूतदोषमिटजाय भावप्रकाशादियोजुवताय पुनः गोरखगोखरूऔरबिनौले अथवाकाकडकोंगोमूतमेंमिले पीसनासलेतोइहकरै ब्रह्मराक्षसकोदोषपरिहरै पुनः संखाहोलीकीजढल्याय चावलजलवाघृतपीसाय नासदेइभूतादिकहरै इहभूतादिकहरनाचितधरै ॥

॥ अथअन्यप्रकारउन्मादरोगकथनं ॥ रोगउन्माद. फारसि. मालिषौलिआ.

॥ चौपै ॥ सुदाईरोगदिवांनालहिए आदिकार्णाउन्मादसोकाहिए बातअधकदुष्टसोहोई जिगरतिलीआमाशयसोई वादिमागमेंअतिबलपावे चित्तकबुद्धीसोईहटावे सदाराहितचिंतामनमाही मृत्यूकाभयउपजतताही तिरमिरनेत्रनआगेहोई नीलपीतलालरंगसोई झूठीबातअ चिंततबानी कमला-

पनकीएहनिसांनी सकारहोएजोपढेनकार सानुनानुकरेउचार अथवासन्दश्वानवतवोले उन्मादरोग-ताहीसंगडोले नेत्रअधिकफेरेनरजोई उन्मादरोगइनकारनहोई जेकरसीतलसुआसजोआवे नाडी-अतिकरडीहोजावे उन्मादरोगऐसाजवहोई आगेऔषधसुनिएसोई ॥ उपाय ॥ शीतलजलगुलाव-संगपावे शिरपरधाराताहिकरावे श्निग्धवसतुअतिहीनरखावे औषधकरजोनिद्राल्यावे ज्पोखसखस-गुलरोगनलीजें सिर्केसंगलेपासिरकीजें उन्मादरोगऐसेंहटजावे वासलीकर्तेरुधिरछुडावे उमरसमय-जोग्यताजांनो रेचकयतनताहिहितमांनो गुडहरीडरेचनविधजोई दशमूलीक्वाथदीजिएसोई सर्वतनी-लोफरकाखावे उन्मादरोगऐसेंहटजावे वनफसारोगनताहिमंगावे अथवानीलोफरकाल्यावे प्रतिदिन-सोईनासिकापाय भोजनकोमलचिकनाखाय दुंवेकाफुनिमांसमंगावे सोराकरकेसोईखुलावे खुष-कीदाघदेहमेजोई उन्मादसहितनासेसभहोई दुंवेकीफुनिमिझमंगावे ताहिभुंनकरखंडरलावे प्रभात-समेनितसेवनकरिए उनमादरोगताहीछिनहरिए हऊवेरकहलीमंगवावे कुलंजनलौंगमस्तकीपावे जै-फलजलपत्रीसंगलीजें कचूरइलाचीवालऽदर्जि कवावचीनीखसखासमंगाय वावडिंगपोसतसंगपाय महामेदअरुमेदमंगावे सुपारीकथसुपेदापावे पिर्यंगफोकचित्रासंगपाय जुआइनअरुअजमोदाल्याय तोलाडूडडूडमंगवावे धांईपुष्पसेरपंजपावे करइकत्रसभऔषधपाय नीरपांचमणवीचपकाय आधारहे-क्वाथपुनलर्जि गुडमणएकताहुमेंदीजें दाखसेरदससंगमिलावे थिंदेभांडेवीचरखावे मुखकरवंदवीसदिनसोई राखयतनगुडआसवहोई प्यालेदोभरानित्यपिलावे प्रातरातअरुपालकरावे भोजनकोमलथिंदाहोई पुष्कव स्तनाखावेसोई गुडआसवकासेवनकरीएउन्मादरोगताहीछिनहरीए रहसनपत्रमघांमंगवावे जढभरखडेकी संगामिलावे दोकंडेआरीकीजढलीजे छिलकासीवनकासंगदीजें पाडलवाथुसंगमिलाय वैंतंवृक्षकाछिल-काल्याय अर्कोधरसालूनीसंगपावे मषाराखयरकीजढल्यावे सणसतावरिसंगामिलाय सभसभभागऔष-धीपाय चौदांचौदांमासेल्यावे आठसेरजलपायपकावे नीरसेरदोइरहजाय चारसेरघृतसंगामिलाय चाढअ-अपरताहिपकावे क्वाथजलेजवघृतहरजोवेअथवाकदूरोगनपावे वदांमरोगनवापायपकावे भोजनसंगनि-ताप्रातीखाय मर्दनरातसमेसुखदाय कर्नवचिघृतपावेसोई उन्माददूरापितवातजकोई संभालूजढसिकासं गपाय पीसदेहपरलेपकराय नसुआरकरेसुंहेनरसोई उन्मादरोगनासेइमहोई सुठीसोदस मासेल्यावे खसखसतोलेदोईमिलावे कंडुनीनौतोलेसंगपाय ठाईतोलेखंडरलाय केशरमासेदोईमिलावे तींनसेरगोदुगधपकावे आधसेरदूधरहजाय पीसऔषधीताहिमिलाय जाविधदूधापिलावेकोई उन्मा दरोगसभनासेहोई तोलेतींनहरडमंगवावे सनामकीदोतोलेपावे त्रिवीश्वेतसतमासेल्याय मासेसातदा खसंगपाय चारसेरजलपायपकावे नीरसेरइकजवरहजावे मुसबरसाडात्रिमासेल्याय दोमासेखारीलूण रलाय पीसकुआथकेसंगमिलावे सातोदिनतकक्वाथपिलावे तींनवारप्रतिदिनकरपांन भोजनअजा मांसपहचांन सरीरशुद्धहोजावेजर्वहीं उन्मादरोगसोनासेतवहीं दुंवेकाफुनिमगजमंगावे कुकडांड. कीजरदीपावे रोगनकदूखंडमिलाय खावेनितउन्मादहटाय दवाउलमिसकऔषधीजोई नरेलगरी. सोतासंगहोई दोइमेलनितसेवनकरीए उन्मादरोगताहीछिनहरीए लालवस्त्रपहरेनरसोई सुगंधीराग रंगपुतहोई पोस्तकाछिलकामंगवावे नीलोफरकेपत्रमिलावे नीरपायकरकुआथवनावे मस्तकऊपरधा.-रालावे दूंवेकगुरदावनवावे मिठाभोजनथिंदाखावे ॥ दोहा ॥ गोकादूधमंगायकेगरीताहुसंगपाय का. ढाकरकेपानकरनितप्रतिखंडमिलाय खुषकीदूरबिचारिएहोवेचित्तहुलास उन्मादरोगसोदूरकरकहीचिकि त्सातास इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांउन्मादाधिकारकथनंनामत्रिविंसोऽधिकारः २३

॥ अथकासरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासजुषांसीकोंकहैंताकोकहौंनिदान जैसेंवरन्योशास्त्रमोतैसेंसुनोसुजान ॥ चौपै ॥ धूम्रां-अवरधूरयहदोय मुखनासामोप्रविशेंजोय अरुजोरूषोभोजनकरै अतिव्यायामजेऊअनुसैर अरुजो. जनछिकाकोरोके ताकोषांसीआकरकोपे अरुजोशीघ्रअन्नकोंषावै कछुनासककपालउठजावै ताको षांसीप्रगटतहोय अवरप्रकारसुनोअवसोय हृदयवायुहृदयतेंचलै उदांनवायुसंगआकरमिलै भग्नकांस. पातरकीन्यांई शब्दकैरषांसीतिहठांई अरुपीनसतैंहोवतषांसी कंठरुकेज्योंरोकेफांसी पांचप्रकारभेद इहजानो भिन्नभिन्नसोप्रगटवषानों एकवाततैंहोवतजान एकपित्ततेंहोतप्रमान एकहोतकफतेंसुनलीजै इकउरक्षततेंहोतपतीजै राजयक्ष्मतैंहोवतएक इहप्रकारलहुपांचाविवेक इकतेंदूसरिवलीपछानो दूसरि. तेंतिसरिपरिमानो तीसरितैंचौथीवलवान चौथीतैंपंचमिवलिमान उत्तरोत्रयोंवलीपछानै याकेपूर्वरू. पयोंजानै ॥ अथकासपूर्वरूपं ॥ चौपै ॥ सूकोन्याईकंठमंझार चुभहैकासकीनउचार कंठमध्यषुजलीसी. होय रुचभोजनकीनाशैसोय,

॥ अथवातकृतकासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदयउदरशिरपीडाहोय अरुपार्श्वोंमोंपीडाजोय अथवामस्तककेइकठोर पीडाहोव-तहैवडजोर मुखकेऊपरकृशताधावै स्वरवलदेहक्षीणहोइजावै अरुवहुवेगकैरसोकास सूकीषांसीकैर-प्रकास ऐसीषांसीजाकोंहोय वातकासजानोतुमसोय

॥ अथवातकासरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासचिकित्साकोंकहोंवातजक्रमअनुसार ज्योंसमुझीवंगसेनतेंभिन्नभिन्नपरकार

॥ चौपै ॥ ब्राह्मणभोजनवडोउपाय तापाछेंऔषदसुखदाय क्वाथश्रेष्टताकोंदसमूल वालघुपंचमूल-हरशूल मधुघृतदुग्धस्निग्धजोवस्त वातकासकोंअहैंप्रशस्त जेकरवातदोषअतिहोय ताहिसुखदसनिग्ध-हैजोय अरुघृतभूनींसुंठप्रमान जानलहोहेपुरुषसुजान ॥ अथअविलेह चौपै ॥ ककडशृंगीमघांमंगाय सटीमुथ्रभिडंगीवासापाय गुडतिलतैलमिलायसुचाटै वातकासदुखकोंयहकाटै ॥ अन्यच ॥ भिडं-गीद्राक्षमघाअरुनागर ककडशृंगीसटीजुसमधर गुडअरुतैलामिलावैसोय चाटैवातकासहतहोय अन्य-च ॥ सुंठकाएफलककडशृंगी द्राक्षकचूरमिसरीलेचंगी तैलमिलायजुचाटैतास वातकासहोजावैनास ॥ अथदशमूलीघृत ॥ चौपै ॥ दशमूलीकोक्काथवनावै ताहिभिडंगीचूरणपावै श्रेष्टतित्तरकोरसमास पावै घृतजुपकावैतास सोघृतरोगीपीवैसोय वातजकासनाशतवहोय ॥ अथभार्गीघृत ॥ चौपै ॥ भिडंगी चूर्णघृतसमलेय दहीचतुर्गुणतामोंदेय कंडयारीरसदुगुणमिलाय पकावैषावैकासामिटाय ॥ अथरासना घृत ॥ चौपै ॥ रहसणअरुदशमूलसतावरि पलपलयहलीजैइकठेकरि कुलथअवरयवविदारीकेफल एहलीजेंहेतीनतीनपल अर्धतुलाभरलेराजमाष द्रोणतोयजुपकावैतास पादशेषरहैवहजवै आढकघृत. जुतपावैतवै अरुआढकदुग्धसुताहिमिलावै ताहिपकायवस्तुयहपावै जीवकरिषभमेदकाकोली मुलठ.

जीवंतीतामोघोली रिद्धिवृद्धिपलपलपारमीन षावैमेलस्वबलअनुमान वातकासकीपीडाजावै सर्वांग-वातशिरकंपनसावै ॥ अथचित्रादिघृत ॥ चित्रात्रिकुटापीपलमूल मुथ्रजवांहापुष्करमूल श्रेयसीसुरसा-वचाभिडंगि रहसनकचूरगिलोयजुशृंगि यहसभकर्षकर्षपरिमान तुलार्धकंडचारीकोरसठान क्वांथशे-षवीसपलजवै षंडरलायवीसपलतवै अर्धकुडवमघचूरणपाय वंशलोचनपलचारमिलाय नितचाटैनि-जबलअनुसार कासगुल्महृदिरोगनिवार ॥ इतिवातकासचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तकृतकासलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ उरमेंदाहमंदज्वरहोय कटुमुखअरुमुखसूकैजोय कफकटुपीतनिकलतीरहै त्रि-षाहोयपितषांसीलहै सर्वांगदाहकरयुक्तहेजोय पांडुवर्णजानोनरसोय ॥

॥ अथपित्तकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ क्वाथ ॥ काकोलीकंडचारीबासा सुंठमेदमहामेदहिंतासा समकरक्वाथदुग्धयुतपीवै पित्तकासनासतवथीवै वाइनकरयुतयूषवनाय पीवैरोगीकासमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठमुन-काह्रीवेरकचूर कंडचारीयहसमलेपूर क्वाथहिंघृतशरकरामिलावै पीवैपितकीकासमिटावै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ शरादिपंचमूलकरक्वाथ मघांमनक्काडारैसाथ दुग्धशरकरामधुजुमिलाय पीवैपित्तकासमिट-जाय ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ द्राक्षछुहारेमिसरीमघलाजा समचूरणकीजैहितकाजा मधुअरुघृत-मिलायकरखावै तुरतहिंपित्तकासामिटजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ द्राक्षमुलठछुहारेआन मघांमरचसमचू-रणठान मधुघृतमेलचटावेजास तुरतहिंनासहोएपित्तकास॥ अथषट्प्रस्थघृत ॥ चौपई ॥ गोमहिषीभेडअ-जाकोक्षीर धात्रीफलरसजानोधीर षष्टमइन्हमेंघीउमिलाय प्रस्थप्रस्थजानोसमभाय मंदअग्निसोंताहिपका-वै षावैपित्तकासमिटजावै ॥ अथक्षीरघृत ॥ चौपई ॥ वटादिक्षीरवृक्षअंकुरलेय नीकेंकूटैचूर्णकरेय चतु-र्गुणपयघृतपायपकावै चूर्णद्राक्षयुतघृतसोंषापै पित्तकासकोहोइहैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अ-न्यक्षीरघृत ॥ चौपई ॥ क्षीरवृक्षकेअंकुरलीजै ताकोविधिवतक्वाथकरीजै जवक्षारघृतमेलपकावै-पिवैकाशपित्तसुखपावै वाचाटेमधुयुतजोयाश पित्तकासकोहोइहैनाश कहीजुनरकोपित्तजकाश करी-चिकित्सातासप्रकास ॥

॥ अथकफकृतकासलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ कफकरमुखसनिग्धजोरहै अंगपीडशिरपीडादहै कफकरपूरणसभतनभासै भातभक्षणकी रुचीतिसनाशै भारीहृदालषतहीरहै कफसनिग्धनिकसेयोंलहै ॥

॥ अथकफकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जाहिकासकफप्रगटेआय ताकोंछर्दअहैसुखदाय लंघनउपायसुनावैतास जातेंहो-यकासकफनास ॥ अथनवांगपूष ॥ मुंगआमलेयवमूलीमूल दाडिमकुलथवदरीफलतूल पुनापिपली-सुंठिकोक्वाथ मुंगादियूषमेंकरइकसाथ यहनवांगपूषजोपीवै कासकफजहरहैसुखथीवै ॥ अथपाणा ॥ ॥ चौपई ॥ ककड़शृंगीहिरडपतीस मुथ्रकचूरआद्रकशिलपीस घोलतोयहिंगुसेंधापाय पीवेकफकी-कासमिटाय ॥ चौपई ॥ क्वाथकुलथप्रथमवनवावै तैलभुन्नमघचूरणपावै पीवैपार्श्वशूलज्वरजाय

श्वासरोगकफकासमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दशमूलीकोक्काथहिंसंग मघचूर्णपीयकासकफ- भंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठकायफलपुष्करमूल मघाभिडंगीलेसमतूल अधिकहोयकफहदारु- कावे पीयेक्काथकफकासामिटावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ देवदारुरहसणजुकचूर ककडशृंगीजिवां- हापूर यहसमचूरणतैलमिलाय मधुमिलायपुनताकोंषाय घोरमहाजोहोइकफकास तुरतहिंकरैताहिको- नास ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटात्रिफलापुष्करमूर चित्राद्राक्षअवरजुकचूर यहसमचूरणकरीवनाय माध्योंतै- लमेलकरषाय षावतहीनासेकफकास वंगसेनयोंकीनप्रकास ॥ अथकंटकारीघृत ॥ चौपई ॥ कं- ड्यारीशाखाफलफूल अवरपत्रलीजैसंगमूल यहपंचांगरसआढकमान घृतपुनप्रस्थताहिमेंठान त्रिकु- टावालाककडशृंगी चित्रासौंचललवणभर्डीगी विल्वआमलेपुष्करमूर हरडजवायणद्राक्षकचूर दा- ड़िमइटसिटचवकाविडंग अमलवेतभषडेधरसंग अमलीअवरजवांहाडार रहसणअवरलेहुयवक्षार कर्षकर्षइन्हकोपरिमान चूरणकरघृतकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै वलअनुसारछाणघृतषावै सर्वकासकोहोइहैनाश हिडकीश्वासहरतालषतास ॥ अथत्रिकुटादिघृत ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाजीरा- वर्चकोमूल अजमोदचवकचित्रासमतूल मांसरसेसमघृतयहजान प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान चूरणव- स्तुजुपीछेगाई कर्षकर्षसोचहिएपाई घृतपकायमधुपायसुचाटै कफकीषांसीतुरतहिंकाटै ॥ अथनिरगुं- डीघृत ॥ चौपई ॥ निरगुंडीपत्रनरसलीजै तासमघृतपकायकरपीजै कफषांसीकोहोवैनाश वैद्यग्रं- थमतकियोप्रकाश ॥ अथवहेडापुटपाक ॥ चौपई ॥ वहेडेकोंघृतयुक्तकरावै गोवरमाहिलपेटधरावै भ- स्मअग्नितिंहकरपुटपाक षायकासकफहरसतवाक ॥ इतिकफकासचिकित्सा ॥

॥ अथवातकफकासचिकित्सा ॥

अथकटफलादिक्काथ ॥ चौपई ॥ कायफलमुथरपापडाभिडंगी धनियांसुंठजुककडशृंगी वरच- हरडकटृतृनसुरदार यहसभसमलेक्काथसुधार मधुअरुहिंगुपायकरपीवै कासवातकफकीहतथीवै कंठ- रोगमुखरोगनसावत ज्वरहिडकीअरुशूलभगावत अथलवंगादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ लवंगजायफल- मघांमंगाय कर्षकर्षतीनोसमभाय अर्धकर्षमरचांलषलीजै सुंठचारपलतामोंदीजै सभसमामिसरीपी- समिलावै यथावलषायवातकफजावै श्वासकासज्वरअरुचीनाशै प्रमेहगुल्ममंदाग्निविनाशै ग्रहणी- इत्यादिकदुखजाय लवंगादिचूर्णयोकह्योसुनाय अथदशमूलादिघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलक्काथ- आढकपीरीमान प्रस्थइक्षुरसकरोमिलान प्रस्थएकघृतताहिमिलावै कर्षकर्षयहचूरणपावै त्रिकुटाविल- कथाहिंगुकचूर अरुपावोसमपुष्करमूर अग्निमंदसोंसभहिपकाय षायवातकफकासामिटाय अवर- वातकफकोजोश्वास सोभीयातेंहोवैनाश दुग्धसाथपीवैघृतजोय वातकाशनाशतिसहोय ॥ अथभृंग- राजतेलः ॥ चौपई ॥ रसभंगरेकोप्रस्थप्रमान प्रस्थएकआर्द्रकरसठान प्रस्थएकगोमूत्रमिलावै प्रस्थएक- कटुतैलरलावै पुनदसमूलकुलत्थमंगाय शुष्कमूलकसुहांजणापाय अवरभिडंगीतामोदीजै कुडवकु- डवइन्हकोंलषलीजैं आढकजवहिंक्काथकरएहु तैलादिमध्ययहक्काथरलेहु सभमिलायमंदाग्निचढावै यह- भीचूरणतामोपावै सौंफवर्चकुठाहिंगुसुरदार त्रिकुटादोनोजीरेडार तीनोलवणजवायणठानो चित्रा- पिपलामूलपछानो शतावरिकायफलपायपकाय कर्षकर्षयहसभसमभाय तैलपीजियेलेनसवार का- सवातकफकोरनिवार नजलापीनसअवरहुंश्वास कफकीसर्वव्याथकोनाश इतिवातकफकासचिकित्सा

॥ अथपित्तकफकासचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वासावृहतीगिलोयकोक्वाथ मधुमिलायपीवेतिससाथ पित्तकफकासतुरत्तमिटजावै वासारसवामंधुयुतखावै कासवातकफकीजहांलहिये तालीसादिश्रेष्टतिसकहिये जोपित्तकफकरहोवैकास तालीसादितंहभीसुखरास परतामोवंसलोचनडारै पित्तकफकोसोकासविडारै इतिपित्तकासचिकित्सा

॥ अथक्षतकृतकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अतिमैथुनअतिभारउठावन अतिमारगमोंतुरताहिंधावन वलीसाथअरुलघुहैजोई तिसहीकरउरमोंक्षतहोई तिसक्षतसंगामिलैजोवात सोऊवातकासउपजात प्रथमहिषांसीसूकीहोय पुनसरक्तकफनिकसेजोय तातैंहृदयकंठमंझार पीडाहोवतवारंवार सूचीवेधवतपीडाहोवत अंगभेदस्वरभेदमुजोवत ज्वरअरुश्वासत्रिषाहोइतास कवूतररवाइवगलस्वरकास क्षतउतपन्नकासयहलक्षण जानलहैजोपुरुषविचक्षण॥

॥ अथक्ष्यतकासचिकित्सा ॥

॥ अविलेह ॥ चौपई ॥ मुलठमघांअरुलेवेदाष शृंगीशतावारिलीजेलाष मात्राइन्हकीसमलषलीजै द्वीमात्रावंशलोचनधरदीजै चतुर्गुणामिसरसिभर्तेपाय चूरणकरमधुघृतसुमिलाय वलअनुसारनिताप्रतिचाटे क्ष्यतकीकासतुरतयहकाटे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जीवनीगणयुतघृतजुपकाय षावैक्षतजकासमिटजाय ॥ अन्यच ॥ पित्तकाशहरहेजोवस्तु क्षतजकाशमोसोईप्रशस्तु ॥ अन्यच ॥ यवागूमधुरवस्तुसंगासिद्ध पीवेक्षतजकाशहोयदग्ध ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघांकुमदनीफलकंडयारी द्राक्षमुनक्काचहियेडारी सभपिसायमधुघृतजुमिलाय चाटैक्षपतजकासमिटजाय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ मूर्वासुरमाहलदमजंठि मघचित्रापाठासमझोइंठ यहसमचूरणमधुजुमिलाय नितचाटै क्ष्यतकासमिटाय ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ गन्नेकारसमधुघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय नितपीवैक्षतकासमिटावै कासनिवारजीवसुखपावै ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ कमलफूलअवरलषभेहकुमदनिचंदनसमधरएह इक्षूरसअरुतालमषाणा. सोभीइसकेसंगरलाणा दुग्धमिलायकाढमधुकरपीवै क्षपतकीकासनाशतवथीवै इतिक्ष्पतजकासचिकित्सा

॥ अथराजयक्ष्माकासलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोभोजननहिआपसुखावै अरुजोविष्मअन्नकोषावै अतिमैथुनअरुवेगरुकावे दयाशोचअतिअतिदुखपावै इन्हतेंकुपहोतजववात अग्निकोउपतप्तकरात तातेंदोषत्रयकोपदिखावत क्षयीकाशअत्सयउपजावत ज्वरअरुदाहमोहयहकरै अंगअंगपीडाअनुसरै उदरशूलपुनहोवततास क्षयकोप्राप्तप्राणकरैकास सूकीषांसीकरहैसोय रुधरसपूयलिपटीवाहोय तनकोंमासहोयहैक्षीण तासचिकित्सा कठिनप्रवीण ॥

॥ अथराजयक्ष्माकासचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ मघांकमलअरुलाषपछानो पक्वजुकंग्डारीफलमानो यहसमपीसमधुघृतजुमिलाय चाटैक्षयकीकासमिटाय ॥ दुग्ध ॥ चौपई अजादुग्धघृतसंगमिलावै मघांपीस. गुडसाथपिलावै यक्ष्मकासहोवैतिसनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अथकुलीरादिघृत ॥ चौपई ॥

ककडशृंगीसुंठिजान लवाचिडाहरनपरिमान इन्हकामाससमक्काथवनावै मधुवर्गसंगघृतपायपकावै नितषावैघृतउठपरभात राजयक्ष्मकासकोघात ॥ अथदशमूलघृत ॥ चौपई ॥ दशमूलभिडंगीयवलेचित्रा पाठाकुलथमानलेमित्रा कोलमरचअरुपीपलमूल अरुत्रिफलासभलेसमतूल विधिवतक्काथकरैसुवनाय-पुनतामोंयहचूरणपाय मघांजवांहासंठकचूर ककडश्वृंगीपुष्करमूर याहीसभसमघृतकोंपावै सिद्धकरैघृतछाणधरावै पांचलवणअरुदोनोंक्षार समपीसेलेघृतमोंडार बलअनुसारनित्यघृतषावै राजयक्ष्मकीकास मिटावै ॥ अथअसगंधादिघृत ॥ चौपई ॥ शुद्धदिशाअरुदेशनिहार शुभनक्षत्रयोगशुभवार इक-शतजढअसगंधउषारे कूटद्रोणजलमोंसोधारै क्काथअष्टमसेषरहैजव वस्त्रछाणधरैताकोंतव पुनदोइशतपलछागलमास अग्निचढायलेहुरसतास प्रस्थसोऊघृतप्रस्थमिलावै चारप्रस्थगोदुग्धरलावै पुनकाकोलीक्षीरककोली दोनोंद्राक्षपीसतिहघोली जीवकमेदऋद्धिवृद्धिमुलठ रीषवजीवंतीवलाइकठ जीरकक्रौंचवीजपुनआन हरडगजपिप्पलकरोमिलान दोयलायचीमघांमिलाय विदारीकंदशतावरीपाय कर्षकर्षइन्हकोपरिमान कूटपीसतिहकरोमिलान मंदअग्निसोंताहिपकावै सिद्धघृतहिंशरकरमधुपावै कुडवकुडवइन्हकोपरिमान कूटपीसतिहकरोमिलान मंदअग्निसोताहिपकावै करेसिद्धघृतमधुसर्करपावे कुडवकुडव-इन्हकोंपरिमान सुष्टपात्रमोताकोंठान षावैताकोवलअनुसार ताकेगुणसुनकरोंउचार बालकवृद्धहोयजो-क्षीण यक्ष्मक्षीणइहलषपरवीण इंद्रियवलकरक्षीणजुहोय होयआरोग्यपुष्टवलसोय सहत्तरवर्षकोवृद्धजुषा-वै प्रापनयुवाहोयदरसावै वहुइस्त्रिनकोंभोगेसोय ताकोवीरजक्षयनहिंहोय षावेतीनमासपरयंत होवेसो-नरअसवलवंत शतनारीभोगनसामर्थ असवलप्राप्तलहोयहअर्थ तनदुर्गंधझुरडीसितकेश नाशेंभाशेंसुंदरवेश पुत्रार्थीनारीजोषाय ताकोपुत्रहोयसुखदाय अरुवंध्याइस्त्रीजोषावै पुत्रजणेअत्सयसुखपावै वात-व्याधसभजांहिविकार यहवाजीकरणपरमघृतसार ॥ इति ॥ अथापेप्पल्यादिअविलेह ॥ चौपई ॥ मघपीपलमुलठयहदोय पीसोकर्षकर्षलेसोय मिसरीइकपलपीसमिलाय गोघतप्रस्थमिलायवनाय अजादुग्धप्रस्थजोएक प्रस्थइक्षुरसलहोविवेक चूर्णद्राक्षयवगेहुंजान चारचारपलयहलषठान रसआमले-चारपलपावै तैलदोयपलतासामिलावै मंदअग्निधरताहिपकावै मृदूपात्रमोंपायधरावै मधुमिलायपुनचाटैतास श्वासकासक्षयहोवैनाश हृदयरोगयहतुरतविडारै एतेगुणयाकेउरधारै क्षईकासरोगहैजोय सन्निपात तेहोवतसोय यक्ष्मकासजाकोंलषपरै सन्निचिकित्सावैद्यसुकरै ॥ इतियक्ष्मकासचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथश्वासकासचिकित्सा ॥

क्काथः ॥ चौपई ॥ गिलोयसुंठपाठाकंडयारी परणीपायसमक्काथसुधारी मघचूरणमिलायकरपीवे श्वा-सकासनाशतिसथीवे ॥ अन्यच ॥ सुंठकुलथवासालेचंगी शुष्कमूलीजुपायाभिडंगी क्काथकरैमघचूर-णपाय पीवैश्वासकासमिटजाय रसआद्रकमधुसमजुमिलाय पीवैश्वासकासनरहाय अवरहुपीनस-कीकफनासै होइआरोग्यतनसुखपरकाशै गुटका ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमुथ्थुगुडसमसांधें निजइछ-यासोगुटकावांधे मुखराषैजुश्वासकीकास निश्चैकीजैहोइसोनाश वापुटपाकवहेडाकरै मुखधरश्वास-कासकोंहरै ॥ चूर्ण ॥ हरडसुंठसमपीसरलावै षावैश्वासकासमिटजावै॥ अन्यचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठी-हरडेंमुथ्थकचूर मघांपीपलींपुष्करमूर गुडरलायकरषावेजोय श्वासकासनाशतिसहोय ॥ अन्यचचूर्ण ॥ चौपई ॥ अष्टांगनामचूरणजोकीजे अजादुग्धसोंसोनितपीजे घोरश्वासकासमिटजावे वंगसेनयों-

प्रगटसुनावै ॥ अन्यच ॥ पंचकोलसमपीसमंगावै अजादुग्धमौंकाढपीलावै श्वासकासतुरतहोंइनास वैद्यग्रंथयौंकरेप्रकास ॥ अथधूम्रपान ॥ चौपई ॥ जिह्कौंकासवहुतवलधरै तातेंवमनसोऊनरकरै अरुस्वरमंदहोयसोजावै नासास्रवैविह्वलताथावै नासातेंदुर्गंधजुआवै ताहितधूम्रपानसुनावै मनशिल-हरताललेमरचांमुथर मांसीइंगुदीयहसभसमकर इकठेकरकैंयत्रधरावै ऊपरअग्निधरपानकरावै पा-छेदुग्धसगुडकरपान श्वासकासछर्दकीहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मनछलपीसमहीनकरावै वैरवृक्ष-केपत्रलिपावै धूपसुकायधूमतिसलीजै पाछेंदूधअजाकोपीजै तातेंमहाकासहोइनाश वंगसेनमतकीन-प्रकास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एरंडधत्तूरेकीजढल्यावै त्रिकुटामनछलसमपीसावै वस्त्रलपेटवाती-सोकरै अग्निलगायधूममुखधरै यहभीमहाकासकोंनासै रोगनिवारअधिकसुखभासै ॥ अन्यच ॥ चौ-पई ॥ अर्कदुग्धमनशिलसमभाय इन्हतेंअर्धपायत्रिकुटाय चूर्णअग्निपरपायधुषावै आषवांधमुखधूम दिवावै महाकासदुखहोवैनाश जानलहोयोंनिजमनतास ॥ अन्यच ॥ चौपई चंबेलीकेजोंआनेपत्तर मनछलएलागुगुलसमकर अजामूत्रसोंपीसेतास अग्निडारधूंमदुषनाश ॥ अथपानपत्रभक्षण ॥ चौ-पई ॥ पानपत्रकोंनित्यषवाय पाछेंअजादुग्धपीवाय ताकोंकासरोगमिटजात सुगमउपायकीनवि-ख्यात ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ कंडचारीकोकाथवनावै मघांपायकरताहिपिलावै खांसीकोहेविदुख-नास सुगमउपायकियोपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ देवदारुरहसनत्रिफलाय पद्मविडंगवला-त्रिकुटाय समधरमिसरीचूरणषावै सर्वकासकोनाशकरावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कुनटीसेंधात्रिकुटा-जान हिंगुविडंगदेवदारूठान मधुघृतमेलजुचाटैतास कासश्वासहिडकीहोइनास ॥ रस ॥ कंडयारी-रसकूटानिकाले तामोमघांपीसकरडाले कासरोगकोहोइहैनाश निश्चैमनमोजानोतास ॥ अथहरीत-कीमोदक ॥ चौपई ॥ हरडकणासुंठीजोलीजै मरचसभीसमचूरणकीजै गुडामिलायसोमोदककरै अ-ग्निवधैजुकासतवहरैं अथसमशरकराचूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठमघांमरचांदलपान दालचीनीएलापुनठान-एलातेंउलटालषभाय दुगुणदुगुणकरऔषदपाय यहचूरणनीकेंपीसावै सभकेसममिसरीजुमिलावै षा-वैअर्शगुल्मकोंटार श्वासकासमंदाग्निनिवार कंठहृदयकेरोगविडारे यहचूरणएतेगुणधारै ॥ अन्यचूर-ण ॥ चौपई ॥ कर्षप्रमानमरचलषलीजै मघांअर्धकर्षध[illegible]जै पलदाडिमदोपलगुडपाय अर्धक-र्षयवक्ष्यारामिलाय सभरलाययथावलषावै सर्वप्रकारकोकासमिटावै अथविभीतकअविलेह ॥ चौ पई ॥ गिटकाविनावहेडेलीजे प्रस्थप्रमाणचूर्णसोकीजे अजामूत्रसोंपीसमंगाय मधुमिलायचाटेसु-खपाय श्वासकासकोहोवेनास मनमोंनिश्चैकीजेतास ॥ अथजीवंत्यादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जीवंती-पाठाजुमुलठ त्रिफलावंशलोचनकरकठ मुथराटलामघांकचूर दोइकंडयारीपुष्करमूर सारवाद्राक्षा वहेडाविडंग यवासारिद्धचित्राअरुहिंग पुनर्नवाजवानरसोंतभाडेंगी त्रायमाणभूआमलीकर्कटशृंगी देवदारुलोहरजतामोपाय पीसमहीनजुचूर्णवनाय अमलवेतात्रिकुटायवक्ष्यार यहसमचूर्णमधुघृतडारषा-वैकासपंचप्रकार श्वासरोगसंयुक्तविडार अथपद्मकादिचूर्ण चौपई पद्मलेहुत्रिफलात्रिकुटाय सुरदारविडं-गचूरणसमभाय मधुघृतमेलचटावैतास सर्वप्रकारकासहोइनाश अथसिंहामृतघृत ॥ चापई ॥ वा-साकंडयारीजुगिलोय इन्हकेकाथकरेनरजोय अरुइन्हहीकोचूरणपावै घृतपकायशुद्धकरषावै पुरातन-जुरमंदाग्निविनाश जावैग्रहणिशूलश्वासकास ॥ अथकंटकारीघृतं ॥ चौपई ॥ कंडयारीरसकेमंझार हरडवलाभषडासमडार पुनरहसनघरधीउपकावै षावैपंचविधकासनसावै ॥ अन्यचकंटकारीघृतम् ॥

चौपई ॥ कंडयारीपंचांगमंगाय द्रोणतोयमोताहिपकाय रहैपादशेषताकोजव छाणप्रस्थघृतपावैतित-
इतव मघगजपीपलअरुयवक्षार पिपलामूलवरचयहडार चित्रासैंचलभषडाठान रहसणपलपलले-
परिमान समघृतपायपकावैसोय षावैश्वासकासकोषोय पीनसादिकफसकलविकार हृदयशूलहरल-
गैनवार ॥ अथवृहतवासाघृत ॥ चौपई ॥ समूलपत्रशाखालेवासा चूर्णशतपललीजीयेतासा दोइप्र-
स्थपंचमूलकोचूरण पुनअवरहुंचूरणकरपूरण हरडवहेडाआमलेजान कुडवकुडवइन्हकोपरिमान स-
भीद्रोणजलमोंपकवावे पादशेषजवरहैछनावै मेदामहामेदाकाकोली जीवकरिषवक्षीरकाकोली दो-
नोरजनीचंदनठान मुगदपरणिमाषपरणीजान मघअसगंधमुलठसमोय संठीसैंफपुनमरचसंजोय
काकनाशकाद्राक्षशतावरि लघुलायवीपीसतामोंधरि इन्हसभकेसमघृतजुमिलावै चतुर्गुणदुग्धगा-
यकोपावै पायपकाययथावलषाय सभहीकासक्षीणताजाय हिडकीअवरश्वासकोषोय यातैंसुष्टकंठ-
स्वरहोय अथकंटकारीलेह ॥ चौपई ॥ कंडयारीलेहुतुलापरिमाण द्रोणतोयमोंकरोपकाण रहैपदशेषसो-
जवै पलपलचूरणपावैतवै जवांहामुथूगिलोयभिडंगी रहसणत्रिकुटाककडशृंगी चित्राचवकसटीपु-
नजान वीसशरकरापलतिंहठान घृतपलअष्टअष्टपलतैल पकावैमंदअग्निसभमेल तलेउतारशीतल-
करजवै मधुपलअष्टमिलावैतवै वंशलोचनमघपीपलदोय चारचारपलमेलोसोय चाटेयाकोवलअनु-
सार षिरकीकासहरपांचप्रकार ॥ अथव्याघ्रीहरीतकीलेह ॥ चौपई ॥ समूलपत्रशाखाफलफूल कं-
डयारीजुतुलाइकतूल शतइकहरडजलद्रोणपकावै जवैशेषइकपादरहावै तवशतपलगुडपायपकाय
शीतलकरयहचूर्णपाय षटपलपुष्करमूलपछान पलपलचतुरजाततिहठान त्रिकुटात्रैपलतामोडार
भाजनस्वछताहिमोधार वलअनुसारचाटियेसोय त्रिदोषकासनाशतवहोय वातपित्तकफकीजोकास
द्विदोषजकासहायेसभनाश क्षतकीकासयक्ष्मकीकास पीनसक्षईजायपुनश्वास उरक्षतयक्ष्महरनयह-
लह्यी भृगुरिषयहजुरसायणकह्यो अथअगस्तहरीतकी ॥ चौपई ॥ इकशतहरडसंपूरणराषै अवरऔ-
षदचूरणकरभाषै दशमूलजवांहावलाकचूर शंखपुष्पिअरुपीपलमूर अपामार्गचित्राजुभिडंगी पुष्क-
रमूलकरोइकसंगी , कौंचवीजजोतामोपाय गजपीप्पलकोताहिरलाय यहसभदोदोपलपहिचान
आढकयवतंहकरोमिलान पांचआढकजलपायपकावै यवगलनेतकअग्निधरावै तवयहवस्त्रछनावैका-
थ गुडइकतुलामिलावैसाथ अरुसोऊहरडैंताहिमिलावै कुडवकुडवघृततैलरलावै मंदअग्निसोंता-
हिपकाय तलेउतारशीतलकरवाय कुडवमघांअरुकुडवमषीर ताहिरलावैवुधजनधीर पलपलचतुर-
जातपीसाय सकलमांहियहधरोमिलाय दोयहरडानितभक्षणकरै अैसोनेंमनिताप्रतिधरै ऊपरतेंरस-
पीवैसोय जेतोवलआपनमोंहोय परमरसायणयहलषलीजै याकेसुनगुणाजानपतीजै जराहरैजुयुवा-
प्रगटावै वरणआयुवलवहुतवधावै कासकहीजोपांचप्रकार नाशेयहसमुझोचितधार हिक्काश्वासवि-
षमज्वरनाशे ग्रहणीअर्शहृदरोगविनाशे पीनसनजलाअरुचिनिवारै एतेरोगहरै
गुणधारै परमरसायणयाकोंजान अगस्तरिषीयहकीनवषान लोकनकोहितमनमोधार याहीतेंकीनो-
उपकार ॥ इति ॥ अथवसिष्टहरीतकी ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंहरडएकशतलीजै यवआढकप्रमानजुलहीजै
जलजुसप्तआढकातिंहपावै लोहकडाहेपायपकावै दंतीअसगंधमघांमिलाय करंजूमूलविल्वफलपाय
दोइरजनीगजपीपलपावै अपामार्मसंगपायमिलावै भिलावैकौंचवीजतिहपावै मघांपीसकरताहिर-
लावै सपत्रमूलचित्रापुनठान इनकासभइकपलपलमान दसमूलआढकपरीमान मंदअग्निसभकरो-

पकान जबगलगयेजानहैजवै तलैउतारैछाणैतवै पुनशतपलतामोगुडपाय हरडसहस्रइकताहिमि-
लाय प्रस्थपुरातनघृतसंगदीजे प्रस्थनवीनतिलतैलसुलीजै पुनपकायशीतलकरलेय माष्योंदोप्रस्थता-
मोदेय मघाचूर्णअष्टपलपाय मासपर्यंतहरडकोंषाय सर्वरोगकोहोइहैनाश आगेंभीक्रमसुनियेतास
जोयहहरडमासदोइषाय अपूर्वदृष्टलोचनरुजजाय तीनमासपर्यंतजुषावै कुष्टरोगदूरहोइजावै षावे-
हरडमासजोचार भगंदरश्लीपदवातविकार बातगुल्मश्वासअरुकास यातेंइन्हरोगनकोनाश पांचमा-
सलगसेवैयाहि स्वेतकेशश्यामहोंइताहि जोषटमासलगेंयहषावें जरादूरहोइदेहसुहावै दुरमदहस्तीकी-
जोन्याई असवलप्रातहोयतिसताई मयूरन्यायकंठस्वरतास शरदचंद्रमुखकांतिप्रकाश कमलफूलवत-
नेत्रसुहावत वुद्धिवृहस्पतिइवलषपावत जानूअरुजंघामंझार हयइववेगहोयनिरधार एकसहस्रवर्षप-
रयंत जीवतरहैजानोयहतंत श्रीवसिष्टलोकनहितजान यहहरीतकीकल्पवषान ॥ अथकुलत्थगुड ॥
॥ चौपई ॥ कुलथशतपलशतपलदशमूल भार्गीजष्टीशतपलसमतूल तोयचतुर्गुणपायपकावै
छाणैपादशेषजुरहावै तामोअर्धतुलागुडपाय शीतलकरैजुताहिपकाय षट्पलवंशलोचनजुमिलावै दो-
इपलचूरणमघारलावै माष्योंकुडवएकपरिमान मेलसनिग्धपात्रमोंठान नित्ययथावलताकोंषावै श्वा-
सकासविष्मज्वरजावै राजयक्ष्मपीनसजुविडारै पांडुहृदयकेरोगनिवारै कफअरुवातरोगहोइनाश गु-
डकुलत्थयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यचकुलत्थगुड ॥ चौपई ॥ कुलथपायअरुमूलकमूल चारचारपललेस-
मतूल तुलाएकदशमूलपछान द्रोणएकजलपायंपकान पादशेषक्काथरहैजवै वस्त्रसोंछाणलेयसोतवै आ-
द्रकरसइकप्रस्थसोलीजै घोलताहिमोसोइरलीजै अठअठपलघृततैलमिलाय तुलाएकभरगुडतिंहपाय
पुनपयशीतलकाकरधरै यहचूरणपुनतामोंकरैं चवककायफलमुथाभिडंगी त्रीसुगंधअरुककडशृंगी
त्रिकुटाजीरापुष्करमूर अजवायणपुनपायकचूर अर्धअर्धपलयहसमपाय प्रस्थएकमधुताहिमिलाय व-
लअनुसारनित्यसोषावै कफविकारज्वरकासमिटावै श्वासहृदयक्षतछर्दविनाशे हृदयशूलस्वरक्षयकों
नासे त्रिषाअरुचमंदाग्निमिटावे गुडकुलत्थकोंऐसेंगावे ॥ अथसामान्यविधि ॥ चौपई ॥ सुंठसुका
वेछांवेंवासा तीसरभागसमचूरणतासा मधुरलायअसचाटेतास नासेतासकासअरुश्वास अथसाध्य-
कष्टसाध्यकास क्षयक्षतजकासवलहीनकोहोय ताकेप्राणहरेलषसोय वलवानपुरुषकोसाध्यपछान क्ष
तजतासतेंजाप्यकरमान वातपित्तकफकहेजुतीन इनकीकासलषेपरवीन साध्यतासकोपथ्यसेंजानो अ-
वरअसाध्यकासतुममानो अतीसारकरसंयुतजोय कासअसाध्यलषोतुमसोय ॥ अथअसाध्यकास ॥
॥ चौपई ॥ वृद्धअवस्थाकीजोकास अरुअतक्षीणहुंकीलषतास यहदोइकासअसाध्यलषावैं अवरसा-
ध्यसुखसाध्यकहावैं ॥ दोहा ॥ कासचिकित्सायहकहीविवरेसहितविचार पथ्यापथअधिकारअवसोसु-
निए चितधार ॥ इतिकासरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथकासरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कासरोगकेपथअपथसभहींकहोंसुनाय जिहप्रकारशास्त्रहिंभन्योसुनोचतुरचितलाय ॥ अ
थपथ्यं ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटाककडशृंगी आद्रकविहीदानाजुभिडंगी पोस्तहफीममुलठयवक्षार
सज्जीदाडिमकीनउचार अपामार्गपुनजानलहीजै सैंधासौंचलसमुझपतीजे चणेमुंगपुनमोठपछानो
कनकअवरमाष्योंउरठानो रसकुलत्थकंडयारीजान दुधदहीघृतअजाप्रमान गौवकरीकोमूत्रजुकहिये

षासीकफकोपथ्यलहैये ॥ दोहा ॥ कासरोगकेपथ्यकहेमनमोंसमुझविचार इसआगेंअबकहितहोंकास-अपथ्यविसतार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ रुधमोक्षजानोनखवार आतपदंतघर्षनिरधार धूड़ीउड़ती: मोंजोपैठन आंधीपवनमध्यजाबैठन दाहकग्राहकरांक्षिजुषावे विष्टामूत्रडिकारस्कावे कंदकचालूआ-दिकजेते दुष्टअन्नपाणीसुनतेते गुरुशीतलजेतेअन्नपान औरविरुद्धभोजनमनआन तैलअवरदधिगुड-जुलषावै अरुव्यायामशाकजुकहावे गलगलआदिआंवषटेआई माषरोगलौंअतिदुखदाई मत्समास-तिलसरषपजान कासअपथ्यकीनव्याख्यान ॥ दोहा ॥ षांसीरुजकेपथअपथसभईकिनिवषान समुझचि-किस्साजोकरेसोहैपुरुषसुजान ॥ इतिअपथ्यं ॥ दोहा ॥ कासनिदानबषानकैतीउनकह्योउपाय प थ्यापथअधिकारपुनभाष्योसभेसुभाय ॥ इतिकासरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथकासरोगेकर्मविपाकमाह ॥

॥ कथकारणं ॥ चौपई ॥ मिथ्यावचनकहैनरजोय लोकनकोंदुखदायकहोय पित्तरककरषांसी-तास प्रगटहोतयोंकीनप्रकाश ब्राह्मणकोंकरभ्रष्टस्थान वातकासतातैंप्रगटान जोजलपानमोंविघ्नउ-पावै ताहिसलेषमषांसीधावै ब्रह्माविष्णुरुद्रमंझारे जोनरइन्हमोंभेदविचारे सन्निपातषांसीतिसहोय निश्चयमममोजानोसोय मिजनिमित्तपशुमारजुषावे कर्मजदोषकासतिसधावे ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ पवनस्वर्णमूरतवनवाय ताम्रमूर्तइकहरणहुभाय द्रोणश्यामतिलऊपरधरै ब्रह्मादिकसहिपूजनकरै हवन-करैपूजनग्रहजोय मार्जनरोगिहिंकीजैसोय घृतमादिकब्राह्मणकोंदेवै निजहिकासतेंमुक्तिलषेवै ॥ दोहा ॥ कासरोगकेदोषकोकारणकह्योउपाय क्षईरोगवरननकरोंसुनलीजैचितलाय इतिकासरोगकारणउपाय-

॥ अथकासरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ अठमैचौथेशनिपडेद्वादशभौमकरूर तांकोपीडाकासकीहोतकर्ततनचूर शनिमंगलप्र-तिमाकरेदेयद्विजनकरहोम दानप्रतिष्टासंगसोरोगदूरतनसोम ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथाऽन्यप्रकारकासरोगवर्णनम् रोगखांसी ॥

॥ चौपै ॥ खांसीरोगहोतहैजाको सुरफेनामफारसीताको कासरोगफिफरेकाजांनो जुलजुलाट-ताहूमेमांनी ज्योंदिमागमेंखुजलीहोई आवतछीककासइमसोई सरदीतरीअधकतनजाको कफमो-टागहरापकाताको श्लेष्मीहोएवृद्धवाकोई शीतलपवनलगेतनसोई अथवानींदहुतेउठआवे कास-रोगऐसेंप्रघटावे ॥ दोहा ॥ वांसापुष्पमंगायकेसुंठीत्रिफलापाय ॥ नागवेलसमलीजिएदसदसमासेभाय-चारसेरजलपायकेकरेक्काथनरकोय ॥ चतुर्थांसकोसापिवेकासदूरइमहोय ॥ सूठगिलोवांसाधमापुष्करमु-लमिलाय लघुकंडेआरीमेलिएसमसमऔषधपाय मासेसाडेत्रैइत्रैकरेक्काथमतिमांन सातदिवसकेपांन-तेंखांसीदूरपछांन ॥ चौपै ॥ सुंठीत्रिफलामघांमंगावे मर्चभडिंगीबांसापावे वावडिंगपद्मकाष्ठामिलाय नागरमोथाधाररलाय लेसमचूरनपीसवनावे साडेदसमासेनितखावे गर्मनीरसोंसेवनकरिए कास रोगताहीछिनहरिए मघांहरीडकुठसमलीजे वीचमखीरगावघृतदीजे लेहवनायचटावेकोई कासरो-गतवनासेहोई ॥ दोहा ॥ गूंदलीजिएखैरकाचीनीखंडमिलाय दोनोंतेलेपांचलेमैदातोलापाय घृतके-बीचपकायकेकडाहकरेमतिमांन खावेखांसीनारहेहोतदेहवलवांन ॥ चौपै ॥ मर्चआकजढलेसमपावे